



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

साप्ताहिक

WEEKLY

सं. 10] नई दिल्ली, मार्च 2, 2008—मार्च 8, 2008, शनिवार/फाल्गुन 12—फाल्गुन 18, 1929
 No. 10] NEW DELHI, MARCH 2—MARCH 8, 2008, SATURDAY/PHALGUN 12—PHALGUN 18, 1929

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह पृथक संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप—खण्ड (ii)
 PART II—Section 3—Sub-section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए संविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India
 (Other than the Ministry of Defence)

कार्यिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय
 (कार्यिक और प्रशिक्षण विभाग)
 नई दिल्ली, 27 फरवरी, 2008

का.आ. 464.—केंद्रीय सरकार एतद्वारा दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 (1946 का अधिनियम सं. 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा राज्य के गृह विभाग की अधिसूचना सं. 20/3/2008-3-एचजी-1 दिनांक 1, फरवरी, 2008 द्वारा प्राप्त सहमति से भारतीय दंड संहिता, 1860 (1860 का अधिनियम सं. 45) की धारा 364, 376, 302, 201 और 34 के अधीन पुलिस स्टेशन सिटी बल्लाभगढ़ में दर्ज प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 567 दिनांक 19-12-2007 का तथा उपर्युक्त अपराधों से संबंधित अथवा संसक्त प्रयत्नों, दुष्करणों और घड़यंत्रों तथा उसी संबंधित के अनुक्रम में अथवा उन्हीं तथ्यों से उद्भूत किसी अन्य अपराध अथवा अपराधों का अन्वेषण करने के लिए दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तार सम्पूर्ण हरियाणा राज्य पर कारती है।

[सं. 228/14/2008-एवीडी II]
 मनीषा सक्सेना, उप सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC
 GRIEVANCES AND PENSIONS

(Department of Personnel and Training)

New Delhi, the 27th February, 2008

S.O. 464.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 read with Section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946), the Central Government with the consent of the State of Haryana, Home Department *vide* No. 20/3/2008-3HG-I dated 1st February, 2008, hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Haryana for investigation of FIR No. 567 dated 19-12-2007 under Sections 364, 376, 302, 201 and 34 of the Indian Penal Code, 1860 (Act No. 45 of 1860) Police Station City Ballabgarh and attempts, abettments and conspiracies in relation to or in connection with the offences mentioned above and any other offence or offences committed in the course of the same transaction or arising out of the same facts.

[No. 228/14/2008-AVD-II]

MANISHA SAXENA, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 27 फरवरी, 2008

का.आ. 465.—केंद्रीय सरकार एतद्वारा दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का अधिनियम सं. 2) की धारा 24 की उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मदुरै बैंच, मद्रास उच्च न्यायालय में केंद्रीय अन्वेषण व्यूरो के रिटेनर काउंसिल श्री एस. रोजारियो सुंदर राज, एडवोकेट को दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना द्वारा अन्वेषित मामलों से उद्भूत अभियोजन, अपीलों, पुनरीक्षणों अथवा अन्य मामलों का मदुरै बैंच, मद्रास उच्च न्यायालय में संचालन करने के लिए विशेष लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. 225/53/2007-एवीडी-II]

चंद्र प्रकाश, अवर सचिव

New Delhi, the 27th February, 2008

S.O. 465.—In exercise of the powers conferred by the provisions of sub-section (8) of Section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act No. 2 of 1974), the Central Government hereby appoints Shri S. Rozario Sunder Raj, Advocate a Retainer Counsel of Central Bureau of Investigation, in the Madurai Bench of Madras High Court as Special Public Prosecutor, for conducting prosecution, appeals, revisions or other proceedings arising out of the cases investigated by the Delhi Special Police Establishment, in the Madurai Bench of Madras High Court.

[No. 225/53/2007-AVD-II]

CHANDRA PRAKASH, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(वित्तीय सेवाएँ विभाग)

नई दिल्ली, 27 फरवरी, 2008

का.आ. 466.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध एवं प्रक्रीय उपबंध) स्कॉम, 1970/1980 के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) के साथ पठित, बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970/1980 की धारा 9 की उपधारा 3(ज) और (3-क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार, एतद्वारा, श्री मुश्ताक अताउल्लाह अंतुले और श्री गौतम पी. खण्डेलवाल को अधिसूचना की तिथि से तीन वर्षों की अवधि के लिए अधधा अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, पंजाब नैशनल बैंक के निदेशक मण्डल में अशकालिक गैर-सरकारी निदेशक के रूप में नामित करती है।

[फा. सं. 9/22/2006-बीओ-1]

जी. बी. सिंह, उप सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Financial Services)

New Delhi, the 27th February, 2008

S.O. 466.—In exercise of the powers conferred by sub-clause 3(h) and (3-A) of Section 9 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970/1980 read with sub-clause (1) of clause 3 of the Nationalized Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970/1980, the Central Government, hereby nominates Shri Mushtaq Attaullah Antulay and Shri Gautam P. Khandelwal as part time non-official director on the Board of Directors of Punjab National Bank for a period of three years from the date of notification and/or until further orders, whichever is earlier.

[F. No. 9/22/2006-BO-I]

G. B. SINGH, Dy. Secy.

कार्यालय, मुख्य आयकर आयुक्त

जयपुर, 26 फरवरी, 2008

अधिसूचना सं. 14/2007-08

का.आ. 467.—आयकर नियम, 1962 के नियम 2 सी ए के साथ पठनीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 10 के खण्ड (23 सी) की उपधारा (vi) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मुख्य आयकर आयुक्त, जयपुर एतद्वारा निर्धारण वर्ष 1999-2000 एवं आगे के लिए कथित धारा के उद्देश्य से “जयपुर जेवियर एज्यूकेशनल एसोसिएशन, जयपुर” को स्वीकृति देते हैं।

बशर्ते कि समिति आयकर नियम 1962 के नियम 2 सी ए के साथ पठनीय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10 के उपखण्ड (23 सी) की उपधारा (vi) के प्रावधानों के अनुरूप कार्य करे।

[सं. मुआआ/अआआ/(समन्वय)/जय/10(23सी)(vi)/07-08/6945]

एस.सी. कपिल, मुख्य आयुक्त

OFFICE OF THE CHIEF COMMISSIONER OF
INCOME TAX

Jaipur, the 26th February, 2008

Notification No. 14/2007-08

S.O. 467.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) read with rule 2CA of the Income-tax Rules, 1962 the Chief Commissioner of Income-tax, Jaipur hereby approves “Jaipur Xavier Educational Association, Jaipur” for the purpose of said section for the A.Y. 1999-2000 and onwards.

Provided that the society conforms to and complies with the provisions of sub-clause (vi) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 read with rule 2CA of the Income-tax Rules, 1962.

[No. CCIT/JPR/Addl. CIT(Coord.)/10(23C)(vi)/2007-08/6945]

S. C. KAPIL, Chief Commissioner

जयपुर, 27 फरवरी, 2008

अधिसूचना सं. 15/2007-08

का.आ. 468.—आयकर नियम, 1962 के नियम 2 सी ए के साथ पठनीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 10 के खण्ड (23 सी) की उपधारा (vi) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मुख्य आयकर आयुक्त, जयपुर एतद्वारा निर्धारण वर्ष 2002-2003 एवं आगे के लिए कथित धारा के उद्देश्य से “बाल भारती शिक्षा समिति, अलवर” को स्वीकृति देते हैं।

बशर्ते कि समिति आयकर नियम 1962 के नियम 2 सी ए के साथ पठनीय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10 के उपखण्ड (23 सी) की उपधारा (vi) के प्रावधानों के अनुरूप कार्य करे।

[सं. मुआआ/अआआ/(समन्वय)/जय/10(23सी)(vi)/07-08/6945]

एस. सी. कपिल, मुख्य आयुक्त

Jaipur, the 27th February, 2008

Notification No. 15/2007-08

S.O. 468.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) read with rule 2CA of the Income-tax Rules, 1962 the Chief Comissioner of Income-tax, Jaipur hereby approves “Bal Bharti Shiksha Samiti, Alwar” for the purpose of said section for the A.Y. 2002-2003 and onwards.

Provided that the society conforms to and complies with the provisions of sub-clause (vi) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 read with rule 2CA of the Income-tax Rules, 1962.

[No. CCIT/JPR/Addl. CIT (Coord.)/10(23C)(vi)/2007-08/6957]

S. C. KAPIL, Chief Commissioner

वस्त्र मंत्रालय
(हथकरघा विकास आयुक्त का कार्यालय)

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 2008

का.आ. 469.—केंद्रीय सरकार, हथकरघा (उत्पादनार्थ वस्तु आरक्षण) नियम, 1986 के नियम 3 के साथ पठित हथकरघा (उत्पादनार्थ वस्तु आरक्षण) अधिनियम, 1985 (1985 का 22) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिनांक 5 जुलाई, 2007 के भारत के राजपत्र, भाग II, खण्ड 3, उप-खण्ड (ii) में प्रकाशित भारत सरकार, वस्त्र मंत्रालय (विकास आयुक्त, हथकरघा कार्यालय) के दिनांक 29 जून, 2007 के का.आ. 1100 (अ) की अधिसूचना में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना में क्रम संख्या 26 और तत्संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित क्रम संख्याएं और प्रविष्टियां जोड़ी जाएंगी, अर्थात्—

‘27. श्री छत्रसिंह अमरसिंह सोलंकी, मुकाम-बाथला, तालुक बाल सिनोर, जिला खेड़ा, गुजरात—सदस्य
28. श्री रघुसिंह मसूरसिंह परमार, कुकुम धोलावडा, तालुक वीरपुर, जिला खेड़ा, गुजरात—सदस्य
29. श्री ग्रिजेश सिंह, बी-29/ए, महावीर गली, गली नं. 12, मयूर पब्लिक स्कूल के पीछे, मंडावली, दिल्ली-110092—सदस्य’

[का. सं. 14/5/96-डीसीएच/सीईओ]

बी. के. सिन्हा, विकास आयुक्त

MINISTRY OF TEXTILES
(OFFICE OF THE DEVELOPMENT
COMMISSIONER FOR HANDLOOMS)

New Delhi, the 26th February, 2008

S.O. 469.—In exercise of the powers conferred by Section 4 of the Handlooms (Reservation of Articles for Production) Act, 1985 (22 of 1985) read with rule 3 of the Handlooms (Reservation of Articles for Production) Rules, 1986, the Central Government hereby makes the following amendments to the notification of the Government of India, in the Ministry of Textiles (Office of the Development Commissioner for Handlooms) number S.O. 1100(E), dated the 29 June, 2007 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 5th July, 2007, namely:—

In the said notification, after serial number 26 and the entries relating thereto, the following serial numbers and entries shall be added, namely:—

‘27. Shri Chhtrasinh Amarsinh Solanki, Mukam—
Bathla, Taluk Bala Sinor, District Kheda,
Gujarat—Member
28. Shri Raghusinh Masursing Parmar, Kukam—
Dholawada, Taluk Virpur, District Kheda,
Gujarat—Member

29. Shri Grijesh Singh, B-29/A, Mahavir Gali, Gali No.
12, Behind Mayur Public School, Mandawali,
Delhi-110092—Member.”

[F. No. 14/5/96-DCH/CEO]
B. K. SINHA, Development Commissioner

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 4 फरवरी, 2008

का.आ. 470.—इस मंत्रालय की दिनांक 6 अगस्त, 2007 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में और चलचित्र (प्रमाणन) नियमावली, 1983 के नियम 7 और 8 के साथ पठित चलचित्र अधिनियम, 1952 (1952 का 37) के खण्ड 5 के उप-खण्ड (1), द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्र सरकार तत्काल प्रभाव से दो वर्ष की अवधि के लिए या अगले आदेशों तक जो भी पहले हो, श्री रमेश गंगाधर खोट, 30, छत्रपति कॉलोनी, ओल्ड जालना, जालना-431203, महाराष्ट्र को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के मुंबई सलाहकार पैनल के एक सदस्य के रूप में नियुक्त करती है।

[फा. सं. 809/4/2007-एफ (सी)]

संगीता सिंह, निदेशक (फिल्म)

MINISTRY OF INFORMATION AND
BROADCASTING

New Delhi, the 4th February, 2008

S.O. 470.—In continuation of this Ministry's Notification of even number dated 6th August, 2007 and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of the Cinematograph Act, 1952 (37 of 1952) read with rules 7 and 8 of the Cinematograph (Certification) Rules, 1983 the Central Government is pleased to appoint Shri Ramesh Gangadhar Khot, 30, Chatrapati Colony, Old Jalna, Jalna-431203, Maharashtra as a member of the Mumbai advisory panel of the Central Board of Film Certification with immediate effect for a period of two years or until further orders, whichever is earlier.

[F. No. 809/4/2007-F (C)]

SANGEETA SINGH, Director (Films)

नई दिल्ली, 4 फरवरी, 2008

का.आ. 471.—इस मंत्रालय की दिनांक 13 सितम्बर, 2007 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में और चलचित्र (प्रमाणन) नियमावली, 1983 के नियम 7 और 8 के साथ पठित चलचित्र अधिनियम, 1952 (1952 का 37) के खण्ड 5-उपखण्ड (1), द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्र सरकार तत्काल प्रभाव से दो वर्ष की अवधि के लिए या अगले आदेशों तक जो भी पहले हो, श्री राम राज गिल, मकान नं. 108, डी.एम.सी., सैक्टर 38 (डब्ल्यू), चण्डीगढ़ को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के दिल्ली सलाहकार पैनल के एक सदस्य के रूप में नियुक्त करती है।

[फा. सं. 809/7/2007-एफ (सी)]

संगीता सिंह, निदेशक (फिल्म)

New Delhi, the 4th February, 2008

S.O. 471.—In continuation of this Ministry's Notification of even number dated 13th September, 2007 and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of the Cinematograph Act, 1952 (37 of 1952)

read with rules 7 and 8 of the Cinematograph (Certification) Rules, 1983 the Central Government is pleased to appoint Shri Ram Raj Gill, House No. 108, DMC, Sector 38(W), Chandigarh as a member of the Delhi advisory panel of the Central Board of Film Certification with immediate effect for a period of two years or until further orders, whichever is earlier.

[F. No. 809/7/2007-F (C)]

SANGEETA SINGH, Director (Films)

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 2008

का.आ. 472.—चलचित्र (प्रमाणन) नियमावली, 1983 के नियम 3 के साथ पठित चलचित्र अधिनियम, 1952 (1952 का 37) की धारा 3 की उप-धारा (1), द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के सदस्यों की नियुक्ति से संबंधित शुर्व अधिसूचनाओं के निष्प्रभावी होने पर केंद्र सरकार तत्काल प्रभाव से तीन वर्ष की अवधि के लिए या अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, नियन्त्रित व्यक्तियों को उक्त बोर्ड के सदस्यों के रूप में नियुक्त करती है :-

1. डा. (श्रीमती) प्रियंवदा मांहंती हेजमादी
2. श्रीमती बोबिता शर्मा
3. श्री टॉम बड़क्कन
4. श्री एल. सुरेश
5. श्री अवण श्रॉफ
6. श्रीमती मृणाल पांडे
7. श्री दिलीप चेरियन
8. श्री संजीव भार्गव
9. श्री एम वी भास्कर राव
10. श्रीमती इंदिरा कोदाली बनर्जी
11. श्री वी एन सुब्बा राव
12. श्री गिरोश कर्नाड
13. श्रीमती गीता चंद्रन
14. श्री संधी मुख्जी
15. कैप्टन विजय कुमार त्रेहन
16. डा. (श्रीमती) साधना कपूर
17. श्री पुनीत बगोडिया
18. श्री शरद मिश्रा
19. श्रीमती दुर्गा जसराज
20. श्री सोमेन्दु रॉय

[फा. सं. 809/11/2007-एफ (सी)]

संगीता सिंह, निदेशक (फिल्म)

New Delhi, the 5th February, 2008

S.O. 472.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Cinematograph Act, 1952 (37 of 1952) read with rule 3 of the Cinematograph (Certification) Rules, 1983 and in supersession of the earlier Notifications relating to appointment of members of the Central Board of Film Certification, the Central Government is pleased to appoint the following persons as members of

the said Board with immediate effect for a period of three years and until further orders :

1. Dr. (Smt) Priyambada Mohanty Hejmadi
2. Smt. Bobbeeta Sharma
3. Shri Tom Vadakkan
4. Shri L. Suresh
5. Shri Shravan Shroff
6. Smt. Mrinal Pandey
7. Shri Dilip Cherian
8. Shri Sanjeev Bhargava
9. Shri M.V. Bhaskar Rao
10. Smt. Indira Kodali Banerjee
11. Shri V.N. Subba Rao
12. Shri Girish Karnad
13. Smt. Geeta Chandran
14. Shri Sandhi Mukherjee
15. Captain Vijay Kumar Trehan
16. Dr. (Mrs.) Sadhna Kapoor
17. Shri Puneet Bagrodia
18. Shri Sharad Mishra
19. Smt. Durga Jasraj
20. Shri Soumendu Roy

[F. No. 809/11/2007-F (C)]

SANGEETA SINGH, Director (Films)

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 2008

का.आ. 473.—चलचित्र (प्रमाणन) नियमावली, 1983 के नियम 3 के साथ पठित चलचित्र अधिनियम, 1952 (1952 का 37) की धारा 3 की उप-धारा (1), द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्र सरकार दिनांक 5 फरवरी, 2008 से तीन वर्ष की अवधि के लिए या अगले आदेशों तक जो भी पहले हो, श्रीमती शर्मिला टैगोर को अवैतनिक आधार पर केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त करती है ।

[फा. सं. 809/11/2007-एफ (सी)]

संगीता सिंह, निदेशक (फिल्म)

New Delhi, the 5th February, 2008

S.O. 473.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Cinematograph Act, 1952 (37 of 1952) read with rule 3 of the Cinematograph (Certification) Rules, 1983, the Central Government is pleased to appoint Smt. Sharmila Tagore as Chairperson of the Central Board of Film Certification in an honorary capacity from 5th February, 2008 for a period of three years or until further orders, whichever is earlier.

[F. No. 809/11/2007-F (C)]

SANGEETA SINGH, Director (Films)

नई दिल्ली, 14 फरवरी, 2008

का.आ. 474.—इस मंत्रालय की दिनांक 5 फरवरी, 2008 के समसंबंधित अधिसूचना के अनुक्रम में और चलचित्र (प्रमाणन) नियमावली, 1983 के नियम 3 के साथ पठित चलचित्र अधिनियम, 1952 (1952 का 37) की धारा 3 की उपधारा (1), द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्र सरकार तत्काल प्रभाव से दो वर्षों की अवधि के लिए या अगले आदेशों तक जो भी पहले हो,

केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के सदस्यों के रूप में श्री राजीव अरोड़ा और श्रीमती एम श्रीमणि को नियुक्त करती है।

[फा. सं. 809/11/2007-एफ (सी)]

संगीता सिंह, निदेशक (फिल्म)

New Delhi, the 14th February, 2008

S.O. 474.—In continuation of this Ministry's Notification of even number dated 5th February, 2008 and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Cinematograph Act, 1952 (37 of 1952) read with rule 3 of the Cinematograph (Certification) Rules, 1983 the Central Government is pleased to appoint Shri Rajiv Arora and Smt. M. Srimani as members of the Central Board of Film Certification with immediate effect for a period of three years and until further orders.

[F. No. 809/11/2007-F(C)]

SANGEETA SINGH, Director (Films)

विदेश मंत्रालय

(सी.पी.वी. प्रभाग)

नई दिल्ली, 21 फरवरी, 2008

का.आ. 475.—राजनयिक कौसली अधिकारी (शपथ एवं शुल्क) अधिनियम 1948 (1948 का 41वां) की 2 के अंक (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत का राजदूतावास, स्टॉकहोम में श्री एस. के. नन्दी, सहायक को 21-2-2008 से सहायक कौसली अधिकारी का कार्य करने हेतु प्राधिकृत करती है।

[सं. टी-4330/1/2006]

प्रीतम लाल, अवर सचिव (कौसलीर)

**MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS
(C.P.V. Division)**

New Delhi, the 21st February, 2008

S.O. 475.—In pursuance of the clause (a) of the Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (oaths and fees) Act, 1948, the Central Government hereby authorize Shri S.K. Nandi, Assistant to perform the duties of Assistant Consular Officer in the Embassy of India, Stockholm with effect from 21st February, 2008.

[No. T-4330/1/2006]

PRITAM LAL, Under Secy. (Consular)

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 2008

का.आ. 476.—केन्द्रीय सरकार, नियंत्रित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 12 के उपनियम (2) के साथ पठित नियंत्रित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स आर.वी. ब्रिग्स एंड कम्पनी (प्रा.) लिमिटेड, 24-1-30 थोमसन स्ट्रीट, हारून मंजिल-प्रथम तल, विशाखापत्तनम-530 001 को भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का.आ. 3975 तारीख 20 दिसम्बर, 1965 से

उपाबद्ध अनुसूची में यथाविनिर्दिष्ट खनिजों और अयस्कों समूह-1 अर्थात् लौह अयस्क का विशाखापत्तनम में उक्त खनिजों और अयस्कों का नियंत्रित करने से पूर्व निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए निरीक्षण करने के लिए इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए अभिकरण के रूप में मान्यता देती है, अर्थात् :-

- (i) मैसर्स आर.वी. ब्रिग्स एंड कम्पनी (प्रा.) लिमिटेड विशाखापत्तनम, नियंत्रित निरीक्षण काउंसेल द्वारा नाम निर्देशित अधिकारियों को खनिज और अयस्क समूह-1 का नियंत्रित (निरीक्षण) नियम, 1965 के नियम 4 के अधीन निरीक्षण का प्रमाण-पत्र देने के लिए उनके द्वारा अनुसरित पद्धति की परीक्षा करने के लिए, इस संबंध में पर्याप्त सुविधाएं देती;
- (ii) मैसर्स आर.वी. ब्रिग्स एंड कम्पनी (प्रा.) लिमिटेड विशाखापत्तनम, इस अधिसूचना के अधीन अपने कृत्यों के अनुपालन में ऐसे निर्देशों द्वारा आबद्ध होगी जो निदेशक (निरीक्षण और क्वालिटी नियंत्रण) नियंत्रित निरीक्षण परिषद् द्वारा समय-समय पर लिखित रूप में दिए जाएं।

[फा. सं. 5/12/2007-ईआई एंड ईपी]

इन्दिरा मूर्ति, उप सचिव

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Commerce)**

New Delhi, the 18th February, 2008

S.O. 476.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), read with sub-rule (2) of rule 12 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, the Central Government hereby recognises M/s. R.V. Briggs & Co. (P) Ltd., 24-1-30 Thompson Street, Haroon Manjil-1st Floor, Visakhapatnam-530 001, as an agency for a period of three years with effect from the date of publication of this notification, for inspection of Minerals and Ores (Group-I), namely, Iron Ore, as specified in the Schedule annexed to the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce number S.O. 3975 dated the 20th December, 1965, prior to the export of the said Minerals and Ores at Visakhapatnam, subject to the following conditions, namely :—

- (i) that M/s. R.V. Briggs & Co. (P) Ltd., Visakhapatnam shall give adequate facilities to the officers nominated by the Export Inspection Council in this behalf to examine the method of inspection followed by them in granting the certificate of inspection under rule 4 of the Export of Minerals and Ores, Group-I (Inspection) Rules, 1965;
- (ii) that M/s. R.V. Briggs & Co. (P) Ltd., Visakhapatnam in the performance of their function under this notification shall be bound by such directives as the Director (Inspection and Quality Control), Export Inspection Council may give in writing from time to time.

[F. No. 5/12/2007-EI & EP]

INDIRA MURTHY, Dy. Secy.

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण भंगालय

(उपभोक्ता मामले विभाग)

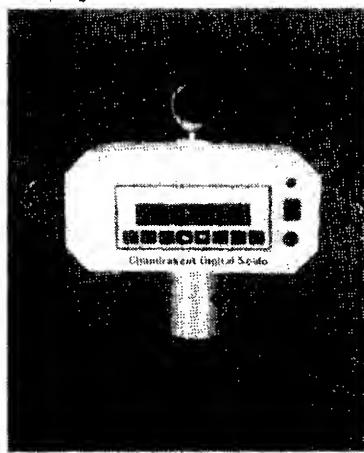
नई दिल्ली, 18 फरवरी, 2008

का. आ. 477.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समांधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स चन्द्रकान्त डिजिटल स्केल कं., चाल-12-5/165, एस बी मार्ग, लोअर पारेल, मुंबई-400013 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले “ई सी एस 10टी” शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (क्रेन प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम “चन्द्रकान्त डिजिटल स्केल” है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/07/402 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित (क्रेन प्रकार) का तोलन उपकरण है। इसकी अधिकतम क्षमता 10 टन है और न्यूनतम क्षमता 40 कि.ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 2 कि. ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शर्त प्रतिशत व्यक्तिनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

Max. 10 Tonne.
0.1kg. Acc. III
Min. 20kg.



स्टाम्पिंग प्लेट के मुद्रांकन के अतिरिक्त मशीन को कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए खोलने से रोकने के लिए सीलबन्द भी किया जाएगा और मॉडल को बिक्री से पहले या बाद में उसकी सामग्री, यथार्थता, डिजाइन, सर्किट डायग्राम, निष्पादन सिद्धांत आदि की शर्तों पर परिवर्तित नहीं किया जाएगा।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के “ई” मान के लिए 500 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अन्तराल (एन) सहित 5 टन से अधिक और 30 टन तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और ‘ई’ मान 1×10^3 , 2×10^3 या 5×10^3 , के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(172)/2007]

आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

MINISTRY OF CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION

(Department of Consumer Affairs)

New Delhi, the 18th February, 2008

S.O. 477.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of non-automatic weighing instrument (Crane type) with digital indication of "ECS-10T" series of medium accuracy (Accuracy class-III) and with brand name "Chandrakant Digital Scale" (herein referred to as the said Model), manufactured by M/s. Chandrakant Digital Scale Co., Chawl-12-5/16, S.B. Marg Lower Parel, Mumbai (W)-400013 and which is assigned the approval mark IND/09/07/402;

The said Model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Crane type) with a maximum capacity of 10 tonne and minimum capacity of 40 kg. The verification scale interval (e) is 2 kg. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternate current power supply.



In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices and model shall not be changed in terms of its material, accuracy, design, circuit diagram, working principle, etc. A typical schematic diagram of the sealing arrangement of the model has been given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 5 tonne and up to 30 tonne with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5 g or more and with 'e' value of 1×10^k , 2×10^k or 5×10^k , where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F.No. WM-21(172)/2007]

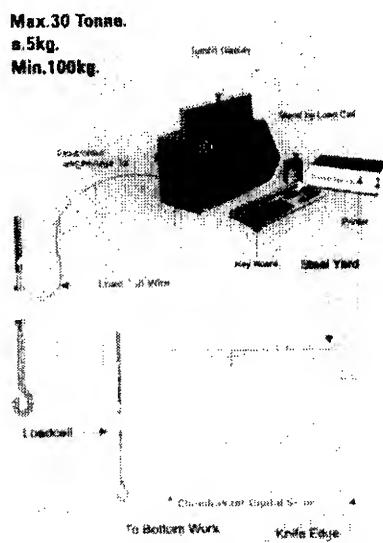
R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 2008

का. आ. 478.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स चन्द्रकान्त डिजिटल स्केल कं., चाल-12-5/165, एस बी मार्ग, लोअर पारेल, मुंबई-400013 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले “ई सी एस 30टी” शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (वेन्ट्रिज के लिए कनवर्शन किट) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम “चन्द्रकान्त डिजिटल स्केल” है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/07/403 समनुरोधेत किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करते हैं।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित (वेंट्रिज के लिए कनवर्शन किट) का तोलन उपकरण है। इसकी अधिकतम क्षमता 30 टन है और न्यूनतम क्षमता 100 कि.ग्रा. है। सत्यापन मापामान अन्तराल (ई) 5 कि. ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।



स्टार्मिंग प्लेट के मुद्रांकन के अतिरिक्त मशीन को कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए खोलने से रोकने के लिए सीलबन्द भी किया जाएगा और मॉडल को बिक्री से पहले या बाद में उसकी सामग्री, यथार्थता, डिजाइन, सर्किट डायग्राम, निष्पादन सिद्धांत आदि की शर्तों पर परिवर्तित नहीं किया जाएगा।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के दैसे ही भेक, यथार्थता और कार्यापालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 5 टन से अधिक और 100 टन तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और 'ई' मान 1×10^8 , 2×10^8 या 5×10^8 , के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(172)/2007]

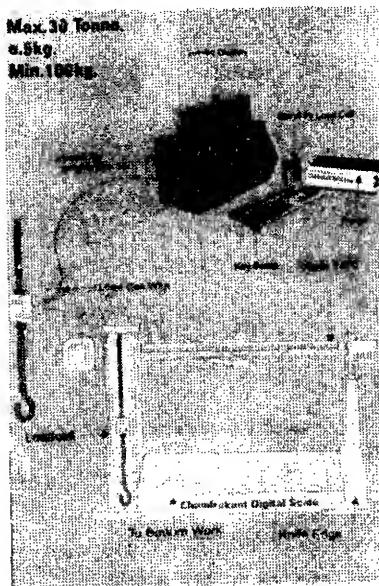
आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 18th February, 2008

S.O. 478.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of non-automatic weighing instrument (Conversion kit for weighbridge) with digital indication of "ECS-30T" series of medium accuracy (Accuracy class-III) and with brand name "Chandrakant Digital Scale" (herein referred to as the said Model), manufactured by M/s. Chandrakant Digital Scale Co., Chawla-12-5/16, S.B. Marg Lower Parel, Mumbai (W)-400013 and which is assigned the approval mark IND/09/07/403;

The said Model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Conversion kit for weighbridge) with a maximum capacity of 30 tonne and minimum capacity of 100 kg. The verification scale interval (*e*) is 5 kg. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternate current power supply.



In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices and model shall not be changed in terms of its material, accuracy, design, circuit diagram, working principle, etc. A typical schematic diagram of the sealing arrangement of the model has been given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 5 tonne and up to 100 tonne with verification scale interval (*n*) in the range of 500 to 10,000 for '*e*' value of 5 g or more and with '*e*' value of 1×10^k , 2×10^k or 5×10^k , where *k* is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

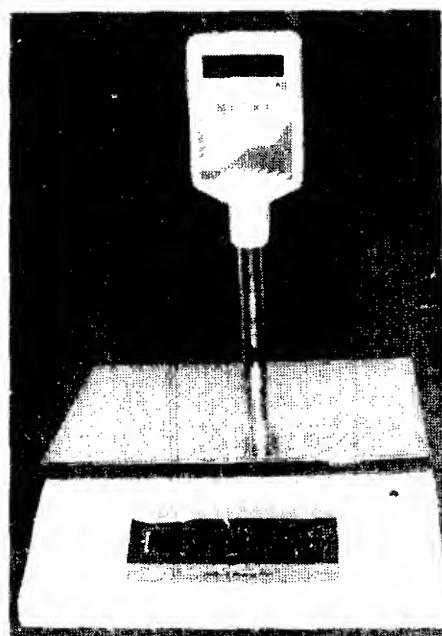
[F.No. WM-21(172)/2007]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 2008

का. आ. 479.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स मेट्रो वेइंग सिस्टम, नं. 520, 78वीं क्रास रोड, कुमारस्वामी लेआउट, बंगलौर-560078 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले “एम ई” शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टॉप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम “मेट्रो” है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/07/155 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है।



उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित (टेबल टॉप प्रकार) का तोलन उपकरण है। इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. है और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है। सत्यापन मापमान अंतराल (ई) 5 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यक्तिनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वाल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टार्मिंग प्लेट के मुद्रांकन के अतिरिक्त मशीन को कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए खोलने से रोकने के लिए सीलबन्द भी किया जाएगा और मॉडल को बिक्री से पहले या बाद में उसकी सामग्री, यथार्थता, डिजाइन, सर्किट डायग्राम, निष्पादन सिद्धांत आदि की शर्तों पर परिवर्तित नहीं किया जाएगा।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माण द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि.ग्रा. से 2 ग्रा. तक के “ई” मान के लिए 100 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के “ई” मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि. ग्रा. की अधिकतम क्षमता वाले हैं और ‘ई’ मान 1×10^3 , 2×10^3 या 5×10^3 , के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णक या शून्य के समतुल्य हैं।

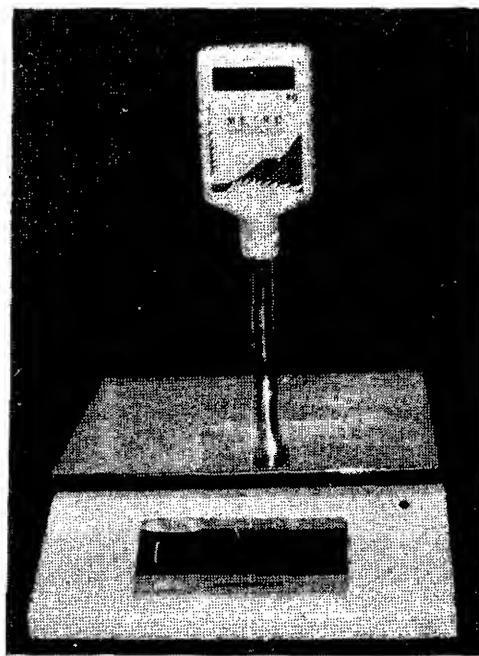
[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(71)/2007]

आर. माधुरवृथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 22nd February, 2008

S.O. 479.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of non-automatic (Table top type) weighing instrument with digital indication of "MT" series of medium accuracy (Accuracy class-III) and with brand name "METRO" (herein referred to as the said Model), manufactured by M/s. Metro Weighing Systems, No. 520, 78th Cross Road, Kumaraswamy Layout, Bangalore-560078 and which is assigned the approval mark IND/09/07/155;



The said Model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table top type) with a maximum capacity of 30kg. and minimum capacity of 100g. The verification scale interval (e) is 5 g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts and 50 Hertz alternative current power supply.

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices and model shall not be changed in terms of its material, accuracy, design, circuit diagram, working principle, etc. before or after sale.

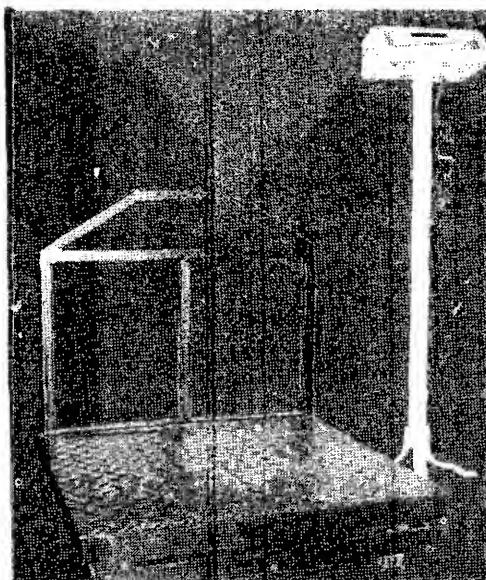
Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity upto 50 kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 10,000 for 'e' value of 100mg to 2g or with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value of 1×10^k , 2×10^k or 5×10^k , k being a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F.No. WM-21(71)/2007]
R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 2008

का. आ. 480.—केन्द्रीय सरकार का, विद्वित आधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) लाट और लाट मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपचारों के अनुरूप हैं और इस जात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपचार सेवा प्रदल करता रहेगा।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम को धारा 36 की उपधारा (7) और उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भैसस मेट्रो ब्रेंग सिस्टम, नं. 520, 78वीं क्रास रोड, कुमारस्वामी लैंडिंग, चंगल्हार 560 078 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले “एम टी” शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचारिता तोलन उपकरण (प्लॉटफार्म प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम “मेट्रो” है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/07/156 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है।



उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण है। इसकी अधिकतम क्षमता 1000 कि. ग्रा. है और न्यूनतम क्षमता 4 कि. ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 200 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यक्तिनामक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टार्टिपिंग प्लॉट के मुद्रांकन के अतिरिक्त मर्शीन को कपटपूर्ण अवहारों के लिए खोलने से रोकने के लिए सीलबन्द भी किया जाएगा और मॉडल को बिक्री से पहले या बाद में उसकी सामग्री, यथार्थता, डिजाइन, सर्किट डायग्राम, निष्पादन सिद्धांत आदि की शर्तों पर परिवर्तित नहीं किया जाएगा।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के बैंसे ही भेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के “ई” मान के लिए 500 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अन्तराल (एन) सहित 50 कि. ग्रा. से अधिक और 5000 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और ‘ई’ मान 1×10^3 , 2×10^3 या 5×10^3 , के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूँजीक या शून्य के समतुल्य हैं।

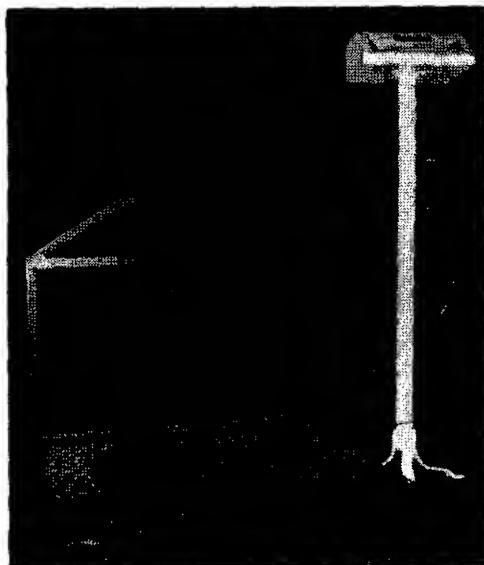
[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(71)/2007]

आर. माधुरबूधम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 22nd February, 2008

S.O. 480.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of the self indicating, non-automatic (Platform type) weighing instrument with digital indication of "MP" series of medium accuracy (Accuracy class-III) and with brand name "METRO" (herein referred to as the said Model), manufactured by M/s. Metro Weighing Systems, No. 520, 78th Cross Road, Kumaraswamy Layout, Bangalore-560 078 and which is assigned the approval mark IND/09/07/156;



The said Model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument with a maximum capacity of 1000kg. and minimum capacity of 4 kg. The verification scale interval (e) is 200 g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, and 50 Hertz alternative current power supply.

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices and model shall not be changed in terms of its material, accuracy, design, circuit diagram, working principle, etc. before or after sale.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of same series with maximum capacity above 50 kg. and up to 5000 kg. and with number of verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value of 1×10^k , 2×10^k , or 5×10^k , k being the positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

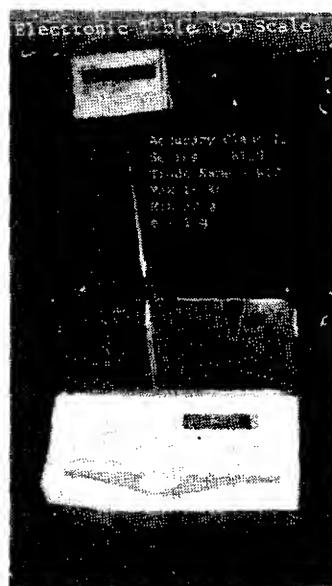
[F.No. WM-21(71)/2007]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 2008

का. आ. 481.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) और बाट तथा माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स बेंगा इण्डिया कारपोरेशन, 334/4, डॉ. भेदनाथ शाह रोड, डम डम, कोलकाता-700 074, पश्चिम बंगाल द्वारा विनिर्भित उच्च यथार्थता वर्ग (यथार्थता वर्ग-II) वाले “डब्ल्यू आई सी एच” शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम ‘डब्ल्यू आई सी’ है (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/07/267 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी और प्रकाशित करती है।



उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप प्रकार) है। इसकी अधिकतम क्षमता 15 किलोग्राम और न्यूनतम क्षमता 50 ग्राम है। सत्यापन मापमान अन्तराल 1 ग्राम है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यक्तिगत समक्ष धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टार्पिंग प्लेट को सील करने के अतिरिक्त मशीन को कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए खोले जाने से रोकने के लिए भी सीलबन्द किया जाएगा और मॉडल को इसके सामग्री, यथार्थता, डिजाइन, सर्किट डायग्राम, वर्किंग सिद्धांत आदि के रूप में कोई परिवर्तन न किया जा सके।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो । मि. ग्राम से 50 मि.ग्राम के 'ई' मान के लिए 100 से 50000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 100 मि.ग्रा. या उससे अधिक के 'ई' मान के लिए 5000 से 50,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 किलोग्राम तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और 'ई' मान 1×10^4 , 2×10^4 या 5×10^4 , के हैं, जो धनात्मक याऋणात्मक पृष्ठीक या शन्य के समतुल्य हैं ।

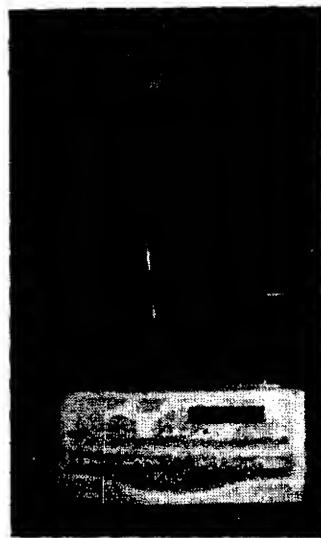
[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(130)/2007]

आर. माथरबथम. निदेशक. विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 22nd February, 2008

S.O. 481.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of the non-automatic weighing instrument (Tabletop type) with digital indication of "WICH" series of high accuracy (Accuracy class-II) and with brand name "WIC" (herein referred to as the said Model), manufactured by M/s. Weighing India Corporation, 334/4, Dr. Meghnath Shah Road, Dum Dum, Kolkata-700 074, West Bengal and which is assigned the approval mark IND/09/07/267;



The said Model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Tabletop type) with a maximum capacity of 15kg. and minimum capacity of 50g. The verification scale interval (e) is 1g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternate current power supply.

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent opening of the machine for fraudulent practices and model shall not be changed in terms of its material, accuracy, design, circuit diagram, working principle, etc. before or after sale.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instrument of similar make and performance of same series with maximum capacity up 50kg. and with number of verification scale interval (n) in the range of 100 to 50000 for 'e' value of 1mg to 50mg. and with number of verification scale interval (n) in the range of 5000 to 50,000 for 'e' value 100mg. or more and with 'e' value of 1×10^k , 2×10^k , or 5×10^k , k being the positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F.No. WM-21(130)/2007]
R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 2008

का. आ. 482.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) और बाट तथा माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपर्युक्तों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स मेट्रो ब्रेंग इण्डिया कारपोरेशन, 334/4, डॉ. मेधनाथ शाह रोड, डम डम, कोलकाता-700 074, पश्चिम बंगाल द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता वर्ग (यथार्थता वर्ग-III) वाले “डब्ल्यू आई सी टी” शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम ‘डब्ल्यू आई सी’ है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/07/268 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी और प्रकाशित करती है।



उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सैल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप प्रकार) है। इसकी अधिकतम क्षमता 10 किलोग्राम और न्यूनतम क्षमता 20 ग्राम है। सत्यापन मापमान अंतराल 1 ग्राम है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत अस्वकलनात्मक धरित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड प्रदर्श तोलन परिणाम उपर्युक्त उपर्युक्त करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टार्मिंग प्लेट को सील करने के अतिरिक्त भशीन को कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए खोले जाने से रोकने के लिए भी सीलबन्द किया जाएगा और मॉडल को इसके सामग्री, यथार्थता, डिजाइन, सर्किट डायग्राम, बॉर्किंग सिद्धांत आदि के रूप में कोई परिवर्तन न किया जा सके।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के बैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि. ग्राम से 2 ग्राम के ‘ई’ मान के लिए 100 से 10000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्राम या उससे अधिक के ‘ई’ मान के लिए 500 से 10000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 किलोग्राम तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और ‘ई’ मान 1×10^4 , 2×10^4 या 5×10^4 , के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(130)/2007]

आर. माधुरबूधम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 22nd February, 2008

S.O. 482.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of the non-automatic (Tabletop type) weighing instrument with digital indication of "WICT" series of medium accuracy (Accuracy class-III) and with brand name "WIC" (herein referred to as the said Model), manufactured by M/s. Weighing India Corporation, 334/4, Dr. Meghnath Shah Road, Dum Dum, Kolkata-700 074, West Bengal and which is assigned the approval mark IND/09/07/268;



The said Model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Tabletop type) with a maximum capacity of 10kg and minimum capacity of 20g. The verification scale interval (e) is 1g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternate current power supply.

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices and Model shall not be changed in terms of its material, accuracy, design, circuit diagram, working principle, etc. before or after sale.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instrument of similar make and performance of same series with maximum capacity up to 50kg, and with verification scale interval (n) in the range of 100 to 10000 for 'e' value of 100mg to 2g or with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value 5g or more and with 'e' value of 1×10^k , 2×10^k , or 5×10^k , k being the positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

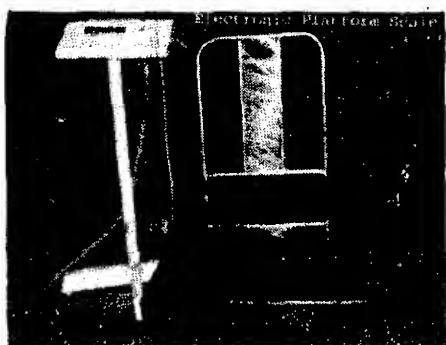
[F.No. WM-21(130)/2007]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 2008

का. आ. 483.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) और बाट तथा माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स वेइंग इण्डिया कारपोरेशन, 334/4, डॉ. मेधनाथ शाह रोड, दम दम, कोलकाता-700 074, परिचम बंगल द्वारा विनिर्मित उच्च यथार्थता वर्ग (यथार्थता वर्ग-II) वाले “डब्ल्यू आई सी पी एच” शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेट फार्म प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम ‘डब्ल्यू आई सी’ है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/07/269 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है।



उक्त मॉडल एक विकृत गैज प्रकार का भार सैल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म प्रकार) है। इसकी अधिकतम क्षमता 150 किलोग्राम और न्यूनतम क्षमता 500 ग्राम है। सत्यापन मापमान अंतराल 10 ग्राम है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यक्तिनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत पर कार्य करता है।

स्टाम्पिंग प्लेट को सील करने के अतिरिक्त मशीन को कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए खोले जाने से रोकने के लिए भी सीलबन्द किया जाएगा और मॉडल को इसके सामग्री, यथार्थता, डिजाइन, सर्किट डायग्राम, वर्किंग सिद्धांत आदि के रूप में कोई परिवर्तन न किया जा सके।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से, जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि. ग्राम से 50 मि.ग्राम के ‘ई’ मान के लिए 100 से 50000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 100 मि. ग्राम या उससे अधिक के ‘ई’ मान के लिए 5000 से 50000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 किलोग्राम से 5000 किलोग्राम तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और ‘ई’ मान 1×10^8 , 2×10^8 या 5×10^8 , के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूणीक या शून्य के समतुल्य हैं।

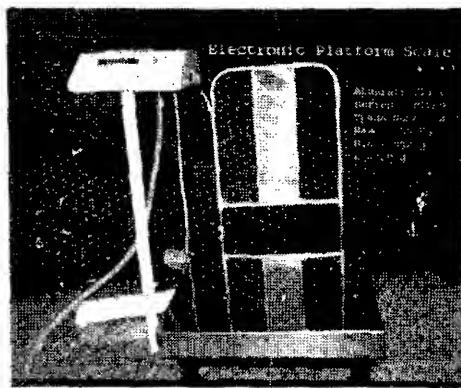
[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(130)/2007]

आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 22nd February, 2008

S.O. 483.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of the non-automatic weighing instrument (Platform type) with digital indication of "WICPH" series of high accuracy (Accuracy Class-II) and with brand name "WIC" (herein referred to as the said Model), manufactured by M/s. Weighing India Corporation, 334/4, Dr. Meghnath Shah Road, Dum Dum, Kolkata-700 074, West Bengal and which is assigned the approval mark IND/09/07/269;



The said Model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Platform type) with a maximum capacity of 150kg. and minimum capacity of 500g. The verification scale interval (e) is 10g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternate current power supply.

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices and model shall not be changed in terms of its material, accuracy, design, circuit diagram, working principle, etc. before or after sale.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instrument of similar make and performance of same series with maximum capacity range above 50kg. and up to 5000kg. and with number of verification scale interval (n) in the range of 100 to 50000 for 'e' value of 1mg. to 50mg. and with verification scale interval (n) in the range of 5000 to 50000 for 'e' value 100mg. or more and with 'e' value of 1×10^k , 2×10^k , or 5×10^k , k being the positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design, accuracy and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

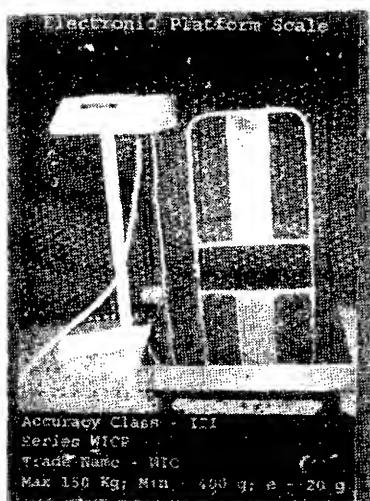
[F.No. WM-21(130)/2007]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 2008

का. आ. 484.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट तथा माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) और बाट तथा माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप हैं और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भेससं वेइंग इण्डिया कारपोरेशन, 334/4, डॉ. मेधनाथ शाह रोड, डम डम, कोलकाता-700 074, पश्चिम बंगाल द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता वर्ग (यथार्थता वर्ग-II) वाले “डब्ल्यू आई सी पी” शृंखला के अंकक सूचक सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम ‘डब्ल्यू आई सी’ है (जिसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/07/270 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी और प्रकाशित करती है।



उक्त मॉडल एक विकृत गैज प्रकार का भार सैल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म प्रकार) है। इसकी अधिकतम क्षमता 150 किलोग्राम और न्यूनतम क्षमता 400 ग्राम है। सत्यापन मापमान अंतराल 20 ग्राम है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत अंतराल व्यक्तिनामक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड प्रदर्शन तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 बोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टार्मिंग प्लेट को सील करने के अतिरिक्त मशीन को कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए खोले जाने से रोकने के लिए भी सीलबन्द किया जाएगा और मॉडल को इसके सामग्री, यथार्थता, डिजाइन, सर्किट डायग्राम, वर्किंग सिद्धांत आदि के रूप में कोई परिवर्तन न किया जा सके।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेंक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्राम या उससे अधिक के ‘ई’ मान के लिए 500 से 10000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 किलोग्राम से 5000 किलोग्राम तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और ‘ई’ मान 1×10^4 , 2×10^4 या 5×10^4 , के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णक या शून्य के समतुल्य हैं।

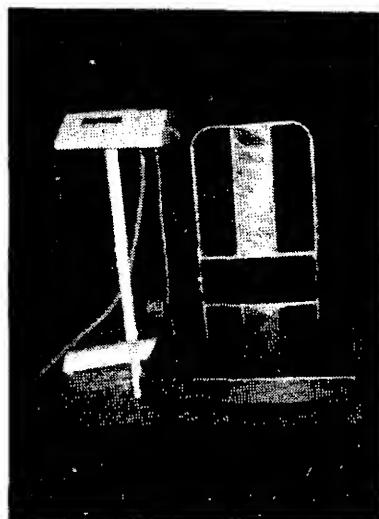
[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(130)/2007]

आर. माथुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 22nd February, 2008

S.O. 484.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of the self indicating, non-automatic (Platform type) weighing instrument with digital indication of "WICP" series of medium accuracy (Accuracy class-III) and with brand name "WIC" (herein referred to as the said Model), manufactured by M/s. Weighing India Corporation, 334/4, Dr. Meghnath Shah Road, Dum Dum, Kolkata-700 074, West Bengal and which is assigned the approval mark IND/09/07/270;



The said Model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument with a maximum capacity of 150kg. and minimum capacity 400g. The verification scale interval (e) is 20g. It has a tare device with 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternate current power supply.

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices and model shall not be changed in terms of its material, accuracy, design, circuit diagram, working principle, etc. before or after sale.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instrument of same series with maximum capacity above 50kg. and up to 5000kg. and with number of verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k , 2×10^k , or 5×10^k , k being the positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

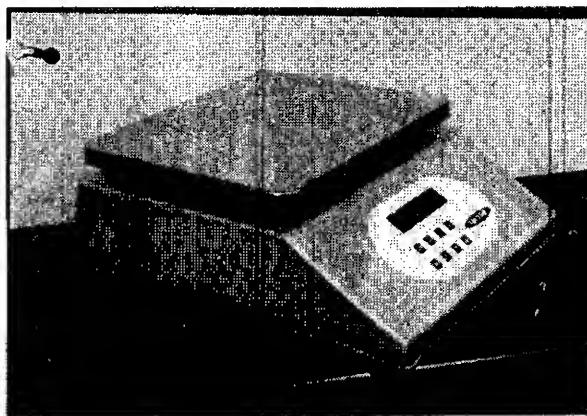
[F.No. WM-21(130)/2007]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 2008

का. आ. 485.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपर्युक्तों के अनुरूप हैं और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स विक्टर इंस्ट्रुमेंट एंड सिस्टम, येओला रोड, तकली फट्टा, संजीवनी इंग्लिश मीडियम स्कूल के पास, कोपरगांव-423 601, जिला अहमदनगर, महाराष्ट्र द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले “बी आई एस-टी बी” शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टॉप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम ‘विक्टर’ है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/07/161 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है।



उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित (टेबल टॉप प्रकार) का तोलन उपकरण है। इसकी अधिकतम क्षमता 30 किलोग्राम है और न्यूनतम क्षमता 100 ग्राम है। सत्यापन मापमान अंतराल (ई) 5 ग्राम है। इसमें एक आधेयतुलन युक्त है जिसका शत प्रतिशत व्यक्तिनात्मक धरित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टार्टिंग प्लेट के मुद्राकांन के अतिरिक्त मशीन को कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए खोलने से रोकने के लिए सीलबन्द भी किया जाएगा और मॉडल को बिक्री से पहले या बाद में उसकी सामग्री, यथार्थता, डिजाइन, सर्किट डायग्राम, निष्पादन सिद्धांत आदि की शर्तों पर परिवर्तन नहीं किया जाएगा।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि. ग्राम से 2 ग्रा. तक के ‘ई’ मान के लिए 100 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्राम या उससे अधिक के “ई” मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. की अधिकतम क्षमता वाले हैं और ‘ई’ मान 1×10^4 , 2×10^4 या 5×10^4 , के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

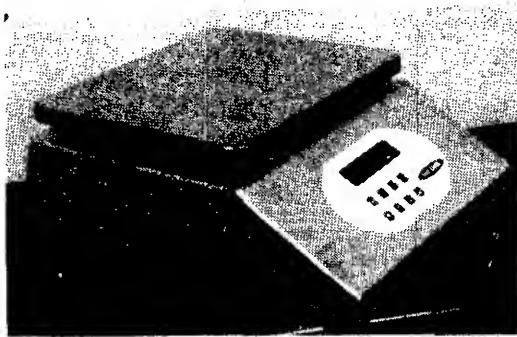
[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(80)/2007]

आर. माधुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 22nd February, 2008

S.O. 485.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic (Table top type) weighing instrument with digital indication of "VIS-TB" series of medium accuracy (Accuracy class-III) and with brand name "VICTOR" (herein referred to as the said model), manufactured by M/s. Victor Instruments & Systems, Yeola Road, Takli Phata, Near Sanjivini English Medium School, Kopargaon-423601, Dist. Ahmednagar, Maharashtra and which is assigned the approval mark IND/09/07/161;



The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table top type) with a maximum capacity of 30kg. and minimum capacity of 100g. The verification scale interval (e) is 5g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternate current power supply.

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent opening of the machine for fraudulent practices and model shall not be changed in terms of its material, accuracy, design, circuit diagram, working principle, etc. before or after sale.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 10,000 for 'e' value of 100mg. to 2g. or with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k , 2×10^k , or 5×10^k , k being a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

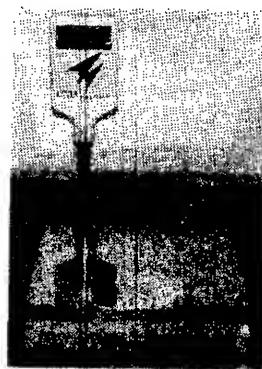
[F. No. WM-21(80)/2007]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 2008

का, आ. 486.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बाट की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और उपधारा (8) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्सोना स्केल्स कं., 63-एच, दुर्ईसामी पिल्लाई रोड, पल्लापट्टी, सलेम-636009, तमिलनाडू द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले “एसएससी-टीटी” शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टॉप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम ‘सोना’ है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/07/294 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है।



उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सैल आधारित अस्वचालित (टेबल टॉप प्रकार) तोलन उपकरण है। इसकी अधिकतम क्षमता 30 किलोग्राम है और न्यूनतम क्षमता 100 ग्राम है। सत्यापन मापमान अंतराल (ई) 5 ग्राम है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यक्तिनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्शन तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टार्पिंग स्लेट के मुद्रांकन के अतिरिक्त मशीन को कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए खोलने से रोकने के लिए सीलबन्द भी किया जाएगा और मॉडल को बिक्री से पहले या बाद में उसकी सामग्री, यथार्थता, डिजाइन, सर्किट डायग्राम, निष्पादन सिद्धांत आदि की शर्तों पर परिवर्तित नहीं किया जाएगा।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि. ग्राम से 2 ग्रा. तक के ‘ई’ मान के लिए 100 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्राम या उससे अधिक के “ई” मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और ‘ई’ मान 1×10^8 , 2×10^8 या 5×10^8 , के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूणीक या शून्य के समतुल्य हैं।

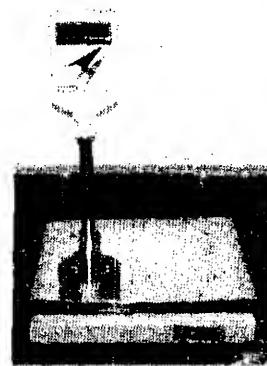
[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(155)/2007]

आर. माधुरबूथम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 22nd February, 2008

S.O. 486.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic (Table top type) weighing instrument with digital indication of "SSC-TT" series of medium accuracy (Accuracy class-III) and with brand name "SONA" (herein referred to as the said model), manufactured by M/s. Sona Scales Company, 63-H, Duraisamy Pillai Road, Pallapatty, Salem-636009, Tamil Nadu and which is assigned the approval mark IND/09/07/294;



The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table top type) with a maximum capacity of 30kg. and minimum capacity of 100g. The verification scale interval (e) is 5g. It has a tare device with 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent opening of the machine for fraudulent practices and model shall not be changed in terms of its material, accuracy, design, circuit diagram, working principle, etc. before or after sale.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 10,000 for 'e' value of 100mg. to 2g. or with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k , 2×10^k , or 5×10^k , k being a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with a same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(155)/2007]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 2008

का, आ. 487.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स सोना स्केल्स कं., 63-एच, दुरईसामी फिल्नर्इ रोड, पल्लापट्टी, सलेम-636009 तमिलनाडु द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता वर्ग (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एसएससी-पीएफ" शृंखला के स्वतः सूचक, अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म प्रकार) के मॉडल का, जिसके ग्रांड का नाम 'सोना' है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/07/295 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है।



उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण है। इसकी अधिकतम क्षमता 1000 किलोग्राम है और न्यूनतम क्षमता 4 कि. ग्राम है। सत्यापन मापमान अंतराल (ई) 200 ग्राम है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम डपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टाम्पिंग प्लेट के मुद्रांकन के अतिरिक्त मशीन को कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए खोलने से रोकने के लिए सीलबन्द भी किया जाएगा और मॉडल को बिक्री से पहले या बाद में उसकी सामग्री, यथार्थता, डिजाइन, सर्किट डायग्राम, निष्पादन सिद्धांत आदि की शर्तों पर परिवर्तन नहीं किया जाएगा।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्राम या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से 5000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और 'ई' मान 1×10^4 , 2×10^4 या 5×10^4 , के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूणीक या शून्य के समतुल्य हैं।

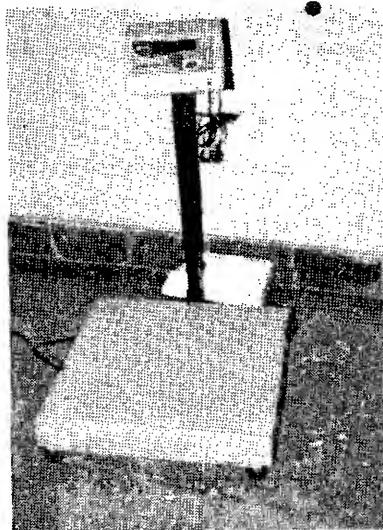
[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(155)/2007]

आर. माथुरबूधम, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 22nd February, 2008

S.O. 487.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of the self indicating, non-automatic (Platform type) weighing instrument with digital indication of "SSC-PF" series of medium accuracy (Accuracy class-III) and with brand name "SONA" (herein referred to as the said model), manufactured by M/s. Sona Scales Company, 63-H, Duraisamy Pillai Road, Pallapatty, Salem-636009, Tamil Nadu and which is assigned the approval mark IND/09/07/295;



The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument with a maximum capacity of 1000 kg and minimum capacity of 4kg. The verification scale interval (e) is 200g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts and 50 Hertz alternate current power supply.

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent opening of the machine for fraudulent practices and model shall not be changed in terms of its material, accuracy, design, circuit diagram, working principle, etc. before or after sale.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instrument of same series with maximum capacity up to 50kg and up to 5000kg. and with number of verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for ' e ' value of 5g or more and with ' e ' value of 1×10^k , 2×10^k , or 5×10^k , k being the positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(155)/2007]

R. MATHURBOOTHAM, Director of Legal Metrology

(भारतीय मानक व्यूरो)

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 2008

का.आ. 488.—भारतीय मानक व्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन भारतीय मानकों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे रद्द कर दिए गए हैं और वापस ले लिये गये हैं :

अनुसूची

क्रम सं.	रद्द किये गये मानक की संख्या और वर्ष	भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) में का.आ. संख्या और तिथि प्रकाशित	टिप्पणी
1	2	3	4
1	आईएस 1200 (भाग 17) : 1985	1525, 02 जून 1990	—

[सं. सीईडी/राजपत्र]

ए. के. सैनी, वैज्ञा. 'एफ' एवं मुख्य (सि. इ.)

(BUREAU OF INDIAN STANDARDS)

New Delhi, the 19th February, 2008

S.O. 488.—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, it is hereby notified that the Indian Standard, particulars of which is mentioned in the Schedule given hereafter, has been cancelled and stand withdrawn.

SCHEDULE

Sl. No. and year of the No. Indian Standard Cancelled	S. O. No. and Date published in the Gazette of India, Part-II, Section-3; Sub-section (ii)	Remarks	
1	2	3	4
1	1200 (Part 17) : 1985	1525, 02 June, 1990	—

[No. CED/Gazette]

A. K. SAINI, Scientist 'F' & Head (Civil Engg.)

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 2008

का.आ. 489.—भारतीय मानक व्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 के नियम 4 के उपनियम (5) के अनुसरण में भारतीय मानक व्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिन लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे स्वीकृत कर दिए गए हैं :—

अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या	वैधता तिथि	नाम व पता	उत्पाद	आई एस सं./भाग/खण्ड/वर्ष
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	8814790	30-04-2010	बत्रा ज्वैलस प्रा. लि., 2665/2, दुकान नं. 3, 4, बीडनपुरा, करौल बाग, दिल्ली-110005	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
2.	8816289	06-05-2010	पटेल एण्ड कम्पनी, 1448, गली कोटाना, सुई वालान, दिल्ली-110002	रजत आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	2112 : 2003
3.	8816491	03-05-2010	जी. दत्ता एण्ड सन्स, दुकान नं. 8, बी-5, ब्लॉक सी.एस.सी. सफदरजंग एन्कलेक, नई दिल्ली-110029	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
4.	8816592	03-05-2010	जी. दत्ता एण्ड सन्स, दुकान नं. 8, बी-5, ब्लॉक सी.एस.सी. की हॉल मार्किंग सफदरजंग एन्कलेव, नई दिल्ली-110029	रजत आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	2112 : 2003
5.	8816693	03-05-2010	बजाज ज्वैलर्स प्रा. लि., 2645, पूनम चैम्बर, बैंक स्ट्रीट, करोल बाग, नई दिल्ली-110005	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
6.	8816794	03-05-2007	जैम्स आर्ट, ए-373, डिफेन्स कोलोनी, नई दिल्ली-110024	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
7.	8816895	03-05-2007	जय श्री कटारिया ज्वैलर्स, देवी मरियम टैम्प्ल बस टर्मिनल, एफ ब्लॉक, बुध नगर, इन्द्रपुरी, नई दिल्ली-110012	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
8.	8817796	06-05-2008	कुन्दन केबल इण्डिया, 58-ए/1, दिलशाद गार्डन, इण्डस्ट्रीयल एरिया, दिल्ली-110095	पी.बी.सी. इन्सुलैटिड केबल्स	694 : 1990
9.	8817897	06-05-2010	विकास चैन कं. (प्रा.) लिमिटेड, 2501/8, गुरु चैम्बर, बीडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली-110005	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
10.	8818091	06-05-2010	वासुदेव एण्ड सन्स ज्वैलर्स, ग्राउण्ड फ्लोर, 3, स्टूटी बिल्डिंग, 2652-53, बैंक स्ट्रीट, करोल बाग, दिल्ली-110005	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
11.	8818394	07-05-2008	विसडन इलैक्ट्रो-कैब इंडस्ट्रीज, 1/536/डी-12, गली नं. 4ए, फ्रैण्डस कालोनी, इंडस्ट्रीयल एरिया, शाहदरा, दिल्ली-110095	पी.वी.सी. इन्सुलैटिड केबल्स	694 : 1990
12.	8820381	14-05-2010	श्री महालक्ष्मी ज्वैलर्स, बीई-358 बी, गली नं. 1, हरी नगर, नई दिल्ली-110064	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
13.	8820482	14-05-2010	श्री महालक्ष्मी ज्वैलर्स, बीई-358 बी, गली नं. 1, हरी नगर, नई दिल्ली-110064	रजत आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	2112 : 2003
14.	8820583	13-05-2008	एम एम केबल इंडस्ट्रीज, 1/536/डी-12, गली नं. 4ए, फ्रैण्डस कालोनी, इंडस्ट्रीयल एरिया, शाहदरा, दिल्ली-110095	पी.बी.सी. इन्सुलैटिड केबल्स	694 : 1990
15.	8821282	16-05-2010	अनिल जैन ज्वैलर्स, डी-107, प्रीत विहार, दिल्ली-110092	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
16.	8821383	16-05-2010	खुराना डायमण्ड विला (प्रा) लिमिटेड, स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी जे इ 76, मेन मार्किट, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली-110027	की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
17.	8821484	16-05-2010	रिवैरा डायमण्ड्स प्रा लिमिटेड, जी-2, भगवती प्लाजा, सैक्टर 5, प्लॉट नं. 12, द्वारका, दिल्ली-110075	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
18.	8821888	08-05-2010	वर्मा ज्वैलर्स, ए-127, डिल्मिल कालोनी, दिल्ली-110095	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
19.	8821989	16-05-2010	सहगल ज्वैलर्स, 2649, बैंक स्ट्रीट, राजदीप होटल के सामने, करौल बाग, नई दिल्ली-110005	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
20.	8822082	06-05-2010	जैन ज्वैलर्स, 2480, गुरुद्वारा रोड, करौल बाग, दिल्ली-110005	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
21.	8822486	08-05-2008	वर्धमान इलैक्ट्रोनिक्स, 9/99, शास्त्री गली, विश्वास नगर, शाहदरा, दिल्ली-110032	प्रति स्कंदी सामग्री से बने तीन-पिन प्लग	6538 : 1971
22.	8822587	03-05-2010	अग्रवाल ज्वैलर्स, शाप नं. 1, एफ-618, जे जे कालोनी, इन्डपुरी, दिल्ली-110012	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
23.	8822688	16-5-2008	दीपक इलैक्ट्रिक कम्पनी, 13, विवेकनन्द पुरी, सराय रोहिल्ला, दिल्ली-110007	बैयोनेट लैंप होल्डर	1258 : 2005
24.	8823286	06-05-2010	यू के डायमण्ड, 2805, गली नं. 20, बीडनपुरा, करौल बाग, नई दिल्ली-110005	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
25.	8823387	15-05-2010	प्रकाश चन्द शील चन्द जैन, 1266, चांदनी चौक, दिल्ली-110006	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
26.	8823488	15-05-2010	एस एस ज्वैलर्स, जे-117, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली-110027	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
27.	8823791	21-05-2008	श्री कृष्ण उद्घोग, ई-695, डी.एस.आई.डी.सी. इंडस्ट्रीयल एरिया, नरेला, दिल्ली-110040	एक्स. एल. पी. ई केबल्स	7098 : भाग 1 : 1988
28.	8823892	13-05-2008	ओरटन केबल्स ए-4, फेस-1, इंडस्ट्रीयल एरिया, मायापुरी, नई दिल्ली-110064	पी.वी.सी. इन्सुलैटिड केबल्स	694 : 1990

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
29.	8823993	21-05-2008	दुर्गा वायर एण्ड केबल्स, 7/155ए, प्लॉट नं. 122, नकुल गली, विश्वास नगर, शाहदरा, दिल्ली-110032	पी.वी.सी. इन्सुलैटिड केबल्स	694 : 1990
30.	8824490	28-05-2010	पाइटैक्स ज्वैलर्स प्रा. लि., ए-9, दूसरी मंजिल, जीडी-आईटीएल नॉर्टेक्स टॉवर, नेताजी सुभाष पैलेस (रिंग रोड), प्रीतमपुरा, दिल्ली-110034	रजत आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	2112 : 2003
31.	8824995	23-05-2008	ब्रिमसन केबल्स प्रा.लि., ए-86, सैक्टर 58, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश-201301	एक्स. एल. पी. ई. केबल्स	7098 : भाग 1 : 1988
32.	8825088	20-05-2008	पी के इंडस्ट्रीज, 485/ए-13, दिलशाद गार्डन इंडस्ट्रीयल एरिया, नॉर्थ ऑफ जी टी रोड, शाहदरा, दिल्ली-110095	एक्स. एल. पी. ई. केबल्स	7098 : भाग 1 : 1988
33.	8826292	21-05-2008	श्री कृष्ण उद्योग, ई-695, डी.एस.आई.डी.सी. इंडस्ट्रीयल एरिया, नरेला, दिल्ली-110040	पी.वी.सी. इन्सुलैटिड एच. डी. केबल्स	1554 : भाग 1 : 1988
34.	8826393	15-05-2008	बाबा केबल कम्पनी, प्लाट नं. 9, दामोदर पार्क, दिलशाद गार्डन, जी टी रोड, शाहदरा, दिल्ली-110095	पी.वी.सी. इन्सुलैटिड एच. डी. केबल्स	1554 : भाग 1 : 1988
35.	8827904	30-05-2008	एस.एस.डी. स्वचंगीयर्स प्रा. लि., प्लॉट नं. 8, दूसरी मंजिल, 4, फ्रैण्ड्स कॉलोनी इंडस्ट्रीयल एरिया, शाहदरा, दिल्ली-110095	प्लगस एण्ड सॉकेट्स	1293 : 1988
36.	8828094	30-05-2008	एस.एस.डी. स्वचंगीयर्स प्रा. लि., प्लॉट नं. 8, दूसरी मंजिल, 4, फ्रैण्ड्स कॉलोनी इंडस्ट्रीयल एरिया, शाहदरा, दिल्ली-110095	सिलिंग रोजेस	371 : 1999
37.	8828195	31-05-2008	गिलार्ड रेडियो प्रोडक्ट्स (प्रा) लिमिटेड, प्लगस एण्ड सॉकेट्स 298, चांद नगर, तिलक नगर, दिल्ली-110018	प्लगस एण्ड सॉकेट्स	1293 : 1988
38.	8828296	30-05-2008	वीतराग मार्केटिंग प्रा लिमिटेड, ए-536, ए-5, गली नं. 4, फ्रैण्ड्स कॉलोनी इंडस्ट्रीयल एरिया, शाहदरा, दिल्ली-110095	प्रति स्कंदी सामग्री से बने तीन-पिन प्लग	6538 : 1971

[सं. सीएमडी 13 : 11]

ए. के. तलवार, उपमहानिदेशक (मुहर)

New Delhi, the 25th February, 2008

S.O. 489.—In pursuance of sub-regulation (5) of regulation (4) of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, the Bureau of Indian Standards hereby notifies the grant of licences particulars of which are given below in the following schedule :

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No.	Validity Date	Name and Address	Product	IS No./part/Sec./year
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	8814790	30-04-2010	Batra Jewels Pvt. Ltd., 2665/2, Shop No. 3, 4, Beadon Pura, Karol Bagh, Delhi-110005	Hallmarking of Gold	1417:1999
2.	8816289	06-05-2010	Patel & Co., 1448, Gali Kotana, Sui Walan, Delhi-110002	Hallmarking of Silver	2112:2003
3.	8816491	03-05-2010	G. Dutta & Sons, Shop No. 8, B-5, Block C.S.C., Safdarjang Enclave, New Delhi-110029	Hallmarking of Gold	1417:1999
4.	8816592	03-05-2010	G. Dutta & Sons, Shop No. 8, B-5, Block C.S.C., Safdarjang Enclave, New Delhi-110029	Hallmarking of Silver	2112:2003
5.	8816693	03-05-2010	Bajaj Jewellers Pvt. Ltd. 2645, Poonam Chamber, Bank Street, Karol Bagh, New Delhi-110005	Hallmarking of Gold	1417:1999
6.	8816794	03-05-2007	Gems Art, A-373, Defence Colony, New Delhi-110024	Hallmarking of Gold	1417:1999
7.	8816895	03-05-2007	Jai Shri Kataria Jewellers Devi Mariammam Temple, Bus Terminal, F-Block, Budh Nagar, Inder Puri, New Delhi-110012	Hallmarking of Gold	1417:1999
8.	8817796	06-05-2008	Kundan Cable India, 58-A/1, Dilshad Garden Industrial Area, Delhi-110095	PVC Insulated Cables	694:1990
9.	8817897	06-05-2010	Vikas Chain Co. (P) Ltd. 2501/8, Guru Chamber, Beadon Pura, Karol Bagh, New Delhi-110005	Hallmarking of Gold	1417:1999
10.	8818091	06-05-2010	Vasudev & Sons Jewellers Ground Floor, 3, Stutee Building, 2652-53, Bank Street, Karol Bagh, Delhi-110005	Hallmarking of Gold	1417:1999
11.	8818394	07-05-2008	Wisden Electro-Cab Industries 1/536/D-12, Gali No. 4A, Friends Colony Industrial Area, Shahdara, Delhi-110095	PVC Insulated Cables	694:1990
12.	8820381	14-05-2010	Shri Mahalaxmi Jewellers BE-358B, Gali No. 1, Hari Nagar, New Delhi-110064	Hallmarking of Gold	1417:1999

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
13.	8820482	14-05-2010	Shri Mahalaxmi Jewellers BE-358B, Gali No. 1, Hari Nagar, New Delhi-110064	Hallmarking of Silver	2112:2003
14.	8820583	13-05-2008	M.M. Cable Industries 1/536/E-3, Gali No. 4A Friends Colony Industrial Area, Shahdara, Delhi-110095	PVC Insulated Cables	694:1990
15.	8821282	16-05-2010	Anil Jain Jewellers, D-107, Preet Vihar, Delhi-110092	Hallmarking of Gold	1417:1999
16.	8821383	16-05-2010	Khurana Diamond Villa (P) Ltd. J-76, Main Market, Rajouri Garden, New Delhi-110027	Hallmarking of Gold	1417:1999
17.	8821484	16-05-2010	Riveirea Diamonds Pvt. Ltd. G-2, Bhagwati Plaza, Sector 5, Plot No. 12, Dwarka, Delhi-110075	Hallmarking of Gold	1417:1999
18.	8821888	08-05-2010	Verma Jewellers, A-127, Jhilmil Colony, Delhi-110095	Hallmarking of Gold	1417:1999
19.	8821989	16-05-2010	Sehgal Jewellers 2649, Bank Street, Opp. Rajdeep Hotel, Karol Bagh, New Delhi-110005	Hallmarking of Gold	1417:1999
20.	8822082	06-05-2010	Jain Jewellers 2480, Gurudwara Road, Karol Bagh, Delhi-110005	Hallmarking of Gold	1417:1999
21.	8822486	08-05-2008	Vardhman Electronics 9/99, Shastri Gali, Vishwas Nagar, Shahdara, Delhi-110032	3-Pin Plug made of resilient Material	6538:1971
22.	8822587	03-05-2010	Aggarwal Jewellers, Shop No. 1, F-618, J.J. Colony, Inder Puri, Delhi-110012	Hallmarking of Gold	1417:1999
23.	8822688	16-05-2008	Deepak Electric Co. 13, Vivekanand Puri, Sarai Rohilla, Delhi-110007	Bayonet Lamp Holders	1258:2005
24.	8823286	06-05-2010	U.K. Diamond 2805, Street No. 20, Beadonpura, Karol Bagh, New Delhi-110005	Hallmarking of Gold	1417:1999
25.	8823387	15-05-2010	Prakash Chand Sheel Chand Jain 1266, Chandni Chowk, Delhi-110006	Hallmarking of Gold	1417:1999
26.	8823488	15-05-2010	S.S. Jewellers J-117, Rajouri Garden, New Delhi -110027	Hallmarking of Gold	1417:1999
27.	8823791	21-05-2008	Shree Krishna Udyog, E-695, D.S.I.D.C. Industrial Area, Narela, Delhi-110040	XLPE Cables	7098:Part 1: 1988
28.	8823892	13-05-2008	Orton Cables A-4, Phase-1, Industrial Area, Maya Puri, Delhi-110064	PVC Insulated Cables	694:1990
29.	8823993	21-05-2008	Durga Wire & Cables 7/155A, Plot No. 122, Nakul Gali, Vishwas Nagar, Shahdara, Delhi-110032	PVC Insulated Cables	694:1990

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
30	8824490	28-05-2010	Pytex Jewellers Pvt. Ltd. A-9, 11nd Floor, GD- ITL Northex Tower, Netaji Subash Place (Ring Road), Pitampura, Delhi-34	Hallmarking of Silver	2112:2003
31.	8824995	23-05-2008	Brimson Cables Pvt. Ltd. A-86, Sector 58, Noida, Distt Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301	XLPE Cables	7098:Part I: 1988
32.	8825088	20-05-2008	Pee Kay Industries, 485/A-13, Dilshad Garden, Industrial Area, North of G.T. Road, Shahdara, Delhi-110095	XLPE Cables	7098:Part I: 1988
33.	8826292	21-05-2008	Shree Krishna Udyog, E-695, D.S.I.D.C. Industrial Area, Narela, Delhi-110040	PVC Insulated HD Cables	1554 Part I: 1988
34.	8826393	15-05-2008	Baba Cable Company, Plot No. 9, Damodar Park, Dilshad Garden, G.T. Road, Shahdara, Delhi-110095	PVC Insulated HD Cables	1554 Part I: 1988
35.	8827904	30-5-2008	S.S.D. Switchgears Pvt. Ltd., Plot No. 8, 11nd Floor, Gali No. 4, Friends Colony Industrial Area, Shahdara, Delhi-110095	Plugs and Sockets	1293:1988
36.	8828094	30-05-2008	S.S.D. Switchgears Pvt. Ltd., Plot No. 8, 11nd Floor, Gali No. 4, Friends Colony Industrial Area, Shahdara, Delhi-110095	Ceiling Roses	371:1999
37.	8828195	31-05-2008	Gilard Radio Products (P) Ltd., 298, Chand Nagar, Tilak Nagar, Delhi-110018	Plugs and Sockets	1293:1988
38.	8828296	30-05-2008	Veetrag Marketing Pvt. Ltd., A-536, A-5, Gali No. 4, Friends Colony Industrial Area, Shahdara, Delhi-110095	3-Pin Plug made of resilient material	6538:1971

[No. CMD/13: 11]

A. K. TALWAR, Dy. Director General (Marks)

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 2008

का.आ. 490.—भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 के विनियम, 4 के उपनियम (5) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिन लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे स्वीकृत कर दिए गए हैं :—

अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या	वैद्यता तिथि	नाम व पता	उत्पाद	आई. एस. सं./भाग/खण्ड वर्ष
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	8839204	01-07-2008	एलमेक इलैक्ट्रिकल्स (प्रा) लिमिटेड, 340-ए/20, गली नं. 1 ए, फ्रैंड्स कालोनी इंडस्ट्रीयल एरिया, जी टी रोड, दिल्ली-110095	स्विच फॉर डोमेस्टिक एपिलेक्सनस	3854 : 1997

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
2.	8839406	01-07-2010	साईंस्टा ज्वैलर्स, 3278-79, दिल्ली गेट मार्किट, दिया गंज, दिल्ली-110002	रजत आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	2112 : 2003
3.	8839507	01-07-2010	साईंस्टा ज्वैलर्स, 3278-79, दिल्ली गेट मार्किट, दिया गंज, दिल्ली-110002	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
4.	8839608	21-06-2010	सन सी ज्वैलर्स, 2229, हरधानसिंह रोड, करोल बाग, दिल्ली-110005	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
5.	8839709	01-07-2010	वाही ज्वैलर्स, शॉप नं. 5, डी डी ए मार्किट, पाकेट III, पश्चिमपुरी, दिल्ली-110063	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
6.	8839810	02-07-2008	जे एम मैटल इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं. 8, पॉकेट जे, सैक्टर 3, डी एस आई डी सी इंडस्ट्रीयल एरिया, बवाना, दिल्ली-110039	ओवरहैड ट्रांसमिशन के लिए अल्यूमिनियम कंडक्टर	398 (भाग 2): 96
7.	8840488	05-07-2010	एम बी ज्वैलर्स, बी-4/159, सैक्टर 7, सेंट्रल मार्किट, रोहिणी, दिल्ली-110085	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
8.	8840589	05-07-2010	दलबीर संस ज्वैलर्स प्रा. लि., 43/1, नजफगढ़ रोड, नांगलोई, दिल्ली-110041	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
9.	8840690	05-07-2010	मदान ज्वैलर्स (प्रा) लि., 1, कपिल विहार, पीतमपुरा, दिल्ली-110034	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
10.	8840791	05-07-2010	दलबीर संस ज्वैलर्स प्रा. लि., 43/1, नजफगढ़ रोड, नांगलोई, दिल्ली-110041	रजत आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	2112 : 2003
11.	8842189	09-07-2010	डायमण्ड प्लस ओरनार्मेंट्स (प्रा) लि., ई-15, हौज खास, दिल्ली-110016	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
12.	8842290	09-07-2010	गोपाल दी हट्टी ज्वैलर्स, ई-6ए, हौज खास मार्किट, दिल्ली-110016	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
13.	8842694	09-07-2010	जावेरी ज्वैलर्स, 2651, बैंक स्ट्रीट, करोल बाग, दिल्ली-110005	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
14.	8843494	15-07-2008	सिधान्त एन्टरप्राइजिज, 8/77, राम गली, विश्वास नगर, शाहदरा, दिल्ली-110032	पी.वी.सी. इन्सुलैटिड केबल्स	694 : 1990
15.	8843595	15-07-2008	गिलार्ड रेडियो प्रोडक्ट्स (प्रा) लि., 298, चांद नगर तिलक नगर, दिल्ली-110018	स्विचस फॉर डोमैस्टिक एपिलेक्सन्स	3854 : 1997

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
16.	8844395	15-07-2008	अम्बा केबल्स, 7/98, अर्जुन गली, विश्वास नगर, शाहदरा, दिल्ली-110032	पी.वी.सी. इन्सुलैटिड केबल्स	694 : 1990
17.	8844803	22-07-2010	शुभम ज्वैलर्स, जी 6, प्लॉट नं. 8, अंशुल प्लाजा, सैक्टर 10, द्वारका, दिल्ली-110075	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
18.	8844904	22-07-2010	शुभम ज्वैलर्स, जी 6, प्लॉट नं. 8, अंशुल प्लाजा, सैक्टर 10, द्वारका, दिल्ली-110075	रजत आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	2112 : 1999
19.	8845094	22-07-2010	एस आर ज्वैलर्स, 3441, ओल्ड मेन बस स्टैंड, त्री नगर, दिल्ली-110035	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
20.	8845195	24-07-2010	एस आर ज्वैलर्स, 3441, ओल्ड मेन बस स्टैंड, त्री नगर, दिल्ली-110035	रजत आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	2112 : 2003
21.	8845296	09-07-2010	रूप श्री ज्वैलर्स, डी-1/60, जीवन पार्क, पंखा रोड, जनकपुरी, दिल्ली-110059	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
22.	8845397	23-07-2010	मान्हा ज्वैलर्स, सी-43-बी, शारदापुरी, रमेश नगर, दिल्ली-110015	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
23.	8845401	23-07-2010	कपूर फाइन्स डायमण्ड प्रा. लि. 28-ए, प्रथम मंजिल, चौधरी किशन चन्द कॉम्प्लैक्स, ज्वालाहेडी मार्किट, पश्चिम विहार, दिल्ली	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
24.	8846908	26-07-2008	एस.एस.डी. स्विचगैर्यर्स प्रा. लि. प्लॉट नं. 8, द्वितीय मंजिल, गली नं. 4, फ्रैंड्स कालोनी इंडस्ट्रीयल एरिया, शाहदरा, दिल्ली-110095	स्विचस फॉर डोमेस्टिक एपिलेक्सनस	3854 : 1997
25.	8847001	26-07-2008	नागपाल बैकेलाईट इंडस्ट्रीज, टी-4, संत नगर, रानी बाग, दिल्ली-110034	स्विचस फॉर डोमेस्टिक एपिलेक्सनस	3854 : 1997
26.	8847607	31-07-2008	सब आटोस, ए-244, डी एस आई डी सी इंडस्ट्रीयल एरिया, नरेला, दिल्ली-110040	पी.वी.सी. इन्सुलैटिड केबल्स	694 : 1990

[सं. सीएमडी 13 : 11]

ए. के. तलवार, उपमहानिदेशक (मुहर)

New Delhi, the 26th February, 2008

S.O. 490.—In pursuance of sub-regulation (5) of regulation 4 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, of the Bureau of Indian Standards hereby notifies the grant of licences particulars of which are given in the following schedule :

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No.	Validity Date	Name and Address	Product	IS No./part/Sec. year
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	8839204	01-07-2008	Elmeck Electricals (P) Ltd. 340-A/20, Gali No. 1A, Friends Colony Industrial Area, G.T. Road, Shahdara, Delhi-110095	Switches for domestic applications	3854: 1997
2.	8839406	01-07-2010	Shaista Jewellers, 3278-79, Delhi Gate Market, Darya Ganj, Delhi-110002	Hallmarking of Silver	2112: 2003
3.	8839507	01-07-2010	Shaista Jewellers, 3278-79, Delhi Gate Market, Darya Ganj, Delhi-110002	Hallmarking of Gold	1417: 1999
4.	8839608	21-06-2010	Sun Sea Jewellers, 2229, Hardyan Singh Road, Karol Bagh, Delhi-110005	Hallmarking of Gold	1417: 1999
5.	8839709	01-07-2010	Wahi Jewellers, Shop No. 5, D.D.A. Market, Pocket III, Paschim Puri, Delhi-110063	Hallmarking of Gold	1417: 1999
6.	8839810	02-07-2008	J.M. Metal Industries, Plot No. 8, Pocket J, Sector 3, D.S.I.D.C. Industrial Area, Bawana, Delhi-110039	Aluminium conductor for overhead transmission	398 (Pt. 2): 96
7.	8840488	05-07-2010	M. B. Jewellers, B-4/159, Sector 7, Central Market, Rohini, Delhi-110085	Hallmarking of Gold	1417 : 1999
8.	8840589	05-07-2010	Dalbir Sons Jewellers Pvt. Ltd. 43/1, Najafgarh Road, Nangloi, Delhi-110041	Hallmarking of Gold	1417 : 1999
9.	8840690	05-07-2010	Madaan Jewellers Pvt. Ltd., 1, Kapil Vihar, Pitam Pura, Delhi-110034	Hallmarking of Gold	1417 : 1999
10.	8840791	05-07-2010	Dalbir Sons Jewellers Pvt. Ltd., 43/1, Najafgarh Road, Nangloi, Delhi-110041	Hallmarking of Silver	2112: 2003
11.	8842189	09-07-2010	Diamond Plus Ornaments (P) Ltd., E-15, Hauz Khas, Delhi-110016	Hallmarking of Gold	1417: 1999
12.	8842290	09-07-2010	Gopal Di Hatti Jewellers, E-6A, Hauz Khas Market, Delhi-110016	Hallmarking of Gold	1417: 1999
13.	8842694	09-07-2010	Zaveri Jewellers, 2651, Bank Street, Karol Bagh, Delhi-110005	Hallmarking of Gold	1417: 1999
14.	8843494	15-07-2008	Sidhant Enterprises, 8/77, Ram Gali, Vishwas Nagar, Shahdara, Delhi-110032	PVC Insulated Cables	694: 1990
15.	8843595	15-07-2008	Gilard Radio Products (P) Ltd., 298, Chand Nagar, Tilak Nagar, Delhi-110018	Switches for domestic applications	3854: 1997
16.	8844395	15-07-2008	Amber Cables, 7/98, Arjun Gali, Vishwas Nagar, Shahdara, Delhi-110032	PVC Insulated Cables	694: 1990

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
17.	8844803	22-07-2010	Shubham Jewellers, G-6, Plot No. 8, Anshul Plaza, Sector 10, Dwarka, Delhi-110075	Hallmarking of Gold	1417:1999
18.	8844904	22-07-2010	Shubham Jewellers, G-6, Plot No. 8, Anshul Plaza, Sector 10, Dwarka, Delhi-110075	Hallmarking of Silver	2112:1999
19.	8845094	22-07-2010	S.R. Jewellers, 3441, Old Main Bus Stand Road, Tri Nagar, Delhi-110035	Hallmarking of Gold	1417:1999
20.	8845195	24-07-2010	S.R. Jewellers, 3441, Old Main Bus Stand Road, Tri Nagar, Delhi-110035	Hallmarking of Silver	2112:2003
21.	8845296	09-07-2010	Roop Shree Jewellers, D-1/60, Jeevan Park, Pankha Road, Janak Puri, New Delhi-110059	Hallmarking of Gold	1417:1999
22.	8845397	23-07-2010	Mahna Jewellers, C-43-B, Sharda Puri, Ramesh Nagar, Delhi-110015	Hallmarking of Gold	1417:1999
23.	8845401	23-07-2010	Kapoor Fine Diamond Pvt. Ltd., 28-A, 1st Floor, Ch. Kishan Chand Complex, Jwalahevi Market, Paschim Vihar, Delhi	Hallmarking of Gold	1417:1999
24.	8846908	26-07-2008	S.S.D. Switchgears Pvt. Ltd., Plot No. 8, 1Ind Floor, Gali No. 4, Friends Colony Industrial Area, Shahdara, Delhi-110095	Switches for domestic applications	3854:1997
25.	8847001	26-07-2008	Nagpal Bekalite Industries, T-4, Sant Nagar, Rani Bagh, Delhi-110034	Switches for domestic applications	3854:1997
26.	8847607	31-07-2008	Sab Autos, A-244, D.S.I.D.C. Industrial Complex, Narela, Delhi-110040	PVC Insulated Cables	694:1990

[No. CMD/13: 11]

A. K. TALWAR, Dy. Director General (Marks)

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 2008

का.आ. 491.—भारतीय मानक व्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 के नियम, 4 के उपनियम (5) के अनुसरण में भारतीय मानक व्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिन लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे स्वीकृत कर दिए गए हैं :—

अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या	चालू तिथि	लाइसेंसधारी का नाम व पता	भारतीय मानक का शीर्षक व संबंधित भारतीय मानक
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)

दिसंबर, 2007

1.	8880908	04-12-2007	मैसर्स गणपति ज्वैल पैलेस 37-38, सदर बाजार श्रीगंगानगर-335001 (राजस्थान)	1417 : 1999 स्वर्णभूषणों की हालमार्किंग
2.	8882407	11-12-2007	मैसर्स जी जी पोलोप्लास्ट प्रा. लि., जे-1021-1022, फेज-III, सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र, टॉक रोड, जयपुर (राजस्थान)	13592 : 1992 यूपीवीसी पाईप्स फॉर सोइल एण्ड वेस्ट डिस्चार्ज सिस्टम

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
3.	8880807	03-12-2007	मैसर्स श्री राम पोलीमर, 40-बी, लार्ज स्केल औद्योगिक क्षेत्र, मेन रोड, गोविन्द नगर, कोटा (राजस्थान)	14151 (भाग 2) : 1999 क्यू सी पी ई पाईप्स	
4.	8882306	11-12-2007	मैसर्स श्याम पोलीमर्स इंडस्ट्रीज, एच-1-44, रीको औद्योगिक क्षेत्र, सांचोर, जिला-जालौर-343041 (राजस्थान)	14151 (भाग 2) : 1999 क्यू सी पी ई पाईप्स	

[सं. सीएमडी 13 : 11]

ए. के. तलवार, उपमहानिदेशक (मुहर)

New Delhi, the 26th February, 2008

S.O. 491.—In pursuance of sub-regulation (5) of regulation 4 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulation, 1988, the Bureau of Indian Standards hereby notifies the grant of licence particulars of which are given in the following Schedules :

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No.	Operative Date	Name and Address of the Licensee	Article/Process Covered by the licences and the relevant IS : Designation
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
DEC. 2007				
1.	8880908	04-12-2007	M/s. Ganpati Jewel Palace, 37-38, Sadar Bazar, Sri Ganganagar-335001 Rajasthan	1417 : 1999 Hallmarking of Gold Jewellery
2.	8882407	11-12-2007	M/s. G.G. Polyplast Pvt. Ltd., G-1021-1022, Phase-III, Sitapura Industrial Area Tonk Road, Jaipur, Rajasthan	13592 : 1992 UPVC Pipes for Soil and Waste Discharge System
3.	8880807	03-12-2007	M/s. Shri Ram Polymer, 40-B, Large Scale Industrial Area, Main Road, Govind Nagar, Kota, Rajasthan	14151 (Pt. 2) : 1999 QCPE Pipes
4.	8882306	11-12-2007	M/s. Shyam Polymers Industries, H-1-44, RIICO Industrial Area, Sanchore, Jalore-343041, Rajasthan	14151 (Pt. 2) : 1999 QCPE Pipes

[No. CMD/13 : 11]

A. K. TALWAR, Dy. Director General (Marks)

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 2008

का.आ. 492.—भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 के नियम 4 के उपनियम (5) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिन लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे स्वीकृत कर दिए गए हैं :—

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या	वैधता तिथि	नाम व पता	उत्पाद	आई एस नं./भाग/खण्ड/वर्ष
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	8828502	31-05-2010	डायमण्ड ज्वैलस प्रा. लि., 2612-I3, बैंक स्ट्रीट, गुरुद्वारा रोड कानून, करौल बाग, दिल्ली-110005	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
2	8828603	31-05-2010	नरेश ज्वैलर्स प्रा. लि., डब्ल्यू जैड 600ए, राज नगर, सिंडिकेट मार्किंग, पालम कालोनी, दिल्ली-110045	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
3.	8828704	31-05-2010	नरेश ज्वैलर्स प्रा. लि., डब्ल्यू जैड 600ए, राज नगर, सिंडिकेट मार्किंग, पालम कोलोनी, दिल्ली-110045	रजत आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	2112 : 2003
4.	8829096	03-06-2010	जे. डी. ज्वैलर्स, 2591/आर, बीडन पुरा, करोल बाग, नई दिल्ली-110005	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
5.	8829706	03-06-2010	जगदम्बा ज्वैलर्स, 159, पॉकेट डी-15, अयोध्या चौक, सेक्टर 3, नई दिल्ली-110085	रजत आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	2112 : 2003
6.	8829807	05-06-2010	जगदम्बा ज्वैलर्स, 159, पॉकेट डी-15, अयोध्या चौक, सेक्टर 3, नई दिल्ली-110085	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
7.	8829908	05-06-2010	न्यू भारत ज्वैलर्स, आर-1, खनेजा कॉलैक्स, शक्करपुर, दिल्ली-110092	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
8.	8830990	12-06-2010	जे. एच. ज्वैलर्स, एल 73, होटल हयॉट रिजेन्सी, भीकाजी कामा प्लेस, दिल्ली-110066	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	2112 : 2003
9.	8831083	10-06-2010	मोहन ज्वैलर्स, 1655, दरीबा कलों, दिल्ली-110006	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
10.	8831184	10-06-2010	जिन्दल डायमण्ड्स एण्ड जैम्स प्रा. लिमिटेड, 163, प्रथम मर्जिल, कटरा नवाब, चाँदनी चौक, दिल्ली-110006	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
11.	8831285	07-06-2010	जे. एच. ज्वैलर्स, एल 73, होटल हयॉट रिजेन्सी, भीकाजी कामा प्लेस, दिल्ली-110066	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
12.	8831386	07-06-2010	राजेन्द्रा ज्वैलर्स, 2265/68, कमल प्लाजा, गुरुद्वारा रोड, करोल बाग, दिल्ली-110005	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
13.	8832287	10-06-2008	न्यू मंगला केबल्स, खसरा नं. 24/24, मास्टर मोहल्ला, गली नं. 1, नियर संतोष धर्म कांटा, लिबासपुर एक्सटेंशन इण्डस्ट्रीयल एरिया, दिल्ली-110085	एक्स. एल. पी. ई. केबल्स	7098 : भाग I: 1988
14.	8832893	27-05-2008	राजेन्द्रा मार्केटिंग, 6/34, गली नं. 3, विश्वास नगर, शाहदरा, दिल्ली-110032	पी.वी.सी. इन्सुलैटिड केबल्स	694 : 1990
15.	8833895	14-06-2010	विजय ज्वैलर्स, 1240, कच्चा बाग, चांदनी चौक, दिल्ली-110006	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
16.	8833996	14-06-2010	स्टैण्डर्ड ज्वैलर्स, शॉप नं. 54-56, प्रथम मंजिल, चौ के सी एस कम्पाक्ट, ज्वाला हेड़ी मार्किट, पश्चिम विहार, नई दिल्ली-110063	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
17.	8834493	18-06-2010	प्रिया ज्वैलर्स, एच-107 ए, दिलशाद गार्डन दिल्ली-110095	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
18.	8835192	19-06-2008	सिंगला केबल इंडस्ट्रीज, 36/11-ए, जुल्फी बंगाल के पीछे, दिलशाद गार्डन, इण्डस्ट्रीयल पार्क, दिल्ली-110095	पी.वी.सी. इन्सुलैटिड केबल्स	694 : 1990
19.	8836497	20-06-2010	श्री राम ज्वैलर्स, 6, प्रथम मंजिल, चौ. किशन चन्द, शापिंग कॉम्प्लैक्स, ज्वाला हेड़ी मार्किट, दिल्ली-110063	स्वर्ण आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	1417 : 1999
20.	8836501	26-06-2010	श्री राज ज्वैलर्स, 6, प्रथम मंजिल, चौ. किशन चन्द, शापिंग कॉम्प्लैक्स, ज्वाला हेड़ी मार्किट, दिल्ली-110063	रजत आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	2112 : 2003
21.	8837301	26-06-2008	श्री राजकिंग इलैक्ट्रिकल्स, बी 1784, शास्त्री नगर, दिल्ली-110052	परस्कंदी सामग्री से बने तीन-पिन प्लग	6538 : 1971
22.	8837604	26-06-2008	निशाद इलैक्ट्रिकल, इण्डस्ट्रीज प्रा.लि. 9/40ए, बाजार गली, विश्वास नगर, शाहदरा, दिल्ली-110032	घरेलू और समान कार्यों के लिए स्थित्र	3854 : 1997
23.	8837705	27-06-2010	बेली राम अभय कुमार जैन, 2127-28, गुरुद्वारा रोड, करौल बाग, दिल्ली-110055	रजत आभूषणों/शिल्पकारी की हॉल मार्किंग	2112 : 2003

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
24.	8837806	26-06-2008	कैन्टन केबल इण्डस्ट्रीज, बी 42, प्रथम मंजिल, फेस II, मंगोलपुरी इण्डस्ट्रीयल एरिया, दिल्ली-110034	पी.वी.सी. इन्सुलैटिड केबल्स	694 : 1990
25.	8838505	28-06-2008	एलमेक इलैक्ट्रिकल्स (प्रा.) लिमिटेड, 340-ए/20, गली नं. 1ए, फ्रैंगडस कालोनी इण्डस्ट्रीयल एरिया, जी टी रोड, शाहदरा, दिल्ली-110095	पी.वी.सी. इन्सुलैटिड केबल्स	694 : 1990
26.	8838606	28-06-2008	अरिहन्त मोलिंगस,, 27/94/16, ज्वाला नगर, बाजार गली के सामने, पांडव रोड, विश्वास नगर, दिल्ली-110095	परस्कंदी सामग्री से बने तीन-पिन प्लग	6538 : 1971
27.	8838909	20-06-2008	विक्रांत केबल इण्डस्ट्रीज, 41/19ए, प्रथम मंजिल, दिलशाद गार्डन इंडस्ट्रीयल एरिया, दिल्ली-110095	पी.वी.सी. इन्सुलैटिड केबल्स	694 : 1990
28.	8839002	28-06-2008	मिटैची इलैक्ट्रिकल्स 616, श्री नगर, गली नं. 2, रानी बाग, दिल्ली 110034	घरेलू और समान कार्यों के लिए स्विच	3854 : 1997

[सं. सीएमडी 13 : 11]

ए. के. तलवार, उपमहानिदेशक (मुहर)

New Delhi, the 25th February, 2008

S.O. 492.—In pursuance of sub-regulation (5) of regulation (4) of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, of the Bureau of Indian Standards hereby notifies the grant of licences particulars of which are given in the following schedule :

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No.	Validity Date	Name and Address	Product	IS No./Part/Sec./Year
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	8828502	31-05-2010	Diamond Jewels Pvt. Ltd., 2612-13, Bank Street, Gurudwara Road corner, Karol Bagh, New Delhi-110005	Hallmarking of Gold	1417: 1999
2.	8828603	31-05-2010	Naresh Jewellers Pvt. Ltd., WZ-600A, Raj Nagar, Syndicate Market, Palam Colony, Delhi-110045	Hallmarking of Gold	1417: 1999
3.	8828704	31-05-2010	Naresh Jewellers Pvt. Ltd., WZ 600A, Raj Nagar, Syndicate Market, Palam Colony, Delhi-110045	Hallmarking of Silver	2112: 2003

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
4.	8829096	03-06-2010	J.D. Jewellers 2591/R, Bedon Pura, Karol Bagh, New Delhi-110005	Hallmarking of Gold	1417:1999
5.	8829706	03-06-2010	Jagdamba Jewellers, 159, Pocket D-15, Ayodhya Chowk Sector, 3, Delhi-110085	Hallmarking of Silver	2112:2003
6.	8829807	05-06-2010	Jagdamba Jewellers, 159, Pocket D-15, Ayodhya Chowk Sector, 3, Delhi-110085	Hallmarking of Gold	1417:1999
7.	8829908	05-06-2010	New Bharat Jewellers, R-1, Khaneja Complex, Shakarpur, Delhi-110092	Hallmarking of Gold	1417:1999
8.	8830990	12-06-2010	J.H. Jewellers L-73, Hotel Hyatt Regency, Bhikaji Cama Place, Delhi-110066	Hallmarking of Silver	2112:2003
9.	8831083	10-06-2010	Mohan Jewellers, 1655, Dariba Kalan, Delhi-110006	Hallmarking of Gold	1417:1999
10.	8831184	10-06-2010	Jindal Diamonds & Jems Pvt. Ltd. 163, First Floor, Katra Navab, Chandni Chowk, Delhi-110006	Hallmarking of Gold	1417:1999
11.	8831285	07-06-2010	J.H. Jewellers L-73, Hotel Hyatt Regency, Bhikaji Cama Place, Delhi-110066	Hallmarking of Gold	1417:1999
12.	8831386	07-06-2010	Rajendra Jewellers 2265/68, Kamal Plaza, Gurudwara Road, Karol Bagh, Delhi-110005	Hallmarking of Gold	1417:1999
13.	8832287	10-06-2008	New Mangla Cables Khasra No. 24/24, Master Mohalla Gali No. 1, near Santosh Dharam Kanta Libapur extn. Industrial Area, Delhi-110085	XLPE Cables	7098:Part I: 1988
14.	8832893	27-05-2008	Rajendra Marketing 6/34, Street No. 3, Vishwas Nagar, Shahdara, Delhi-110032	PVC Insulated Cables	694:1990
15.	8833895	14-06-2010	Vijay Jewellers, 1240, Kacha Bagh, Chandni Chowk, Delhi-110006	Hallmarking of Gold	1417:1999
16.	8833996	14-06-2010	Standard Jewellers Shop No.54-56, First Floor,, Ch. K.C.S. Compund, Jawala Heri Market, Paschim Vihar, New Delhi-110063	Hallmarking of Gold	1417:1999
17.	8834493	18-06-2010	Priya Jewellers H-107-A, Dilshad Garden Delhi-110095	Hallmarking of Gold	1417:1999
18.	8835192	19-06-2008	Singla Cable Industries, 36/11-A, Behind Julfe Bengal, Dilshad Garden Industrial Park, Delhi-110095	PVC Insulated Cables	694: 1990

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
19.	8836497	20-06-2010	Shri Ram Jewellers, 6, 1st Floor, Ch. Kishan Chand Shoping Complex, Jwala Heri Market, Delhi-110063	Hallmarking of Gold	1417:1999
20.	8836501	26-06-2010	Shri Raj Jewellers , 6, 1st Floor, Ch. Kishan Chand Complex, Jwala Heri Market, Delhi-110063	Hallmarking of Silver	2112:2003
21.	8837301	26-06-2008	Shree Rajking Electricals, B-1784, Shastri Nagar, Delhi-110052	3-Pin Plug made of resilient material	6538:1971
22.	8837604	26-06-2008	Nishad Electrical Industries Pvt. Ltd. 9/40A, Bazar Gali, Vishwas Nagar, Shahdara, Delhi-110032	Switches for Domestic applications	3854:1997
23.	8837705	27-06-2010	Beli Ram Abhai Kumar Jain, 2127-28, Guru Dwara Road, Karol Bagh , Delhi-110055	Hallmarking of Silver	2112:2003
24.	8837806	26-06-2008	Kanton Cable Industries, B-42,First Floor Phase-II,Mangolpuri, Industrial Area, Delhi-110034	PVC Insulated Cables	694:1990
25.	8838505	28-06-2008	Elmeck Electricals (P) Ltd., 340-A-/20, Gali No. 1A, Friends Colony, Industrial Area, G.T.Road,Shahdara, Delhi-110095	PVC Insulated Cables	694:1990
26.	8838606	28-06-2008	Arihant Mouldings, 27/94/16,Jwala Nagar, Opp. Bazar Gali, Pandav Road,Vishwas Nagar, Delhi-110095	3-Pin Plug made of resilient material	6538:1971
27.	8838909	20-06-2008	Vikrant Cable Industries, 41/19A,1st Floor Dilshad Garden Industrial Area, Delhi-110095	PVC Insulated Cables	694:1990
28.	8839002	28-06-2008	Mitachi Electricals, 616,Shri Nagar,Gali No. 2, Rani Bagh, Delhi-110034	Switches for domestic applications	3854:1997

[No. CMD/13:11]

A.K.TALWAR, Dy. Director General (Marks)

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 2008

का.आ. 493.—भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम 1988 के नियम 4 के उपनियम (5) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिन लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे स्वीकृत कर दिए गए हैं :—

अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या	लाइसेंसी का नाम तथा पता	उत्पाद का नाम तथा आई एस	अनुज्ञित स्वीकृत करने की तिथि
-------------	----------------	-------------------------	-------------------------	-------------------------------

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	7800976	सोनी रतिलालकेशव लाल, जवैलर्स, 436/सी, ए 4, आर बी चैम्बर्स, खेतरपालस पोल नाका, मानक चौक, अहमदाबाद	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्र धातुओं के आभूषणों/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन आई एस 1417: 1999	04-12-2007

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
2.	7801069	मैसर्स सुरेश शांतिलाल शाह, जी एफ/3 सप्लाइ काम्पलैक्स, चायेंस गली, सी जी रोड, नवरंगपुरा, अहमदाबाद		स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्र धातुओं के आभूषणों/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन आई एस 1417: 1999	05-12-2007
3.	7801170	शोभा ज्वैलर्स, बी 17, पारस सोसाइटी, पारस पोलिस चौकी के पास, कटरगाम दरवाजा, कटरगाम, सूरत		स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्र धातुओं के आभूषणों/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन आई एस 1417: 1999	05-12-2007
4.	7802879	वेदालिया एक्सपोर्ट प्रा. लि, 202, सुपर माल, लाल बंगला के पास, सी जी रोड, अहमदाबाद		स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्र धातुओं के आभूषणों/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन आई एस 1417:1999	07-12-2007
5.	7802980	श्री बहुचर पैलेस, थारा 84, प्लाट एरिया, थारा, ताल्लुका कांकरेज, बनसकाटा		स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्र धातुओं के आभूषणों/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन आई एस 1417: 1999	07-12-2007
6.	7803780	ईश्वरकृपा गोल्ड पैलेस, 307/ए/10, ईश्वरभुवन, मयूनिसिपल शाक मार्केट के सामने शारदाबेन हास्पिटल के सामने, सरसपुर, अहमदाबाद		स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्र धातुओं के आभूषणों/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन आई एस 1417: 1999	10-12-2007
7.	7803881	मंगलसूत्र ज्वैलर्स, 18, नीलकंठ शॉपिंग सैंटर, नवनिर्माण बैंक के सामने, रानिय, अहमदाबाद		स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्र धातुओं के आभूषणों/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन आई एस 1417: 1999	11-12-2007
8.	7803982	मंगलसूत्र ज्वैलर्स, 18, नीलकंठ शॉपिंग सैंटर, नवनिर्माण बैंक के सामने, रानिय, अहमदाबाद		चांदी एवं चांदी मिश्र धातुओं के आभूषणों/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन आई एस 2112: 2003	11-12-2007
9.	7804378	अपृत सिमेंट इंडस्ट्रिज (पुराना) 6, शशि टावर, अडाजन पाटिया, रंडर रोड, सूरत		आर्डिनरी पोर्टलैंड सिमेंट आई एस 12269:1987	12-12-2007
10.	7805178	रिगल सिमेंट प्रा. लि. (ओल्ड) प्लाट नंबर 59-ए/1, पिपोदरा इंडस्ट्रियल एरिया, ता. मैंगरोल, सूरत		आर्डिनरी पोर्टलैंड सिमेंट आई एस 12269:1987	12-12-2007
11.	7806685	दा गोल्ड मार्क, 4, पाटिदार जिन काम्पलैक्स, स्टेशन रोड, बारडोली, सूरत 394602		स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्र धातुओं के आभूषणों/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन आई एस 1417: 1999	20-12-2007
12.	7806584	चंद्र प्रभु ज्वैलर्स, ठाला बाजार, संतरगमपुर डिस्ट्रिक्ट पंचमहल 389260		स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्र धातुओं के आभूषणों/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन आई एस 1417:1999	20-12-2007

New Delhi, the 25th February, 2008

S.O. 493.—In pursuance of sub-regulation (5) of regulation 4 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, the Bureau of Indian Standards hereby notifies the grant of licences particulars of which are given below in the following Schedule :

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No.	Licensee Name	Product & IS No.	Date of GOL
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	7800976	Soni Ratilalkeshavl Jewellers, 436/C A-4 RB Chambers, Khetarpal's Pole Naka, Menek Chowk, Ahmedabad	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts-Fineness and Marking, IS 1417:1999	04/12/2007
2.	7801069	Suresh Shantilalshah GF/3 Samrat Complex, Choice Gali C. G. Road, Navrangpura, Ahmedabad	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts-Fineness and Marking, IS 1417:1999	05/12/2007
3.	7801170	Shobha Jewellers, B/17 Paras Society Near Paras Police Chowki, Katargam, Darwaja Katargam, Surat	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts-Fineness and Marking IS 1417:1999	05/12/2007
4.	7802879	Vedaliya Exports Pvt. Ltd, 202 Super Mall NR Lal, Bunglow C. G. Road, Ahmedabad	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts-Fineness and Marking, IS 1417:1999	07/12/2007
5.	7802980	Shree Bahuchar Palace Thara 84, Plot Ariya, Thara, Taluka Kankrej, Banaskantha	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts-Fineness and Marking, IS 1417:1999	07/12/2007
6.	7803780	Ishwarkrupa Gold Palace, 307/A/10 Ishwarbhuvan, Opp. Municipal Shak Market Opp. Shardaben Hospital, Saraspur, Ahmedabad	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts-Fineness and Marking, IS 1417:1999	10/12/2007
7.	7803881	Mangalsutra Jewellers, 18, Nilkanth Shopping Centre, Opp. Navnirman Bank, Ranip, Ahmedabad	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts-Fineness and Marking, IS 1417:1999	11/12/2007
8.	7803982	Mangalsutra Jewellers, 18, Nilkanth Shopping, Centre, Opp Navnirman Bank, Ranip, Ahmedabad	Silver and Silver Alloys, Jewellery/Artefacts-Fineness and Marking, IS 2112:2003	11/12/2007
9.	7804378	Amrut Cement Industries (Old), 6, Shashi Tower, Adajan Patiya, Rander Road, Surat	Ordinary Portland Cement, IS 12269:1987	12/12/2007
10.	7805178	Regal Cement Pvt. Ltd. (Old), Plot No 59-A/1, Pipodra Indl. Area, T.A. Mangrol, Surat	Ordinary Portland Cement, IS 12269:1987	12/12/2007
11.	7806685	The Gold Mark, 4, Patidarjan Complex, Station Road, Bardoli Surat-394602	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts-Fineness and Marking, IS 1417:1999	20/12/2007

(1)	(2)	(3)	(4)
12.	7806584	Chandraprabhu Jewellers Dhala Bazar Santrampur Dist Panchmahal 389260	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artifacts-Fineness and Marking IS 1417:1999 20-12-2007

[No. CMD/13:11]

A.K.TALWAR, Dy. Director General (Marks)

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 2008

का.आ. 494.—भारतीय मानक व्यूरो नियम 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक व्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिन भारतीय मानकों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं वे स्थापित हो गए हैं:—

अनुसूची

क्रम सं.	स्थापित भारतीय मानक(कों) की संख्या वर्ष और शीर्षक	नये भारतीय मानक द्वारा अतिक्रमित भारतीय मानक अथवा मानकों, यदि कोई हो, की संख्या और वर्ष	स्थापित तिथि
----------	---	---	--------------

(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आई एस 5054 (भाग2):2007 आई ई सी 60169-2:1965 रेडियो आवृति संयोजक भाग 2 समअक्षीय अमेलित संयोजक	—	अक्टूबर 2007
2.	आई एस /आई एस ओ/ आई ई सी 20000-1; 2005 सूचना प्रौद्योगिकी - सेवा प्रबंध भाग 1 विशिष्टि	—	अक्टूबर 2007
3.	आई एस /आई एस ओ/आई ई सी 20000-2: 2005 सूचना प्रौद्योगिकी - सेवा प्रबंध-भाग 2 रीति संहिता	—	अक्टूबर 2007
4.	आई एस /आई ई सी 60958-3:2003 अंकीय श्रव्य अन्तर्पुष्ट -भाग 3 उपभोक्ता अनुप्रयोग	—	अक्टूबर 2007
5.	आई एस /आई ई सी 60990:1999 टच करंट और संरक्षी चालक करंट के मापन की पद्धति	—	नवम्बर 2007
6.	आई एस/आई एस ओ/आई ई सी 90003: 2004 सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग-कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर पर आई एस ओ 9001:2000 के अनुप्रयोग के लिए मार्गदर्शी सिद्धांत	—	अक्टूबर 2007
7.	आई एस क्यू सी 960201:2007 आई ई सी क्यू सी 960201:1991 इलैक्ट्रॉनिकी उपस्करों में उपयोग के लिए विद्युतीकरण स्विच भाग 4 लीवर (टॉगल) स्विचों के लिए विषय विशिष्टि अनुभाग 1 ब्लैंक डिटेल विशिष्टि	—	अक्टूबर 2007

(1)	(2)	(3)	(4)
४	आई एस क्यू सी 960501:2007 आई ई सी क्यू सी 960501:1991 इलैक्ट्रॉनिकी उपस्कर्तां में उपयोग के लिए विद्युतीकरण स्विच भाग ३ इन-लाइन पैकेज स्विचों के लिए विषय विशिष्टि अनुभाग १ ब्लैंक डिटेल विशिष्टि	—	अक्टूबर 2007

इन भारतीय मानकों की प्रतियाँ भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन ९, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-११०००२, क्षेत्रीय कार्यालयों नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयों अहमदाबाद, बांगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, नागपुर, पटना, पूर्णे तथा तिरुवनन्तापुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं।

[सं. : एल आई टी डी/जी-७५]

लक्षण स्वरूप, प्रमुख (एल आई टी डी)

New Delhi, the 19th February, 2008

S.O. 494.— In pursuance of clause (b) of sub rule (1) of Rule (7) of Bureau of Indian Standards Rules, 1987 the Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standards, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed have been established on the date indicated against each:

SCHEDULE

Sl. No.	No. and year of the Indian Standards Established	No. and year of Indian Standards, if any, Superseded by the New Indian Standard	Date of Establishment
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS 5054 (Part 2):2007 IEC 60169-2:1965 Radio Frequency Connectors Part 2 Coaxial Unmatched Connector	—	October 2007
2.	IS/ISO/IEC 20000-1: 2005 Information Technology— Service Management Part 1 Specification	—	October 2007
3.	IS/ISO/IEC 20000-2: 2005 Information Technology— Service Management Part 2 code of practice	—	October 2007
4.	IS/IEC 60958-3: 2003 Digital Audio Interface Part 3 Consumer Application	—	October 2007
5.	IS/IEC 60990: 1999 Method of Measurement of Touch Current and Protective Conductor Current	—	November 2007
6.	IS/ISO/IEC 90003 : 2004 Software Engineering— Guidelines for the Application of ISO 9001:2000 to Computer Software	—	October 2007
7.	IS QC 960201:2007 IEC QC 960201:1991 Electromechanical Switches for use in Electronic Equipment Part 4 Sectional Specification for Lever (Toggle) Switches Section 1 Blank Detail Specification	—	October 2007

(1)	(2)	(3)	(4)
8.	IS QC 960501:2007 IEC QC 960501:1991 Electromechanical Switches for use in Electronic Equipment Part 3 Sectional Specification for In-line Package Switches Section 1 Blank Detail Specification	—	October 2007

Copy of this standard is available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices: New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices: Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapuram.

[No. LITD/G-75]
LAXMAN SWARUP, (Head LITD)]

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 2008

का.आ. 495.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि नीचे अनुसूची में दिये गये मानक(कों) में संशोधन किया गया/किये गये हैं:

अनुसूची

क्रम संख्या	संशोधित भारतीय मानक (कों) की संख्या वर्ष और शीर्षक	संशोधन की संख्या और तिथि	संशोधन लागू होने की तिथि
1.	आई एस 1293:2005 250 वोल्ट तक की रेटिंग वोल्टता वाले और 16 एम्पीयर तक की रेटिंग करंट वाले प्लग और सॉकेट निकास की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	3, अक्टूबर 2007	20-02-2008

इन भारतीय मानकों की प्रतियाँ भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, क्षेत्रीय कार्यालयों नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयों अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, नागपुर, पटना, पूणे तथा तिरुवनन्तपुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं।

[संदर्भ : ईटी 14/टी-05]

पी. के. मुखर्जी, वैज्ञा. एफ एं प्रमुख (C) विद्युत तकनिकी)

New Delhi, the 25th February, 2008

S.O. 495.—In pursuance of clause (b) of sub rule (1) of Rule (7) of Bureau of Indian Standards Rules, 1987 the Bureau of Indian Standards hereby notifies that amendments to the Indian Standards, particulars of which is given in the Schedule hereto annexed has been issued:

SCHEDULE

Sl. No.	No. and year of the Indian Standards	No. and year of the amendment	Date from which the amendment shall have effect
1.	IS 1293:2005 Plugs and Socket—Outlets of Rated Voltage up to and including 250 Volts and Rated Current up to and including 16 Amperes Specifications (Third Revision)	03, October 2007	20-02-2008

Copy of this amendment is available with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices: New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices: Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapuram.

[No. ET 14/T-05]

P. K. MUKHERJEE, Sc., 'F' & 'Head' (Electrical Technical)

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 2008

का. आ. 496.—केन्द्रीय सरकार को पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) की अधीन जारी, भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 3268 तारीख 07-08-2006 द्वारा, उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में ओ.एन.जी.सी. के.जी. बेसिन, राजामंड्रि एस्ट द्वारा आन्ध्र प्रदेश राज्य में पी.एस.ए.पी से पी.एस.पी-8 ई.पी.एस परियोजना तक माध्यम से गैस के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियाँ जनता को तारीख 07-06-07 से उपलब्ध करा दी गई थी;

और पाइपलाइन बिछाने के संबंध में जनता से प्राप्त आक्षेपों पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा विचार कर लिया गया है और उन्हें अनुजात कर दिया गया है;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइप लाइन बिछाने के लिए अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विविश्चय किया है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है;

और केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेश देते हैं कि पाइपलाइन बिछाने के लिए भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बाजे, पाइपलाइन बिछाने के प्रस्ताव करने वाली ओ.एन.जी.सी में निहित होगा और तदुपरि, भूमि में ऐसे उपयोग के अधिकार, इस प्रकार अधिरोपित निबंधनों और शर्तों के अधीन होते हुए, सभी विलागमों से मुक्त ओ.एन.जी.सी, के.जी.बेसिन, राजामंड्रि एस्ट में निहित होगा।

अनुसूची

आर.ओ.यु. पाइप लाईन : पी.एस.ए.पी से पी.एस.पी-8 ई.पी.एस

राज्य : आन्ध्र प्रदेश	मंडल : अल्लावाराम				
जिला : पूर्व गोदावरी	गांव : बोडासाकुरु				
आर.एस.नं.	हेक्टेयर्स	एस.	सेन्टर्स	एकड़	सेन्टर्स
1	2	3	4	5	6
127/1सी	0	01	0	0	03
127/1डी	0	03	0	0	07

1	2	3	4	5	6
127/1ई	0	01	5	0	04
127/एफ	0	03	5	0	09
126/9पी	0	04	0	0	10
126/1पी	0	04	5	0	11
127/4पी	0	03	0	0	08
126/1पी	0	03	0	0	08
126/2पी	0	03	0	0	08
126/13ए	0	04	0	0	10
126/10पी	0	05	5	0	13
124/12पी	0	03	0	0	07
124/14पी	0	00	5	0	001/2
124/16	0	05	0	0	12
124/15	0	03	5	0	09
116/2पी	0	01	5	0	04
116/3पी	0	06	5	0	16
116/5पी	0	03	0	0	08
116/7पी	0	03	0	0	08
295/पी	0	01	5	0	04
296/1पी	0	00	5	0	001/2
296/2एपी	0	01	0	0	03
296/3एपी	0	03	5	0	09
योग :	0	69	5	1	72

[फा. सं. 12016/1/2008-ओएनजी-III]

राज शेखर सिकदर, अपर सचिव
MINISTRY OF PETROLEUM AND
NATURAL GAS

New Delhi, the 22nd February, 2008

S.O. 496.—Whereas by Notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O.No. 3268 dtd. 07-08-06 issued under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipe Lines (Acquisition of Right Of Users in Land) Act, 1962 (50 of 1962) hereinafter referred to as the said Act, the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the Schedule appended to that Notification for the purpose of laying pipe line PSAP to PSP-8 EPS in the State of Andhra Pradesh, a pipeline should be laid by the ONGC - RY;

And whereas copies of the said Gazette Notifications were made available to the public from 07-06-07

And whereas no objections have been received from the public to laying of the pipeline by the Competent Authority;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Central Government;

And whereas the Central Government, after considering the said report, decided to acquire the Right of User in the lands specified in the Schedule.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (i) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the Right of User in the land specified in the Schedules appended to this Notification is hereby acquired for laying the pipe line;

And further in exercise of the powers conferred by Sub-Section (4) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the Right of User in the land for laying the pipeline shall, instead of vesting in the Central Government, vest, on this date of the publication of this declaration, in the ONGC, K.G.Project Rajahmundry Asset, free from encumbrances.

ROU PIPE LINE FROM PSAP to PSP - 8 EPS

State : Andhra Pradesh			Mandal : Allavaram		
District : East Godavari			Village : Bodasakurru		
R. S. No.	Hectares	Area	Centi Ares	Acres	Cents
127/1C	0	01	0	0	03
127/1D	0	03	0	0	07
127/1E	0	01	5	0	04
127/F	0	03	5	0	09
126/9P	0	04	0	0	10
126/1P	0	04	5	0	11
127/4P	0	03	0	0	08
126/1P	0	03	0	0	08
126/2P	0	03	0	0	08
126/13A	0	04	0	0	10
126/10P	0	05	5	0	13
124/12P	0	03	0	0	07
124/14P	0	00	5	0	001/2
124/16	0	05	0	0	12
124/15	0	03	5	0	09
116/2P	0	01	5	0	04
116/3P	0	06	5	0	16
116/5P	0	03	0	0	08
116/7P	0	03	0	0	08
295/P	0	01	5	0	04
296/1P	0	00	5	0	001/2
296/2AP	0	01	0	0	03
296/3AP	0	03	5	0	09
Total :	0	69	5	1	72

[F. No. 12016/1/2008-ONG-III]

RAJ SEKHAR SIKDAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 2008

का. आ. 497.—केन्द्रीय सरकार को पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी, भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचनां संख्या का.आ. 3261 तारीख 07-08-2006 द्वारा, उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में ओ.एन.जी.सी. के.जी. बेसिन, राजामुंद्रि एस्ट द्वारा आन्ध्र प्रदेश राज्य में के.के.ए.एच. से के.के.एल-12 परियोजना तक माध्यम से गैस के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियाँ जनता को तारीख 04-06-07 से उपलब्ध करा दी गई थीं;

और पाइपलाइन बिछाने के संबंध में जनता से प्राप्त आक्षेपों पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा विचार कर लिया गया है और उन्हें अनुनुजात कर दिया गया है;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट के पश्चात् उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइप लाइन बिछाने के लिए अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है;

और केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम को धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेश देते हैं कि पाइपलाइन बिछाने के लिए भूमि में उपयोग के अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए, पाइपलाइन बिछाने का प्रस्ताव करने वाली ओ.एन.जी.सी. में निहित होगा और तदुपरि, भूमि में ऐसे उपयोग के अधिकार, इस प्रकार अधिरोपित निबंधनों और शर्तों के अधीन रहते हुए, सभी विल्लगमों से मुक्त ओ.एन.जी.सी. के.जी.बेसिन, राजामुंद्रि एस्ट में निहित होगा।

अनुसूची

आर.ओ.यू. पाइप लाइन : के.के.ए.एच. से के.के.एल.-12

राज्य : आन्ध्र प्रदेश	मंडल : कैकालुरु			
जिला : कृष्णा	गांव : गोपावाराम			
आर.एस.नं.	हेक्टेयर्स	एस.	सेन्टेयर्स	एकड़ सेन्ट्स
245/9B	0	03	5	0 09
245/9C	0	03	0	0 08

1	2	3	4	5	6
251/1B2	0	03	0	0	07
251/1B3	0	01	5	0	04
253/1A2	0	06	0	0	15
253/1B2	0	02	5	0	06
253/6B	0	01	5	0	04
253/8C	0	02	0	0	05
253/8B	0	02	5	0	06
254/2B	0	05	5	0	14
जोड़ :	0	31	5	0	78

अनुसूची

आर.ओ.यु. पाइप लाइन : के.के.ए.एच. से के.के.एल.-12

राज्य : आन्ध्र प्रदेश	मंडल : कैकालुरु				
जिले : कृष्णा	गांव : राचापट्टाम				
आर.एस.नं.	हेक्टेयर्स	एस.	सेन्टेयर्स	एकड़	सेन्टस

1	2	3	4	5	6
210/1B	0	01	0	0	02
210/2B	0	09	5	0	23
211/1B	0	08	0	0	20
213/1B	0	05	0	0	12
212/2	0	02	0	0	05
214/1B	0	05	0	0	12
214/1B	0	03	0	0	08
214/1B	0	03	5	0	09
217/2B/2D	0	10	0	0	25
216/1B	0	10	5	0	26
230/1	0	08	5	0	21
232/2	0	26	0	0	64
233/2A	0	10	0	0	25
258/2	0	22	0	0	54
259/2	0	17	0	0	42
274/1B	0	02	5	0	06
274/2B	0	03	0	0	08
269/1A1	0	03	0	0	08
274/2C	0	02	0	0	05
268/1B	0	05	5	0	13
268/3A/1	0	01	0	0	02
268/2A/1B	0	02	5	0	06
266/A1	0	04	5	0	11
268/3A/2	0	06	5	0	16
268/3A/3	0	02	0	0	05
266/A1	0	07	0	0	17

1	2	3	4	5	6
266/A1	0	01	0	0	03
266/2B	0	01	0	0	03
266/A3/B	0	05	5	0	14
289/1E2	0	03	0	0	07
289/1F2	0	01	0	0	03
289/1G2	0	02	5	0	06
289/1H2	0	03	5	0	09
289/1J2	0	06	5	0	16
289/1L2	0	06	0	0	15
289/2B	0	01	0	0	02
290/2A	0	00	5	0	01
296/1B2/2	0	06	5	0	16
289/3E2	0	00	5	0	01
जोड़ :	2	19	0	5	41

अनुसूची

आर.ओ.यु. पाइप लाइन : के.के.ए.एच. से के.के.एल.-12

राज्य : आन्ध्र प्रदेश	मंडल : कैकालुरु				
जिले : कृष्णा	गांव : तामाराकोलु				
आर.एस.नं.	हेक्टेयर्स	एस.	सेन्टेयर्स	एकड़	सेन्टस
1	2	3	4	5	6
86/1	0	10	5	0	26
88/2	0	01	0	0	02
जोड़ :	0	11	5	0	28

[फा. सं. 12016/1/2008-ओएनजी-III]

राज शेखर सिकदर, अवर सचिव

New Delhi, the 22nd February, 2008

S.O. 497.—Whereas by Notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O.No. 3268 dt 07-08-06 issued under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipe Lines (Acquisition of Right of Users in Land) Act, 1962 (50 of 1962) herein after referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the Schedule appended to that Notification for the purpose of laying pipe line KKAH to KKL-12 in the State of Andhra Pradesh, a pipeline should be laid by the ONGC - RJP;

And whereas copies of the said Gazette Notifications were made available to the public from 04-06-07.

And whereas no objections have been received from the public to laying of the pipeline by the Competent Authority;

And Whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Central Government;

And Whereas the Central Government, after considering the said report, decided to acquire the Right of User in the lands specified in the Schedule.

Now, Therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (i) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the Right of User in the land specified in the Schedules appended to this Notification is hereby acquired for laying the pipe line;

And Further in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the Right of User in the land for laying the pipeline shall, instead of vesting in the Central Government, vest, on this date of the publication of this declaration, in the ONGC, K.G. Project Rajahmundry Asset, free from encumbrances.

ROU PIPE LINE kkah to KKL-12

State : Andhra Pradesh			Mandal : Kaikaluru		
District : Krishna			Village : Gopavaram		
R. S. No	Hectares	Ares	Centi Ares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6
245/9B	0	03		5	0 09
245/9C	0	03		0	0 08
251/1B2	0	03		0	0 07
251/1B3	0	01		5	0 04
253/1A2	0	06		0	0 15
253/1B2	0	02		5	0 06
253/6B	0	01		5	0 04
253/8C	0	02		0	0 05
253/8B	0	02		5	0 06
254/2B	0	05		5	0 14
TOTAL :	0	31		5	0 78

1	2	3	4	5	6
214/1B		0	05	0	0 12
214/1B		0	03	0	0 08
214/1B		0	03	5	0 09
217/2B/2D		0	10	0	0 25
216/1B		0	10	5	0 26
230/1		0	08	5	0 21
232/2		0	26	0	0 64
233/2A		0	10	0	0 25
258/2		0	22	0	0 54
259/2		0	17	0	0 42
274/1B		0	02	5	0 06
274/2B		0	03	0	0 08
269/1A1		0	03	0	0 08
274/2C		0	02	0	0 05
268/1B		0	05	5	0 13
268/3A/1		0	01	0	0 02
268/2A/1B		0	02	5	0 06
266/A1		0	04	5	0 11
268/3A/2		0	06	5	0 16
268/3A/3		0	02	0	0 05
266/A1		0	07	0	0 17
266/A1		0	01	0	0 03
266/2B		0	01	0	0 03
266/13/B		0	05	5	0 14
289/1E2		0	03	0	0 07
289/1F2		0	01	0	0 03
289/1G2		0	02	5	0 06
289/1H2		0	03	5	0 09
289/1J2		0	06	5	0 16
289/1L2		0	06	0	0 15
289/2B		0	01	0	0 02
290/2A		0	00	5	0 01
296/1B2/2		0	06	5	0 16
289/3F2		0	00	5	0 01
TOTAL :	2	19		0	5 41

ROU PIPE LINE KKAH TO KKL-12

State : Andhra Pradesh			Mandal : Kaikaluru		
District : Krishna			Village : Tamarakollu		
R. S. No	Hectares	Ares	Centi Ares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6
210/1B	0	01		0	0 02
210/2B	0	09		5	0 23
211/1B	0	08		0	0 20
213/1B	0	05		0	0 12
212/2	0	02		0	0 05
TOTAL :	0	11		5	0 28

1	2	3	4	5	6
86/1	0	10	5	0	26
88/2	0	01	0	0	02
TOTAL :	0	11	5	0	28

[F. No. 12016/1/2008 ONG-III]

RAJ SEKHAR SIKDAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 2008

का. आ. 498.—केन्द्रीय सरकार को पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी, भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 3260 तारीख 07-08-2006 द्वारा, उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में ओ.एन.जी.सी. के.जी. बेसिन, राजामुद्रि एसट द्वारा आन्ध्र प्रदेश राज्य में पी.एस.पी.-20 से पी.एस.पी. ई.पी.एस. परियोजना तक माध्यम से गैस के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियाँ जनता की तारीख 7-6-2007 से उपलब्ध करा दी गई थी;

और पाइपलाइन बिछाने के संबंध में जनता से प्राप्त आक्षेपों पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा विचार कर लिया गया है और उन्हें अनुजात कर दिया गया है;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइप लाइन बिछाने के लिए अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है;

और केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम को धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेश देते हैं कि पाइपलाइन बिछाने के लिए भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए, पाइपलाइन बिछाने का प्रस्ताव करने वाली ओ.एन.जी.सी. में निहित होगा और तदुर्योग, भूमि में ऐसे उपयोग के अधिकार, इस प्रकार अधिरोपित निबंधनों और शर्तों के अधीन रहते हुए, सभी विल्लगमों से मुक्त ओ.एन.जी.सी. के.जी. बेसिन, राजामुद्रि एसट में निहित होगा।

अनुसूची

आर.ओ.यु. पाइप लाइन : पी.एस.पी.-20 से पी.एस.पी.
ई.पी.एस.

राज्य : आन्ध्र प्रदेश			मंडल : अल्लावाराम		
जिले : पूर्व गोदावरि			गांव : बोडासाकुरु		
आर.एस.नं.	हेक्टेयर्स	एस.	सेन्ट्रेयर्स	एकड़	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6
106/2B2	0	03	0	0	07½
106/3A2	0	01	5	0	04

1	2	3	4	5	6
106/9	0	01	0	0	02
106/10A	0	00	5	0	01
106/3A3	0	02	0	0	01½
106/4B	0	01	0	0	02
106/10B	0	00	5	0	01
106/11A	0	0	0	0	00½
106/4C	0	01	5	0	04½
106/11B	0	00	5	0	01½
106/5B	0	03	0	0	08½
106/6B	0	02	5	0	06
106/7B	0	00	5	0	01
106/12	0	00	5	0	01
106/7C	0	05	5	0	16 1/2
योग :	0	24	5	0	59 1/2

[फा. सं. 12016/1/2008-ओएनजी-III]

राज शेखर सिकदर, अवर सचिव

New Delhi, the 22nd February, 2008

S.O. 498.—Whereas by Notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 3260 dt. 7-8-2006 issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipe Lines (Acquisition of Right of Users in Land) Act, 1962 (50 of 1962) hereinafter referred to as the said Act, the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the Schedule appended to that Notification for the purpose of laying pipe line PSP-20 to PSP EPS in the State of Andhra Pradesh, a pipeline should be laid by the ONGC - RY;

And whereas copies of the said Gazette Notifications were made available to the public from 7-6-2007.

And whereas no objections have been received from the public to laying of the pipeline by the Competent Authority;

And Whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Central Government;

And Whereas the Central Government, after considering the said report, decided to acquire the Right of User in the lands specified in the Schedule.

Now, Therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the Right of User in the land specified in the Schedules appended to this Notification is hereby acquired for laying the pipe line;

And Further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the Right of User in the land for laying the pipeline shall, instead of vesting in the Central Government, vest, on this date of the publication of this declaration, in the ONGC, K.G. Project Rajahmundry Asset, free from encumbrances.

SCHEDULE

ROU PIPE LINE FROM PSP-20 to PSP EPS

R. S. No	Hectares	Areas	Centiacres	Acres	Cents	Mandal : Allavaram	
						1	2
106/2B2	0	03	0	0	07½		
106/3A2	0	01	5	0	04		
106/9	0	01	0	0	02		
106/10A	0	00	5	0	01		
106/3A3	0	02	0	0	02½		
106/4B	0	01	0	0	02		
106/10B	0	0	5	0	01		
106/11A	0	0	0	0	00½		
106/4C	0	01	5	0	04½		
106/11B	0	00	5	0	01½		
106/5B	0	03	0	0	08½		
106/6B	0	02	5	0	06		
106/7B	0	00	5	0	01		
106/12	0	00	5	0	01		
106/7C	0	05	5	0	16½		
TOTAL :	0	24	5	0	59 ½		

[F. No. 12016/1/2008-ONG-III]

RAJ SEKHAR SIKDAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 2008

का.आ. 499.—केन्द्रीय सरकार को पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) की अधीन जारी, भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 3259 तारीख 7-8-2006 द्वारा, उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में ओ.एन.जी.सी. के.जी. बेसिन, राजामुद्रि एस्ट द्वारा अन्ध्र प्रदेश राज्य में पी.एस.ए.क्यू. से पासारलापुडी-8 ई.पी.एस. परियोजना तक माध्यम से गैस के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र की अधिसूचना की प्रतियाँ जनता की तारीख 7-6-2007 से उपलब्ध करा दी गई थी;

और पाइपलाइन बिछाने के संबंध में जनता से प्राप्त आक्षेपों पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा विचार कर लिया गया है और उन्हें अनुमति दिया गया है;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइप लाइन बिछाने के लिए अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है;

और केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम को धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निरेश देते हैं कि पाइपलाइन बिछाने के लिए भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए, पाइपलाइन बिछाने का प्रस्ताव करने वाली ओ.एन.जी.सी. में निहित होगा और तदुपरि, भूमि में ऐसे उपयोग के अधिकार, इस प्रकार अधिरोपित निबंधनों और शर्तों के अधीन होते हुए, सभी विल्लांगमों से मुक्त ओ.एन.जी.सी., के.जी.बेसिन, राजामुद्रि एस्ट में निहित होगा।

अनुसूची

आर.ओ.यु. पाइप लाइन : पी.एस.ए.क्यू. से पासारलापुडी
8 ई.पी.एस.

राज्य : आन्ध्र प्रदेश		मंडल : अल्लावाराम			
जिला : पुर्व गोदावरी	गांव : अल्लावाराम	आर.एस.नं.	हेक्टेयर्स	एस.	सेन्टेयर्स
1	2	3	4	5	6
401/3ई	0	04	5	0	11½
415/2	0	03	0	0	7 ½
401/3बी	0	03	5	0	09
401/3सी	0	03	0	0	07
406/1ए२	0	03	5	0	9½
407/2बी	0	05	0	0	12
407/1बी२	0	06	5	0	16
407/1ई३	0	02	0	0	05
407/1सी२	0	01	0	0	03
407/1ई२	0	03	0	0	08
408/5बी२	0	07	0	0	17
408/5सी२	0	05	5	0	12
जोड़ :	0	47	5	1	17 ½

राज्य : आन्ध्र प्रदेश	मंडल : अल्लावाराम				
जिला : पुर्व गोदावरि	गांव : बोडासाकुरू				
आर.एस.नं.	हेक्टेयर्स	एस.	सेन्टेयर्स	एकड	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6
109/6बी	0	06	5	0	16½
110/2	0	03	5	0	09
111/2	0	07	0	0	17
113/1ए२	0	02	0	0	05½
113/3बी	0	05	5	0	14½
113/5बी	0	05	0	0	12½
113/4बी	0	02	5	0	06
113/4सी	0	02	5	0	06
113/7बी	0	05	0	0	12
113/8बी	0	08	5	0	21
109/1बी	0	03	0	0	07
109/5बी	0	04	0	1	10½
जोड़ :	0	55	5	1	37½

[फा. सं. 12016/1/2008—ओएनजी-III]

राज शेखर सिकदर, अवर सचिव

New Delhi, the 22nd February, 2008

S.O. 499.—Whereas by Notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O.No. 3259 dt 7-8-2006 issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipe Lines (Acquisition of Right of Users in Land) Act, 1962 (50 of 1962) hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the Schedule appended to that Notification for the purpose of laying pipe line PSAQ to Pasarlapudi-8 EPS in the State of Andhra Pradesh, a pipeline should be laid by the ONGC - RJPY;

And whereas copies of the said Gazette Notifications were made available to the public from 7-6-2007.

And whereas no objections have been received from the public to laying of the pipeline by the Competent Authority;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Central Government;

And Whereas the Central Government, after considering the said report, decided to acquire the Right of User in the lands specified in the Schedule.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central

Government hereby declares that the Right of User in the land specified in the Schedules appended to this Notification is hereby acquired for laying the pipe line;

And further in exercise of the powers conferred by Sub-Section (4) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the Right of User in the land for laying the pipeline shall, instead of vesting in the Central Government, vest, on this date of the publication of this declaration, in the ONGC, K.G. Project/Rajahmundry Asset, free from encumbrances.

SCHEDULE

ROU PIPE LINE FROM PSAQ to PASARLAPUDI-8 EPS

State : Andhra Pradesh		Mandal : Allavaram			
District : East Godavari		Village : Allavaram			
R. S. No.	Hectares	Are	Centiacres	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6
401/3E	0	04	5	0	11½
415/2	0	03	0	0	07½
401/3B	0	03	5	0	09
401/3C	0	03	0	0	07
406/1A2	0	03	5	0	09½
407/2B	0	05	0	0	12
407/1B2	0	06	5	0	16
407/1E3	0	02	0	0	05
407/1C2	0	01	0	0	03
407/1E2	0	03	0	0	08
408/5B2	0	07	0	0	17
408/5C2	0	05	0	0	12
TOTAL :	0	47	5	1	17½

State : Andhra Pradesh		Mandal : Allavaram			
District : East Godavari		Village : Bodasakurru			
R. S. No.	Hectares	Are	Centiacres	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6
109/6B	0	06	5	0	16½
110/2	0	03	5	0	09
111/2	0	07	0	0	17
113/1A2	0	02	0	0	05½
113/3B	0	05	5	0	14½
113/5B	0	05	0	0	12½
113/4B	0	02	5	0	06
113/4C	0	02	5	0	06
113/7B	0	05	0	0	12

1	2	3	4	5	6
113/8B	0	08	5	0	21
109/1B	0	03	0	0	07
109/5B	0	04	0	0	10½
TOTAL :	0	55	5	1	37 1/2

[F. No. 12016/1/2008-ONG-III]

RAJ SEKHAR SIKDAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 2008

का. आ. 500.—केन्द्रीय सरकार को पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) की अधीन जारी, भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 3962 तारीख 7-9-2006 द्वारा, उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में ओ.एन.जी.सी. के.जी. बेसिन, राजामंड्रि एसट द्वारा आन्ध्र प्रदेश राज्य में पी.एस.पी.-24 से पी.एस.ए., येल. से पासारलापुडी-8 ई.पी.एस. परियोजना तक माध्यम से गैस के परिवहन के लिए पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियाँ जनता को तारीख 7-6-2007 से उपलब्ध करा दी गई थीं;

और पाइप लाइन बिछाने के संबंध में जनता से प्राप्त आक्षेपों पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा विचार कर लिया गया है और उन्हें अनुज्ञात कर दिया गया है;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइप लाइन बिछाने के लिए अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में पाइप लाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है;

और केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम को धारा 6 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्देश देती है कि पाइप लाइन बिछाने के लिए भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए, पाइप लाइन बिछाने का प्रस्ताव करने वाली ओ.एन.जी.सी. में निहित होगा और तदुपरि, भूमि में ऐसे उपयोग के अधिकार, इस प्रकार

अधिरोहित निर्बंधनों और शर्तों के अधीन रहते हुए, सभी विल्लंगमों से मुक्त ओ.एन.जी.सी., के.जी.बेसिन, राजामंड्रि एसट में निहित होगा।

अनुसूची

आर.ओ.यू. पाइप लाइन : पी.एस.पी.-24 से पी.एस.ए. येल. से पासारलापुडी-8 ई.पी.एस.

राज्य : आन्ध्र प्रदेश	मंडल : अल्लावाराम				
जिले : पूर्व गोदावरी	गांव : अल्लावाराम				
आर.एस.नं.	हेक्टेयर्स	एस.	सेन्टेयर्स	एकड	सेन्टस
1	2	3	4	5	6
329/3एफ2	0	01	0	0	02
329/3एचपी	0	01	0	0	03
329/3जीपी	0	04	0	0	10
329/3डी2	0	05	0	0	12
329/3ए2	0	03	0	0	08
329/2बी2	0	03	0	0	07
329/3ए1	0	03	0	0	07
329/2बी1	0	02	0	0	05
329/1सीपी	0	01	0	0	03
335/2सीपी	0	04	5	0	11
335/5एपी	0	01	0	0	03
335/6पी	0	05	0	0	12
335/3बी2	0	09	5	0	24
335/3बी1	0	05	0	0	12
जोड़ :	0	48	0	1	19

[फा. सं. 12016/1/2008-ओएनजी-III]

राज शेखर सिकदर, अवर सचिव

New Delhi, the 22nd February, 2008

S.O. 500.—Whereas by Notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 3962 dt 7-9-2006 issued under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipe Lines (Acquisition of Right of Users in Land) Act, 1962 (50 of 1962) hereinafter referred to as the said Act, the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the Schedule appended to that Notification for the purpose of laying pipe line PSP 24 to PSAL to PSP 8 in the State of Andhra Pradesh, a pipeline should be laid by the ONGC - RJY;

And whereas copies of the said Gazette Notifications were made available to the public from 7-6-2007.

And whereas no objections have been received from the public to laying of the pipeline by the Competent Authority;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Central Government;

And whereas the Central Government, after considering the said report, decided to acquire the Right of User in the lands specified in the Schedule.

Now, Therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the Right of User in the land specified in the Schedules appended to this Notification is hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the Right of User in the land for laying the pipeline shall, instead of vesting in the Central Government, vest, on this date of the publication of this declaration, in the ONGC, K.G. Project Rajahmundry Asset, free from encumbrances.

SCHEDULE

State : Andhra Pradesh		Mandal : Allavaram			
R. S. No	Hectares	Area	Centiacres	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6
329/3F2	0	01	0	0	02
329/3HP	0	01	0	0	03
329/3GP	0	04	0	0	10
329/3D2	0	05	0	0	12
329/3A2	0	03	0	0	08
329/2B2	0	03	0	0	07
329/3A1	0	03	0	0	07
329/2B1	0	02	0	0	05
329/1CP	0	01	0	0	03
335/2CP	0	04	5	0	11
335/5AP	0	01	0	0	03
335/6P	0	05	0	0	12
335/3B2	0	09	5	0	24
335/3B1	0	05	0	0	12
TOTAL :	0	48	0	1	19

[F. No. 12016/1/2008-ONG-III]

RAJ SEKHAR SIKDAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 2008

का. आ. 501.—जबकि पेट्रोलियम एवं खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोगकर्ता के अधिकार का अधिग्रहण) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अंतर्गत दिनांक 24-1-07 के संख्या का.आ. 495 के द्वारा पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार की अधिसूचना के माध्यम से केन्द्र

सरकार ने अंकलेश्वर परिसंपत्ति के जी.जी.एस. 5 से सी.पी.एफ. गंधर को तेल के परिवहन हेतु पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन हेतु उस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में निर्दिष्ट भूमियों में उपयोगकर्ता के अधिकार के अधिग्रहण की अपनी मंशा की घोषणा की थी।

और जबकि उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अंतर्गत सक्षम प्राधिकारी ने सरकार को रिपोर्ट प्रस्तुत की थी।

और जबकि इसके आगे केन्द्र सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में निर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोगकर्ताओं के अधिकार के अधिग्रहण का निर्णय लिया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में निर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोगकर्ताओं के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अधिगृहीत कर लिया गया है।

और केन्द्र सरकार धारा 6 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोगकर्ता का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तिथि से केन्द्र सरकार में विहित होने के बजाय ऑयल एंड नेचुरल गैस कारपेरेशन लिमिटेड में विहित होगा जोकि किसी भी त्रृणभार से मुक्त होगा।

अनुसूची

तहसील : वागरा		जिला : भरुच	राज्य : गुजरात
गांव का	संख्या	भाग यदि है तो	क्षेत्रफल
नाम			हैक्टेयर आर सेन्टी आर
1	2	3	4
गांधार		जी जी एस-5 ओएनजीसी रोड़ से कूप जी-10 ओएनजीसी रोड़ से कूप जीआर-13	00 14 70 00 05 25 00 03 75 00 03 80 00 03 50
	321	ओएनजीसी रोड़ से कूप 49 ओएनजीसी रोड़ – जीएनजीओ ओएनजीसी रोड़ – जीआर 11 डिल साईट-कूप 33 डिल साईट-कूप 35	00 05 30 00 03 60 00 03 80 00 26 25 00 04 23
	322/बी		02 39 47 00 05 25
चांचवेल		जीएनडीझेड-डिल साईट डब्ल्यूबीएम रोड़ से	01 10 50 00 08 70 00 03 75

1	2	3	4	1	2	3	4
		जीएनडीझेड		677		00 06	00
		डब्ल्यूबीएम रोड से	00 03 00	752		00 00	80
		कूप 266		753		00 72	00
282		04 54 50		ओएनजीसी डब्ल्यूबीएम रोड	00 03	75	
		ओएनजीसी रोड से	00 06 36	754		00 18	00
		जी कूप 4		963		00 43	20
		ओएनजीसी रोड से	00 04 24	सीपीएफ		00 32	40
		जीएनडीएम					
		ओएनजीसी रोड से	00 05 28				
		कूप 318					
389		00 19 20					
390		00 09 00					
1326		00 28 80					
1327		00 15 60					
1328		00 01 20					
391		00 08 40					
397		00 08 40					
398		00 20 40					
405		00 43 20					
474		00 22 80					
472		00 07 20					
461/ए बी		00 08 40					
463		00 12 00					
511		00 15 60					
508		00 19 20					
515		00 00 80					
507		00 10 80					
517		00 09 75					
641		00 15 00					
640		00 30 00					
639		00 03 75					
635		00 15 60					
636		00 14 40					
686		00 30 10					
684		00 09 00					
676/ए और बी		00 21 60					
680		00 01 20					
678		00 31 20					

[सं. 12016/4/2007-ओएनजी-III]

आर. एस. सिकदर, अवर सचिव

New Delhi, the 22nd February, 2008

S.O. 501.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 495 dated 24-01-07 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum & Mineral Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962). The Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transportation of oil from G.G.S. 5 to C.P.F. Gandhar of Ankleshwar Assets.

And whereas the competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the Right of User in the lands specified in the Schedule appended to this notification.

Now, therefor in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the Right of User in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines :

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the Section 6, the Central Government directs that the Right of User in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Taluka : Vagara District : Bharuch State : Gujarat

Name of Village	Survey No.	Part if any	ROU Area
1	2	3	4
Gandhar		GGS-V	00 14 70
		ONGC Road to	00 05 25
		#G-i0	

1	2	3	4	1	2	3	4
Gandhar (Contd.)		ONGC Road to #GR-13	00 03 75	Chanchwel (Contd.)	639	00 03 75	
321		01 39 50		635		00 15 60	
		ONG Road to #49	00 05 30	636		00 14 40	
		ONGC Road-GNGO	00 03 60	686		00 30 10	
		ONGC Road-Gr 11	00 03 80	684		00 09 00	
		D/S-#33	00 26 25	676/A & B		00 21 60	
		D/S-#35	00 04 23	680		00 01 20	
322/B		02 39 47		678		00 31 20	
		VIP Road	00 05 25	677		00 06 00	
Chanchwel				752		00 00 80	
284		01 10 50		753		00 72 00	
		GNDZ-D/S	00 08 70		ONGC WBM Road	00 03 75	
		WBM Road to GNDZ	00 03 75	754		00 18 00	
		WBM Road to #266	00 03 00	933		00 43 20	
282		04 54 50		CPF		00 32 40	
		ONGC Road to G 4	00 06 36				
		ONGC Road to GNDM00	04 24				
		ONGC Road to #318	00 05 28				
389		00 19 20					
390		00 09 00					
1326		00 28 80					
1327		00 15 60					
1328		00 01 20					
391		00 08 40					
397		00 08 40					
398		00 20 40					
405		00 43 20					
474		00 22 80					
472		00 07 20					
461/A & B		00 08 40					
463		00 12 00					
511		00 15 60					
508		00 19 20					
515		00 00 80					
507		00 10 80					
517		00 09 75					
641		00 15 00					
640		00 30 00					

[No. 12016/4/2007-ONG-III]

R. S. SIKDAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 2008

का. आ. 502.—जबकि पेट्रोलियम एवं खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोगकर्ता के अधिकार का अधिग्रहण) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अंतर्गत दिनांक 24-1-07 के का.आ. संख्या 496 के द्वारा पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार की अधिसूचना के माध्यम से केन्द्र सरकार ने अंकलेश्वर परिसंपत्ति के जी.जी.एस. 3 से सी.पी.एफ. गंधर को तेल के परिवहन हेतु पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन हेतु उस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में निर्दिष्ट भूमियों में उपयोगकर्ता के अधिकार के अधिग्रहण की अपनी मंशा की घोषणा की थी।

और जबकि उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा(1) के अंतर्गत सक्षम प्राधिकारी ने सरकार को रिपोर्ट प्रस्तुत की थी।

और जबकि इसके आगे केन्द्र सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में निर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोगकर्ताओं के अधिकार के अधिग्रहण का निर्णय लिया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में निर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोगकर्ताओं के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अधिगृहीत कर लिया गया है।

और केन्द्र सरकार धारा की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोगकर्ता का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तिथि से केन्द्र सरकार में

विहित होने के बजाय ऑयल एंड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में विहित होगा जोकि किसी भी ऋणभार से मुक्त होगा ।

अनुसूची

तहसील : वागरा जिला : भरुच राज्य : गुजरात

गांव का संख्या भाग यदि है तो क्षेत्रफल
नाम हैक्टर आर सेन्टी आर

1	2	3	4	1	2	3	4
गांधार		जी जी एस-3	00 06 00	पालड़ी	271		00 01 60
	418		00 07 20	(जारी...)	277		00 38 40
	419		00 12 75		275		00 06 60
मुलेर		मुलेर-गांधार रोड़	00 05 25		273		00 10 80
	31/ए-1		00 15 60		274		00 06 60
	31/ए-2					जीजीएस-2	00 06 00
	31/बी				281		00 14 40
	36/ए		00 08 40		278		00 02 70
	36/बी				280		00 02 40
	32/ए		00 01 20		279		00 13 20
	32/बी				306		00 09 75
	डब्ल्यु बीएम रोड़		00 03 00		308		00 09 60
	33		00 24 00		310		00 18 00
	27		00 28 80		311		00 22 80
	26		00 03 00			कार्ट ट्रैक	00 02 40
	25		00 28 80		360		00 08 40
	15		00 19 20		361		00 12 00
	डीटीवायएस		00 63 60		373/ए		00 22 80
					373/बी		
	6/1		00 48 00		374		00 14 40
	6/2				375		00 26 40
	1		00 06 00		376		00 07 20
	बीआईपी रोड़		00 09 60		402		00 08 40
	84		00 01 20		401		00 24 00
	7/1		00 02 40		392/ए		00 00 80
	7/2				392/बी		
	83		00 00 80		400		00 19 20
	88		00 15 60		399		00 10 80
	87		00 25 20		397		00 14 40
	85		00 00 50		339		00 76 80
	86		00 06 00			पालड़ी खाड़ी	00 03 00
	78		00 21 60				00 81 60
	77		00 25 20		281		00 06 00
	76		00 12 00			ओएनजीसी रोड़	00 04 80
	75		00 19 20				00 09 00
पालड़ी	270/ए		00 06 30		274		00 09 00
	270/बी				275		00 09 00
	272		00 41 10		280		00 16 80
					278		00 13 35
					279		00 16 80
					424		00 04 80
					425		00 09 00
					426		00 16 80
						ओएनजीसी रोड़	00 14 40
							00 15 60
							00 10 80
							00 03 00
					422		00 03 60
					427		00 24 00

1	2	3	4
चांचवेल	429	00 00	50
....(जारी)	416	00 14	40
	415	00 07	50
	414	00 18	00
	457	00 09	60
	413	00 12	00
	412	00 00	80
	410	00 15	60
	411	00 12	00
459/ए		00 06	00
459/बी			
	473	00 15	60
	474	00 15	60
	472	00 06	30
461/ए		00 08	40
461/बी			
	463	00 12	00
	511	00 15	60
	515	00 09	60
	508	00 09	60
	507	00 09	75
	517	00 10	80
	641	00 15	60
	640	00 31	20
	639	00 02	40
	635	00 19	20
	636	00 13	50
	686	00 31	80
	684	00 08	40
676/ए		00 21	60
676/बी			
	680	00 01	90
	678	00 30	65
	752	00 00	80
	677	00 04	80
	753	00 72	00
	दब्बु बीएम रोड	00 03	00
	754	00 17	40
	933	00 39	60
	930	00 07	20
सी पी एफ		00 36	00

[सं. 12016/5/2007-ओएनजी-III]

आर. एस. सिकंदर, अवर सचिव

New Delhi, the 22nd February, 2008

S.O. 502.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 496 dated 24-01-07 under Sub-Section (1) of Section 3 of the Petroleum & Mineral Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962). The Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transportation of oil from G.G.S. 3 to C.P.F. Gandhar of Ankleshwar Assets.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the Right of User in the lands specified in the Schedule appended to this notification.

Now, therefore in exercise of the power conferred by Sub-Section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the Right of User in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines :

And further in exercise of power conferred by Sub-Section (4) of the Section, the Central Government directs that the Right of User in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Name of Village	Survey No.	Part if any	ROU Area		
			1	2	3
Gandhar		GGS-III	00	06	00
	418		00	07	20
	419		00	12	75
Muler		Muler Gandhar Road	00	05	25
	31/A-1		00	15	60
	31/A-2				
	31/B				
	32/A		00	08	40
	36/B				
	36/A		00	01	20
	32/B				
		WBM Road	00	03	00
	33		00	24	00
	27		00	28	80
	26		00	03	00

1	2	3	4	1	2	3	4
	25		00 28 80		402		00 08 40
	15		00 19 20		401		00 24 00
	DTYS		00 63 60		392/A		00 00 80
	6/Paiki-1		00 48 00		392/B		
	6/Paiki-2				400		00 19 20
1	Cattle Field, village	00 06	00		399		00 10 80
	Panchayat Muler				397		00 14 40
	VIP Road	00 09	60		339		00 76 80
84		00 01	20		Paladi Khadi		00 03 00
7/Paiki-1		00 02	40	Chanchwel 281			81 60
7/Paiki-2					ONGC Road		00 06 00
83		00 00	80		274		00 04 80
88		00 15	60		275		00 09 00
87		00 25	20		280		00 16 80
85		00 00	50		278		00 13 35
86		00 06	00		279		00 16 80
78		00 21	60		Cart Track		00 09 60
77		00 25	20		424		00 14 40
76		00 12	00		425		00 15 60
75		00 19	20		426		00 10 80
Paladi	270/A	00 06	30		ONGC Road		00 03 00
	270/B				422		00 03 60
272		00 41	10		427		00 24 00
271		00 01	60		429		00 00 50
277		00 38	40		416		00 14 40
275		00 06	60		415		00 07 50
273		00 10	80		414		00 18 00
274		00 06	60		457		00 09 60
	GGS-II	00 06	00		413		00 12 00
281		00 14	40		412		00 00 80
278		00 02	70		410		00 15 60
280		00 02	40		411		00 12 00
279		00 13	20		459/A		00 06 00
306		00 09	75		459/B		
308		00 09	60		473		00 15 60
310		00 18	00		474		00 15 60
311		00 22	80		472		00 06 30
	Cart Track	00 02	40		461/A		00 08 40
360		00 08	40		461/B		
361		00 12	00		463		00 12 00
373/A		00 22	80		511		00 15 60
373/B					515		00 09 60
374		00 14	40		508		00 09 60
375		00 26	40		507		00 09 75
376		00 07	20		517		00 10 80

1	2	3	4
641		00 15	60
640		00 31	20
639		00 02	40
635		00 19	20
636		00 13	50
686		00 31	80
684		00 08	40
676/A		00 21	60
676/B		00 01	90
678		00 30	65
752		00 00	80
677		00 04	80
753		00 72	00
	WBM Road	00 03	00
754		00 17	40
933		00 39	60
930		00 07	20
	CPF	00 36	00

[No. 12016/5/2007-ONG-III]

R. S. SIKDAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2008

का. आ. 503.—भारत सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 2 के खण्ड (क) के अनुसरण में, भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिनियम सूचना सं. का.आ.-881(अ) तारीख 3-8-2004 द्वारा श्री राम अवतार पाल, डिप्टी कलैक्टर को उत्तर प्रदेश राज्य में मैसर्स गेल (इण्डिया) लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाने के लिए उक्त अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कृत्यों का पालन करने के लिए नियुक्त किया था;

और उक्त श्री राम अवतार पाल का स्थानांतरण हो गया है और श्री ज्ञान प्रकाश अवस्थी को उनके पद पर नियुक्त किया गया है;

और उक्त श्री राम अवतार पाल की मैसर्स गेल (इण्डिया) लिमिटेड में अतिरिक्त कार्य भार समाप्त कर दिया गया है;

अतः अब, भारत सरकार उक्त अधिनियम की धारा 2 के खण्ड (क) के अनुसरण में और भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 881(अ) तारीख 3-8-2004 को अधिकांत करते हुए, नीचे दी गई अनुसूची के संबंध (1) में वर्णित व्यक्ति को उक्त मैसर्स गेल (इण्डिया) लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाने के लिए निम्नलिखित अनुसूची के संबंध (2) में वर्णित क्षेत्र में उक्त अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कृत्यों का पालन करने के लिए नियुक्त करती है।

अनुसूची	
व्यक्ति का नाम और पता	अधिकारिता का क्षेत्र
1	2

श्री ज्ञान प्रकाश अवस्थी,
अपर कलेक्टर,
मैसर्स गेल (इण्डिया) लिमिटेड
में प्रतिनियुक्त पर
प्लॉट नं. 24, सैक्टर-16ए,
जिला गौतम बुध नगर,
नोएडा-201301 (उत्तर प्रदेश)

[फा. सं. एल-14014/2/2008-जी.पी.]

के. के. शर्मा, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2008

S.O. 503.—Whereas, in pursuance of clause (a) of Section 2 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), Government of India vide Notification of Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. 881(E) dated 3-8-2004 appointed Shri Ram Avtar Pal, Dy. Collector to perform the functions of the Competent Authority under the said Act for laying of the pipeline by M/s. CAIL (India) Limited in the State of Uttar Pradesh.

And, whereas, Shri Ram Avtar Pal has been transferred and Shri Gyan Prakash Awasthi has been posted as his incumbent;

And, whereas, the deputation of the said Shri Ram Avtar Pal with M/s. GAIL (India) Limited has come to an end;

Now, therefore, in pursuance of clause (a) of Section 2 of the said Act and in supersession of the notification of the Government of India, Ministry of Petroleum & Natural Gas vide S.O. 881(E) dated 3-8-2004, Government of India hereby authorizes the person mentioned in column (1) of the Schedule given below to perform the functions of the Competent Authority under the said Act for laying pipelines by the said M/s. GAIL (India) Limited in the area mentioned in column (2) of the said Schedule.

SCHEDULE

Name and Address of the person	Area of Jurisdiction
1	2
Shri Gyan Prakash Awasthi, Additional Collector On deputation to M/s. GAIL (India) Limited, Plot No. 24, Sector-16A, Distt. Gautam Budh Nagar, Noida-201301 (Uttar Pradesh)	Whole State of Uttar Pradesh & Haryana

[F. No. L. 14014/2/2008-G.P.]

K. K. SHARMA, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2008

शुद्धि—पत्र

का. आ. 504.— जबकि, केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 2 के खण्ड (क) के अनुसरण में, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय में रसायन और उर्वरक विभाग की अधिसूचना का.आ.861 तारीख 17 मार्च, 1989 के द्वारा उक्त अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कृत्यों का पालन करने के लिए श्री डी० एन० तरे को मैसर्स इण्डियन पेट्रोकेमिकल्स कार्पोरेशन लिमिटेड (आई० पी० सी० एल०), एम० जी० सी० सी० डिवीजन के लिए महाराष्ट्र राज्य में सक्षम प्राधिकारी के रूप में प्राधिकृत किया गया था ;

और जबकि, अहमदाबाद स्थित गुजरात राज्य के माननीय उच्च न्यायालय के तारीख 16 अगस्त, 2007 के आदेश के अनुसार विलीनीकरण योजना के अन्तर्गत मैसर्स आई० पी० सी० एल० का मैसर्स रिलायन्स इण्डस्ट्रीज लिमिटेड में विलीनीकरण किया जाना मान्य किया गया है ;

और जबकि, मैसर्स आई० पी० सी० एल० का मैसर्स रिलायन्स इन्डस्ट्रीज लिमिटेड में विलीनीकरण, कम्पनी अधिनियम, 1956 के अन्तर्गत रजिस्ट्रार ऑफ कम्पनीज, गुजरात के कार्यालय में पंजीकृत किया गया है और तदनुसार तारीख 7 सितम्बर, 2007 से मैसर्स आई० पी० सी० एल० का पुनः नामकरण मैसर्स रिलायन्स इन्डस्ट्रीज लिमिटेड किया गया है ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 2 के खण्ड (क) के अनुसरण में, नीचे दी गई सारिणी के स्तम्भ (1) में उल्लिखित व्यक्ति को उक्त सारिणी के स्तम्भ (2) में उल्लिखित क्षेत्रों के बाबत मैसर्स रिलायन्स इन्डस्ट्रीज लिमिटेड, नागोथाने मैनुफैक्चरिंग डिवीजन, जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय मेकर चैम्बर्स IV, 222 नरीमन प्लाइट, मुम्बई-400021 में है, द्वारा पाइपलाइन बिछाने के लिए उक्त अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कृत्यों का पालन करने के लिए सक्षम प्राधिकारी के रूप में प्राधिकृत करती है ।

सारिणी

व्यक्ति का नाम और पता	अधिकारिता के क्षेत्र
(1)	(2)
श्री डी. एम. तरे	महाराष्ट्र राज्य के सभी जिले
पो. ऑ. पेट्रोकेमिकल्स टाउनशिप, नागोथाने	
जिला रायगड़, महाराष्ट्र राज्य	
पिन कोड-402125	
रजिस्ट्रीकृत कार्यालय	
रितायन्स इन्डस्ट्रीज लिमिटेड	
मेकर चैम्बर्स, IV	
222, नरीमन पॉइंट	
मुम्बई -400021	
(महाराष्ट्र)	

[फा. सं. एल-14014/25/2007-जी. पी.]
के. के. शर्मा, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2008

AMENDMENT

S. O. 504.—Whereas, in pursuance of clause (a) of Section 2 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) hereinafter called the said Act, the Central Government, under notification S.O. 861 dated 17th March 1989 of Government of India, Ministry of Industry (Department of Chemicals and Petrochemicals), authorized Shri D.N. Tare to perform the functions of the Competent Authority under the said Act within the State of Maharashtra for M/s Indian Petrochemicals Corporation Limited (IPCL), M.G.C.C. Division, Bombay; And, whereas the scheme of Amalgamation of M/s IPCL with M/s Reliance Industries Limited has been approved by the Hon'ble High Court of Gujarat at Ahmedabad vide order dated 16th August 2007; And, whereas the amalgamation of M/s IPCL with M/s Reliance Industries Limited has been registered under the Companies Act, 1956 by the office of the Registrar of Companies, Gujarat and whereas the name of the IPCL has been renamed as M/s Reliance Industries Limited on the 7th September, 2007; Now, therefore, in pursuance of clause (a) of Section 2 of the said Act, the Central Government hereby authorises person mentioned in column (1) of the table given below to perform the functions of Competent Authority under the said Act for laying of the pipelines by M/s Reliance Industries Limited, Nagothane Manufacturing Division, having its Registered office at Maker Chambers IV, 222, Nariman Point, Mumbai - 400 021 for transportation of natural gas for usage in the said Manufacturing Division in the state of Maharashtra in respect of the areas mentioned in column (2) of the said

Table

Name & address of the person (1)	Area of Jurisdiction (2)
Shri D.N. Tare Reliance Industries Limited, Nagothane Manufacturing Division, P.O.: Petrochemicals Township Nagothane, Dist. Raigad, Maharashtra, 402125	All districts of Maharashtra
Regd. Office Reliance Industries Limited Maker Chamber IV, 222, Nariman Point, Mumbai – 400 021 (Maharashtra)	

[F. No. L-14014/25/2007-G.P.]
K. K. SHARMA, Under Secy.

New Delhi, the 3rd March, 2008

CORRIGENDUM

S. O. 505.—Whereas in pursuance of clause (a) of Section 2 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter called the said Act), Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas Notification S.O. 682(E) dated the 25th April, 2007, published on the 28th April, 2007, authorized two persons mentioned in column (1) of the Table given thereunder to perform the functions of Competent Authorities under the said Act for laying of pipeline by M/s Reliance Gas Transportation Infrastructure Limited, having its Registered Office at 101, Shivam Apartments, 9 Patel Colony, Bedi Bunder Road, Jamnagar-361008 (Gujarat) for transportation of natural gas from the tap off point at Vijayawada in Andhra Pradesh of its Kakinada-Hyderabad-Uran-Ahmedabad gas pipeline for distribution to various consumers in the State of Tamilnadu in respect of the areas in all the districts of Tamilnadu State;

And whereas, the name of Shri S. Vellaiappan, thereby appointed as a Competent Authority, has been spelt out incorrectly in the English version of the aforesaid Gazette notification;

And whereas, the word “In” is found missing in the opening sentence of the notification in English version;

Now, therefore, in pursuance of clause (a) of Section 2 of the said Act, the Government of India hereby directs that the notification S.O. 682(E) dated the 25th April, 2007 may be amended in the manner specified hereunder :—

i) Add word “In” before word “pursuance” in the first line of the notification; and

ii) Read “Shri S. Vellaiappan” for “Shri S. Vellaliappan” against item 1 under column (1) of Table below the notification.

[F. No. L-14014/45/2006-G.P.]
K. K. SHARMA, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2008

का. आ. 506.—भारत सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962(1962 का 50) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1)के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 1307 तारीख 30 अप्रैल 2007 द्वारा मैसर्स रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, नागोथाने मैन्युफैक्चरिंग डिवीजन (पूर्ववत् इंडियन पेट्रोकेमिकल्स कारपोरेशन लिमिटेड) द्वारा उरन से नागोथाने तक पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उक्त अधिसूचनासे संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के लिए अपने आशय कीधोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 15 अक्टूबर 2007 को अथवा उससे पूर्व उपलब्ध करा दी गई थीं;

और पाइपलाइन बिछाने के संबंध मे जनता की ओर से प्राप्त आक्षेपों पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा विचार कर लिया गया है और अनुज्ञात कर दिया गया;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार को अपनी रिपोर्ट देंदी है;

और भारत सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिए अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है;

अतः अब, भारत सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है;

और भारत सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से भारत सरकार में निहित होने के बजाए सभी विलंगमों से मुक्त, मैसर्स रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, नागोथाने मैन्युफैक्चरिंग डिवीजन में निहित होगा।

अनुसूची

तहसील : अलिबाग		जिला. रायगढ	राज्य: महाराष्ट्र		
गांव का नाम	सर्वे नं./गट नं.	आर.ओ. यू. अर्जित करने के लिए क्षेत्रफल			सी.एयर
		हेक्टेयर	एयर		
1	2	3	4	5	
1). सांबरी	19C (P) नाला स.नं. 26 और 35/4 के बीच में	0	13	6	
		0	16	8	
2) चिखली	4/A (P) नाला स.नं. 11 और 15 A के बीच में	0	14	0	
		0	06	0	
3) कुर्दूस	24 B (P)	0	01	3	
4) कालवड	2 D1 (P) 61 / (P) खाड़ी स.नं. 43 और 57/4+6+7+2 के बीचमें नाला स.नं. 9/3 2/2 और 12/5 के बीच में.	0	02	0	
		0	33	6	
		0	04	0	
		0	04	0	
5) आंबेपूर	69 A, B, (P) रास्ता स.नं. 68 - 4 और 68/2 के बीचमें एम.आय.डी.सी. रास्ता क्रॉसिंग पी.डब्ल्यू.डी. रास्ता क्रॉसिंग झेड.पी. रास्ता क्रॉसिंग	0	30	5	
		0	03	5	
		0	03	0	
		0	03	0	
		0	06	0	
6) पेजारी	11 /1(1) खाड़ी स.नं. 82 और 80/6/2 रास्ता 5/2 और 6/1 के बीचमें पी.डब्ल्यू.डी. रास्ता क्रॉसिंग	0	06	6	
		0	04	5	
		0	04	5	
		0	03	0	
7) चरी	49 1(P) खाड़ी स.नं. 41/2 और 31/1 और सन 13/6 और 9 के बीचमें	0	10	6	
		0	03	5	
	39/1 C (P) आर.सी.एफ. थल रेल	0	12	4	
8) कामार्ले	71/1 (P) नाला स.नं. 136/2B और 133/1 के बीचमें	0	01	0	
		0	08	0	
9) वाधाली	15(P) रास्ता स.नं. 32 झेड. पी. रास्ता क्रॉसिंग	0	13	4	
		0	01	0	
		0	02	0	

1	2	3	4	5
10) मापगांव	94(P) नाला स.न. 7 1/2 और भईमला गांवके सीमाके बीचमें रास्ता स.न. 9 6/1/2(P) झेड. पी. रास्ता क्रॉसिंग	0 0 0 0	00 03 01 02	2 0 2 0
11) मुशेत	21(P) नाला स.न. 31 और 21 के बीचमें रास्ता स.न. 4 2/2 B(P) आर.सी.एफ. थळ रेल 4 2/2 B(P)	0 0 0 0	05 06 13 12	8 0 4 1
12) सातिर्जे	130/1(P) गावठाण परडी नाला स.न. 6/1 B और 105 के बीचमें झेड. पी. रास्ता क्रॉसिंग	0 0 0 0	00 02 13 02	2 2 3 0
13) बामणसुरे	29/B(P) 25/B(P) 15/2 (P) रास्ता पी.डब्ल्यू.डी. रास्ता क्रॉसिंग	0 0 0 0	48 03 03 03	4 5 2 0
14) खोपणे	50/0(P) नाला स.न. 34/2 और 32/4 के बीच में आर.सी.एफ. थळ रेल 9/3(P)	0 0 0	17 06 02	1 7 7
15) शहापूर	596A 106(P) 255(P) 137/3(P) 136/1(P) नाला स.न. 81/4 और 106B स.न. 47/6 और 4/2 के बीचमें खाड़ी स.न. 136/1 और 24 स.न. 596/1 और धेरंड गावके क्षेत्रके बीचमें पी.डब्ल्यू.डी. रास्ता क्रॉसिंग	0 0 0 0 0 0	12 09 00 01 05 10 09 03	9 4 7 0 0 2 0 0
16) धेरंड	73(P) नाला स.न. 70/1 और 48/1 के बीचमें खाड़ी स.न. 73 और 30/5 के बीचमें	0 0 0	13 04 44	0 0 0
17) देहेनकोनी	12 /(P) खाड़ी स.न. 12 /(P)	0 0	21 08	8 0

1	2	3	4	5
18) वालवडे	21/(P) नाला स.नं. 8/2 और देहेनकोनी स.नं. 15 के बीचमें	0 0	03 05	0 0
19) शहाबाज	179/4(A) (P) 172/(A) /1 (P) नाला स.नं. 188/2 और 208/3 स.नं. 171/4 और 169/7 के बीचमें खाड़ी स.नं. 236/2 और 228/3 के बीचमें पी.डब्ल्यू.डी. रास्ता क्रॉसिंग झेड.पी. रास्ता क्रॉसिंग सेंट्रल रेलवे क्रॉसिंग	0 0 0 1 0 0	10 04 19 30 03 04 04	1 5 2 2 0 0 0
20) नवखारतर्फ श्रीगाव	नाला स.नं. 17/4 और 17/5 के बीचमें	0	14	0
21) सीमादेवी	नाला स.नं. 12/2 और 16/2 के बीचमें	0	07	5
22) फणसापुर	खाड़ी स.नं. 31/2 और 6/7 के बीचमें	0	18	0
23) कोपरी	नाला स.नं. 14 और 26/3 के बीचमें	0	38	0
24) नवखार रायंदे	खाड़ी स.नं. 10/3 और 6/1A, 6/2 के बीचमें	0	46	8
25) भिसराई	नाला स.नं. 30/4 और 30/1 के बीचमें झेड.पी. रास्ता क्रॉसिंग	0 0	02 04	0 0
26) बहिरोळे	नाला स.नं. 43/2 और 61/2 स.नं. 37 और 56/9 के बीचमें	0	07	2
27) सोर्गाव	नाला स.नं. 13/4 और 15/6 के बीचमें	0	09	0
28) मुंजीस	रास्ता स.नं. 1/3 और 22/2 के बीचमें पी.डब्ल्यू.डी. रास्ता क्रॉसिंग झेड.पी. रास्ता क्रॉसिंग	0 0 0	02 03 02	0 0 0
29) मुनवली	रास्ता स.नं. 1 और 40/9 के बीचमें पी.डब्ल्यू.डी. रास्ता क्रॉसिंग	0 0	03 04	7 0

तहसील: पेण	जिला: रायगड	राज्य: महाराष्ट्र
1) बेणसे	गावठाण	0 05 0
2) श्रोतीरपाडा	136/1(P) 137/(P) झेड.पी. रास्ता क्रॉसिंग	0 15 0 0 25 0 0 02 0
3) आटीवली	गावठाण	0 09 5

1	2	3	4	5
4) गांधे	33/A(P)	0	09	0
	33/B(P)	0	03	2
5) चोले	12/B(P)	0	19	2
6) डोलवी	190/1A(P)	0	24	0
7) कांदले	149/(P)	0	02	0
8) कोप्रोली	197/N(P)	0	01	0
	187/C1(P)	0	02	5
	खाड़ी स.नं. 187 C/1	0	27	8
	रास्ता स.नं. 39/1(P)	0	01	0
9) नगदीसापोली	26/A(P)	0	11	1
10) वरेडी	49A/2(P)	0	05	0
	49 A/1(1)(P)	0	07	3
	खाड़ी स.नं. 49A1 और 49A2 के बीचमें	0	06	8
11) कोपर	75/1/1(P)	0	03	2
	नाला स.नं. 60/1 स.नं. 67/6, 46/1 और 45 के बीचमें	0	11	7
	खाड़ी स.नं. 32/7 और 14/1 के बीचमें	0	33	0
	झेड.पी. रास्ता क्रॉसिंग	0	02	0
12) रावे	223/A/1A1/2(1)(P)	0	27	3
	नाला स.नं. 31/B और 33 के बीचमें	0	03	3
	खाड़ी स.नं. 223/A और साई गाव सीमा के बीच	0	23	0
	झेड.पी. रास्ता क्रॉसिंग	0	02	0
13) खारदुतर्फा बोर्ली	नाला स.नं. 184/5 और 189/5 के बीचमें रास्ता स.नं. 220/B और 201/1+2B के बीचमें	0	04	3 0
14) वावे	नाला स.नं. 167/1 और 136/2, 87/4 और 73/1 के बीचमें	0	08	8
	खाड़ी स.नं. 91A/1A/1A/3	0	29	2
	रास्ता स.नं. 72/2 और 129 के बीचमें	0	01	5
15) मळेधर	नालां. स.नं. 85 और 52 के बीचमें झेड.पी. रास्ता क्रॉसिंग	0	12	1 0
16) उबर्डे	रास्ता स.नं. 229/0 और 228/3 के बीचमें	0	02	0
17) वडखळ	रास्ता स.नं. 27/3 और 26/1 के बीचमें पी.डब्ल्यू.डी. रास्ता क्रॉसिंग झेड.पी. रास्ता क्रॉसिंग	0	00	7 0 0

1	2	3	4	5
तहसील: पनवेल		जिला: रायगड		
1) साई	12A (P)	0	08	0
	रास्ता स.नं. 257/1 और 246/7 के बीचमें	0	04	0
	पी.डब्ल्यू.डी. रास्ता क्रॉसिंग	0	03	0
2) दिघाटी	रास्ता स.नं. 85 और 77/5 के बीचमें	0	01	0
3) गव्हाण	रास्ता स.नं. 83/5/3A और 83/5/3E के बीचमें	0	08	4
	पी.डब्ल्यू.डी. रास्ता क्रॉसिंग	0	03	0
	झेड.पी. रास्ता क्रॉसिंग	0	04	0
4) उलवा	खाडी	23	20	0
तहसील: उरण		जिला: रायगड		
1) चिरनेर	पी.डब्ल्यू.डी. रास्ता क्रॉसिंग	0	09	0
2) कंठवली	28/6(P)	0	02	8
	28/5(P)	0	03	0
	28/4(P)	0	03	8
	28/3(P)	0	07	5
	28/2(P)	0	00	2
	नदी स.नं. 30/2B और विधणे गांव के सीमाके बीचमें	0	07	0
	झेड.पी. रास्ता क्रॉसिंग	0	02	0
3) बेलोडेखार	खाडी स.नं. 19/3 और 44/6 के बीचमें	0	03	3
	रास्ता स.नं. 72/4 और 72/6 के बीचमें	0	01	5
4) चिर्ले	नाला स.नं. 40/1 और जासई गांवके सीमाके बीचमें	0	03	7
	रास्ता स.नं. 21/4 और 8/1 के बीचमें	0	04	3
	झेड.पी. रास्ता क्रॉसिंग	0	02	0
5) जासई	124/4(P) पनवेल उरण रेल	0	01	7
	124/1+2A(P) पनवेल उरण रेल	0	12	1
	रास्ता स.नं. 138/5B और 137 के बीचमें	0	21	5
	पी.डब्ल्यू.डी. रास्ता क्रॉसिंग	0	03	0
	झेड.पी. रास्ता क्रॉसिंग	0	04	0
	सेंट्रल रेल्वे क्रॉसिंग	0	04	0
	एन.एच. 4 B रास्ता क्रॉसिंग	0	04	0

1	2	3	4	5
6) विधान	211 /P) रास्ता पी.डब्ल्यू.डी. रास्ता क्रॉसिंग	0	03	5
7) दिघाड़	रास्ता स.न. 34/4 और 109/A/2 के बीचमें	0	04	0
		0	05	0

[फा. सं. एल-14014/3/2007-जी. पी.]

के. के. शर्मा, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2008

S.O. 506.—Whereas by notification of Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas number S.O.1307 dated 30 th April, 2007, issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum & Minerals Pipelines(Acquisition of Rights of Users in Land) Act,1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Government of India declared its intention to acquire the Rights of Users in the land, specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transportation of natural gas from Uran to Nagothane by M/s Reliance Industries Limited, Nagothane Manufacturing Division (erstwhile Indian Petrochemicals Corporation Limited);

And, whereas copies of the said Gazette notification were, made available to the public on or before 15th October 2007;

And whereas, the objections received from the public to the laying of the pipeline have been considered and disallowed by the Competent Authority;

And whereas the Competent Authority has, under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government of India;

And whereas, the Government of India , after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the Rights of Users therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Government of India hereby declares that the Rights of Users in the land specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipeline;

And, further, in exercise of the powers conferred by sub - section (4) of Section 6 of the said Act, the Government of India hereby directs that the Rights of Users in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in the Government of India, vest, on the date of publication of the declaration, in M/s Reliance Industries Limited, Nagothane Manufacturing Division, free from all encumbrances.

Tehsil: Alibag		District: - Ralgad	State: - Maharashtra		
Village	Survey\Sub-division No.	Area required for RoU acquisition			
1	2	Hect.	Are	C-Are	
1) Sambari	19 / C (P) Nalla between Sr. No. 26 & 35/4	0	13	6	
2) Chikhali	4 / A (P) Nalla between Sr. No. 11 & 15/A	0	14	0	
3) Kurdus	24/B (P)	0	01	3	
4) Kalwad	2/D1 (P) 61/(P) Nalla between Sr. No. 9/3(2) 2 & 12/5 Creek between Sr. No. 43 & 57/4+6+7/2	0 0 0 0	02 33 04 04	0 6 0 0	
5) Ambepur	69/A, B (P) Road between Sr. No. 68/4 & 68/2 MIDC Road crossing PWD Road crossing ZP Road crossing	0 0 0 0 0	30 03 03 03 06	5 5 0 0 0	
6) Pezari	11/1(1)P Creek between Sr. No. 82 & 80/6(2) Road between Sr. No. 5/2 & 6/1 PWD Road crossing	0 0 0 0	06 04 04 03	0 5 5 0	
7) Chari	49/1(P) Creek between Sr. No. 41/2 & 31/1,13/6 & 9 RCF Thal Railway	0 0 0	10 03 12	6 5 4	
8) Kamarle	71/1(P) Nalla between Sr. No. 136/2B & 135/1	0 0	01 08	0 0	
9) Wagholi	15(P) Road Sr. No. 32 ZP Road crossing	0 0 0	13 01 02	4 0 0	
10) Mapgaon	94(P) Nalla between Sr. No. 71/2 & Boundary of Bhaimala 96/ ½ (P) Road ZP Road crossing	0 0 0 0	00 03 01 02	2 0 2 0	
11) Mushet	21(P) Nalla between Sr. No. 31 & 21 42/ 2B(P) Road 42/2B(P) RCF Thal Railway	0 0 0 0	05 06 13 12	8 0 4 1	
12) Satirje	130/1(P) Gaothan Paradi Nalla between Sr. No. 7/1B & 105 ZP Road crossing	0 0 0 0	00 02 13 02	2 2 3 0	
13) Bamansure	29 / B (P) 25 / B (P) 15 / 2 (P) Road PWD Road crossing	0 0 0 0	48 03 03 03	4 5 2 0	
14) Khopane	50 / (P) Nalla between Sr. No. 34/2 & 32/4 9 / 3(P) RCF Thal Railway	0 0 0	17 06 02	1 7 7	

1	2	3	4	5
15) Shahapur	596A / 1 (P) 106 / (P) 255 / (P) 137 / 3(P) 136 / 1(P) Nalla between Sr. No. 81/4 & 106/3 147/6 & 4/2 Creek between Sr. No. 136/1 & 24 Sr. No. 596/1 & boundary of Dherand PWD Road crossing	0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	12 09 00 01 05 10 2 09 03	9 4 7 0 0 2 0 0 0
16) Dherand	73 / (P) Nalla between Sr. No. 70/1 & 48/1 Creek between 73 & 30/5	0 0 0	13 04 44	0 0 0
17) Dehenkoni	12 / 1 Creek Sr. No. 12P	0 0	21 08	8 0
18) Walwad	21 / (P) Nalla between Sr. No. 8/2 & 15 of Dehenkoni	0 0	03 05	0 0
19) Shahabaj	179 / 4A(P) 172A / 1(P) Nalla between Sr. No. 188/2,208/3, 171/4 & 169/7 Creek between Sr. No. 236/2 & 228/3 PWD Road crossing ZP Road crossing Central Railway crossing	0 0 0 1 0 0	10 04 19 30 03 04 04	1 5 2 2 0 0 0
20) Navkhar Tarf Shrigaon	Nalla between Sr. No. 17/4 & 17/5	0	14	0
21) Seemadevi	Nalla between Sr. No. 12/2 & 16/2	0	07	5
22) Phanaspur	Creek between Sr. No. 31/2 & 6/7	0	18	0
23) Kopari	Nalla between Sr. No. 14 & 26/3	0	38	0
24) Navkhar Rayande	Creek between Sr. No. 10/3 & 6/1.& 6/2	0	46	8
25) Bhisarai	Nalla between Sr. No. 30/4 & 30/1 ZP Road crossing	0 0	02 04	0 0
26) Bahirole	Nalla between Sr. No. 43/2 & 61/2 Sr. No. 37 & 56/9	0	07	2
27) Sogaon	Nalla between Sr. No. 13/4 & 15/6	0	09	0
28) Gunjis	Road between Sr. No. 1/3 & 22/2 PWD Road crossing ZP Road crossing	0 0 0	02 03 02	0 0 0
29) Mugwali	Road between Sr. No. 1 & 40/9 PWD Road crossing	0 0	03 04	7 0
Tehsil: Pen	District: - Raigad		State: - Maharashtra	
1) Bense	Gaothan	0	05	0
2) Zotirpada	136 / 1 /(P) 137 / 0 /(P) ZP Road crossing	0 0 0	15 25 02	0 0 0
3) Atiwali	Gaothan	0	09	0
4) Gandhe	33A / (P) 33B / (P)	0 0	09 03	0 2
5) Chole	12B / (P)	0	19	2
6) Dolvi	190 /1A / (P)	0	24	0
7) Kandale	149 / (P)	0	02	0
8) Koproli	197 N / (P) 187 C1 / (P) Creek Sr. No. 187/C1 39 1 /(P) Road	0 0 0 0	01 02 27 01	0 5 8 0

1	2	3	4	5
9) Nagadi Sapoli	26A / (P)	0	11	1
10) Varadi	49/ A2 / (P)	0	05	0
	49/A.1(1) / (P)	0	07	3
	Creek between Sr. No. 49 A1 & 49A2	0	06	8
11) Kopar	75 / 1A1(P)	0	03	2
	Nalla between Sr. No. 60/1 & 67/6.40/1/1 & 45	0	11	7
	Creek between Sr. No. 32/7 & 14/1	0	33	0
	ZP Road crossing	0	02	0
12) Rave	223A / 1A/2(1)(P)	0	27	3
	Nalla between Sr. No. 31B & 33	0	03	3
	Creek between Sr. No. 223 A & boundary of	0	23	0
	Sai Village	0	02	0
	ZP Road crossing	0	02	0
13) Khar	Nalla between Sr. No. 184/5 & 189/5	0	04	3
Dutarfaborli	Road between Sr. No. 200/2B & 201/1+2B	0	02	0
14) Wave	Nalla between 167/1 Sr. No. & 136/2 87/4 & 73/1	0	08	8
	Creek 91/A1A/A1/3	0	29	2
	Road between Sr. No. 72/2 & 129	0	01	5
15) Maleghar	Nalla between Sr. No. 85 & 82	0	12	1
	ZP Road crossing	0	02	0
16) Umbarde	Road between Sr. No. 229/0 & 228/3	0	02	0
17) Wadkhali	Road between Sr. No. 27/3 & 26/1	0	00	7
	PWD Road crossing	0	03	0
	ZP Road crossing	0	02	0

Tehsil: Panvel	District: - Raigad	State: - Maharashtra	
1) Sai	12A(P)	0	08
	Road between Sr. No. 257/1, 246/7	0	04
	PWD Road crossing	0	03
2) Dighati	Road between Sr. No. 85 & 77/5	0	01
3) Gavan	Road between Sr. No. 83/5(3)A & 83/5(3)E	0	08
	PWD Road crossing	0	03
	ZP Road crossing	0	04
4) Uliwa	Creek	23	20

Tehsil: Uran	District: - Raigad	State: - Maharashtra	
1) Chirner	PWD Road Crossing	0	09
2) Kantawali	28/6 / (P)	0	02
	28/5 / (P)	0	03
	28/4 / (P)	0	03
	28/3 / (P)	0	07
	28/2 / (P)	0	00
	River Sr. No. 30/2B & boundary of	0	07
	Vindhane Village	0	0
	ZP Road crossing	0	02
3) Belondekhar	Creek between Sr. No. 19/3 & 44/6	0	03
	Road between Sr. No. 72/4 & 72/6	0	01
4) Chirle	Nalla between Sr. No. 40/1 & Boundary of	0	03
	Jasai	0	7
	Road between Sr. No. 21/4 & 8/1	0	04
	ZP Road crossing	0	02
5) Jasai	124 / 4(P) Panvel – Uran Railway	0	01
	124 / 1+2A(P) Panvel – Uran Railway	0	12
	Road between Sr. No. 38/5B & 137	0	21
	PWD Road crossing	0	03
	ZP Road crossing	0	04
	Central Railway Road crossing	0	04
	NH4B Road crossing	0	04
6) Vindhane	211 / (P) Road	0	03
	PWD Road crossing	0	04
7) Dighode	Road between Sr. No. 34/4 & 109A/2	0	05

श्रम एवं रोजगार भ्रातालय

नई दिल्ली, 12 फरवरी, 2008

का.आ. 507.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, पटना के पंचाट (संदर्भ संख्या 09/2007) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-02-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/150/2005-आई आर(बी-1)]

अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR AND EMPLOYMENT

New Delhi, the 12th February, 2008

S.O. 507.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No.09/2007) of the Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Patna, as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of State Bank of India, and their workmen, received by the Central Government on 12-2-2008.

[No. L-12012/150/2005-IR (B-I)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER INDUSTRIAL TRIBUNAL, SHRAM BHAWAN, BAILEY ROAD, PATNA

Reference Case No. 9 (C) of 2007

Between the Management or State Bank of India. Local Head Office, Patna and their workman Shri Ranjit Rai, resident of Amrudigali, near Petrol Pump, Nala Road Patna-4.

For the Management : Shri S. K. Upadhyay, Asstt. Manager (Law), Authorised Representative.

For the Workman : Shri Tej Narain Dubey, Dubey Niwas near Yarpur Road, Patna-1, Authorised Representative.

Present : Vasudeo Ram, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Patna.

AWARD

Patna, Dated The 25th, January 2008

By adjudication order No. L-12012/150/2005-IR (B-I) dated 23rd February, 2007 the Government of India, Ministry of Labour, New Delhi, under clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (hereinafter called 'the Act' for brevity) has referred the following dispute between the management of State Bank of India, Local Head Office, Patna and their workman Shri Ranjit Rai to this Tribunal for adjudication on the following :

"Whether the action of the management of State Bank of India, Patna in terminating the services of workman Shri Ranjit Rai instead of regularising him on completing 240 days of continuous service in the Rajendra Nagar Branch of State Bank of India, Patna, Bihar, is legal and justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. Both the parties appeared on notice and filed the statement of claim and the written statement. The contention of the workman is that he was engaged as casual labour/cleaner in the State Bank of India, Rajendra Nagar Branch, Patna w.e.f. January, 1980. He worked for about 100 days till September, 1981. He worked for 91 days in the year 1993-94. He continued to work and completed more than 240 days of work in a year and the employer branch continuously recommended for his absorption on permanent basis in the reply to queries made by local Head Office of the Bank from time to time through letters dated 11-8-99, 12-4-2002 and 24-4-2002. Further the contention of the workman is that the union raised demand for regularisation of daily wage /casual workers and settlements on different dates were arrived at between the management and the Union on that point. For preparation of the panel informations were sought for from the branch offices including Rajendra Nagar branch where the workman was working and information within the specified period were sent. Strangely enough the workman was not regularised while some others including Shri Raj Ballabh Das and Lallan Prasad who had worked for lesser period were appointed on regular basis. The aforesaid action of the bank tantamounts to discrimination and unfair labour practice. The workman further contends that he made representations to the Bank Management but the management instead of regularising his services arbitrarily and malafidely disengaged him from services with effect from 30-4-2004. The workman claims that he be appointed on permanent basis w.e.f. 18-2-2005, the date of his making application.

3. The contention of the management is that the dispute referred to for adjudication is not an industrial dispute for the reason Sri Ranjit Rai is not and cannot be the member of National Confederation of Bank Employees (Bihar State) which has espoused the case, as per the Constitution of the National Confederation of Bank Employees (Bihar State). Further, the contention of the management is that Sri Ranjit Rai was never appointed by the competent authority empowered and authorised to make appointment. The said workman was not engaged against any vacancy. A daily wage worker or a temporary employee engaged on ad-hoc basis can not claim continuance in service when the engagement of such employee was not made against a Sanctioned post. Further, the contention of the management is that the workman never completed 240 days continuous service within any calendar year. The workman worked in different branches during the year 2001 and 2002 and hence he is

not entitled to be regularised/appointed in service. The number of days worked by the claimant in broken periods can not be taken as a continuous employment. The services of only those employee can be regularised who have worked in continuity and that too against a sanctioned and vacant post. Sri Raj Ballabh Das, S.C. Category and Shri Lallan Prasad, General Category were given appointment from the panel prepared after completing due process. The management never appointed Sri Ranjit Rai nor terminated his services on 30-4-2006. According to the management the workman is not entitled to any relief and the award is fit to be passed in favour of the management.

4. Upon the pleadings of the parties and also the terms of reference the following points arise out for consideration:

- (i) Whether the dispute referred to for adjudication is an industrial dispute capable of being espoused by the union?
- (ii) Whether the action of the management of State Bank of India, Patna in terminating the services of workman Sri Ranjit Rai instead of regularising him completing 240 days of continuous service in the Rajender Nagar Branch of State Bank of India, Patna, Bihar is legal and justified?
- (iii) To what relief or reliefs the workman is entitled to?

FINDINGS

Point No. (i):

5. According to the management Sri Ranjit Rai can not be a member of National Confederation of Bank Employees (Bihar State) the dispute raised/referred to for adjudication is not an industrial dispute. The term 'Industrial Dispute' has been defined under section 2 (K) of 'the Act' as follows:

"Industrial Dispute means any dispute or difference between employees and employers, or between employers and workmen, or between workmen and workmen, in which is connected with the employment or non-employment or the terms of employment or with the conditions of labour, of any person;"

There is no dispute on the point that Sri Ranjit Rai is a workman as defined under Section 2(S) of 'the Act'. It is a fact that Sri Rai has not produced any thing to show that he is a member of National Confederation of Bank Employees (Bihar State). But the union is not precluded from raising the dispute of a workman who is not a member Union. In the decision V.D.M. Co-operative Society Vs. Govt. of Andhra Pradesh reported in AIR 1977 Andhra Pradesh 241(FB) it emerged that 'An Union desiring to resolve the dispute of an individual employee can do so only under the Industrial Disputes Act.' Under the circumstances I find and hold that the dispute referred to for adjudication is an 'industrial dispute'. This point is decided accordingly.

Point No. (ii):

6. Both the parties have adduced oral as well as documentary evidence in support of their respective contentions. The management has examined only one witness S. Subramaniam (M.W. 1) and has got exhibited photocopies of Circular dated 6-4-1991 (Ext. M) and Settlement dated 30-7-1996 (Ext. M/1). As against that the workman Sri Ranjit Rai has examined himself (w.w.1) and Bajju Rai (w.w.2) and has got exhibited photo copy of letter dated 10-1-1996(Ext.w) and letter No.1391 dated 29.2.1996 (Ext.w/1). M.W.1 has stated that the management neither appointed Sri Ranjit Rai nor terminated his services. It is not the case of the workman that he was given any appointment letter or termination letter. From the statement of temporary appointment (Annexure-4 to the statement of claim) it appears that the date of birth of Sri Rai is 2-4-1971. He claims to have started working as casual labour from April, 1980 meaning thereby from the age of nine years and odd. He in his statement before this Tribunal has stated that in the year 1988 his case for appointment was not considered because of him being under age. The same is also apparent from the copy of application filed (but not exhibited) on his behalf in which his age has been mentioned as 17 years 3 months 20 days. It is the case of workman that he worked 100 days from 1980, thereafter 142 days in 1993-1994 and 181 days in the year 2001 as daily casual labourer. He claims that he worked for 281 days in the year 2002 and on that basis he claims regularisation in service under the management of State Bank of India.

7. According to the terms of reference after putting in 240 days of continuous service in Rajendra Nagar Branch of State Bank of India whether his termination was legal and justified? The workman in his statement of claim has not stated as to when he put in 240 days continuous service in Rajendra Nagar Branch of State Bank of India. The workman claimed in statement of claim and has given the details of his working 281 days in the year 2002 in Annexure (iii) to his statement of claim which shows that in the year 2002 he worked on daily wages in different branches of State Bank of India as follows:

1. Anisabad Branch	- 17 days
2. 1GMS branch	- 11 days
3. Paliganj branch	- 43 days
4. Sarai Branch	- 39 days
5. A.D.B.Bihta branch	- 65 days
6. Khagaul branch	- 15 days
7. Boring Canal Road branch	- 15 days
8. Bihta Bazaar Samiti branch	- 15 days
9. Gardanibagh branch	- 61 days

Total 281 days

The above noted details given by the workmen does not show that he worked in Rajendra Nagar Branch for 240 days in the year 2002. In view of the decision of the Hon'ble Apex Court in the case of D.G.M.Oil and Natural Gas Corp. & others Vs. Ilias Abdul Rahman reported in AIR 2005

SC-660 number of days of work put in by workman in broken periods can not be taken as continuous employment for purposes of Sec. 25F of 'the Act'. Here in this case from the assertions and the documents of workman itself is apparent that he worked in different branches of State Bank of India but not in Rajendra Nagar Branch. His 281 days of working in 2002 in different branches can not be considered as continuous service. Under the circumstances I find and hold that the reference itself is bad on that count and the disengagement of workman from service can not be said illegal or unjustified. I may add that each branch of the bank is a separate unit of industry and working in separate branches/industries under the management can not be clubbed together for calculation of continuous service.

8. Though it is not the terms of reference but the workman has alleged that Raj Ballabh Das and Lallan Prasad though put lesser days of service than him (the workman), they were appointed and in this way the management made discrimination in appointment which tantamounts to unfair labour practice. As against that the case of the management is that Raj Ballabh Das and Lallan Prasad were appointed from the panel prepared in due process. The workman has not produced any evidence to show that he was empanelled for appointment and on due process. Under the circumstances I find that the workman can not claim regularisation on the ground of indiscrimination alleged to have been made by the management. Keeping in view the discussions made above I find and hold that the action of the management of State Bank of India, Patna in terminating the services of workman Sri Ranjit Rai is neither illegal nor unjustified. This point is decided accordingly.

Point No. (iii) :

9. Keeping in view the discussions made above and the findings arrived at on point No. (ii) I find and hold that the workman is not entitled to any relief. This point is decided accordingly.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, CHENNAI

Thursday, the 20th September, 2007

Present: K. Jayaraman, Presiding Officer

Industrial Dispute Nos. 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 21, 22, 23, of 2006

(In the matter of the dispute for adjudication under clause (d) of sub-section (1) and sub-section 2 (A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), between the Management of Ind-Bank Housing Ltd. and their Workman)

S No.	I.D. No.	Reference No. & Date IR (B-I) Dated 17-01-2006	Name of the I Party Sri R. Murugan	Name of the II Party The Managing Director Ind-Bank Housing Ltd., Corporate Office, Chennai	Appearance for Workman M/s S. Murugaboopathi	Appearance for Respondent M/s R. Subramanyam & Associates
I.	9/2006	L-12012/196/2005- IR (B-I) Dated 17-01-2006				

S No.	I.D. No.	Reference No. & Date	Name of the I Party	Name of the II Party	Appearance for Workman	Appearance for Respondent
2.	10/2006	L-12012/199/2005- IR(B-I) Dated 17-01-2006	Sri R.Ganesh	The Managing Director Ind-Bank Housing Ltd., Corporate Office, Chennai	M/s S. Murugaboopathi	M/s R. Subramanyam & Associates
3.	11/2006	L-12012/201/2005- IR(B-I) Dated 18-01-2006	Sri A. Adavan	The Managing Director Ind-Bank Housing Ltd., Corporate Office, Chennai	M/s S. Murugaboopathi	M/s R. Subramanyam & Associates
4.	12/2006	L-12012/202/2005- IR(B-I) Dated 18-01-2006	Sri G. Sridhar	The Managing Director Ind-Bank Housing Ltd., Corporate Office, Chennai	M/s S. Murugaboopathi	M/s R. Subramanyam & Associates
5.	13/2006	L-12012/203/2005- IR(B-I) Dated 18-01-2006	Smt. S. Sarojini	The Managing Director Ind-Bank Housing Ltd., Corporate Office, Chennai	M/s S. Murugaboopathi	M/s R. Bala Subramanyam & Associates
6.	14/2006	L-12012/204/2005- IR(B-I) Dated 23-01-2006	Sri N.S. Elango	The Managing Director Ind-Bank Housing Ltd., Corporate Office, Chennai	M/s S. Murugaboopathi	M/s R. Bala Subramanyam & Associates
7.	15/2006	L-12012/205/2005- IR(B-I) Dated 23-01-2006	Sri R. Jayakumar	The Managing Director Ind-Bank Housing Ltd., Corporate Office, Chennai	M/s S. Murugaboopathi	M/s R. Bala Subramanyam & Associates
8.	21/2006	L-12012/190/2005- IR(B-I) Dated 13-02-2006	Sri K. Thaipavai	The Managing Director Ind-Bank Housing Ltd., Corporate Office, Chennai	M/s S. Murugaboopathi	M/s R. Subramanyam & Associates
9.	22/2006	L-12012/191/2005- IR(B-I) Dated 13-02-2006	Sri M.Gopal	The Managing Director Ind-Bank Housing Ltd., Corporate Office, Chennai	M/s S. Murugaboopathi	M/s R. Subramanyam & Associates
10.	23/2006	L-12012/209/2005- IR(B-I) Dated 23-01-2006	Sri C.Mannar Mannan	The Managing Director Ind-Bank Housing Ltd., Corporate Officer, Chennai	M/s S. Murugaboopathi	M/s R. Subramanyam & Associates

Appearance :

For the Petitioner

: Sri S. Murugaabapathi

For the Management

: M/s R.Subrahmanyam & Associates

AWARD

The Central Government, Ministry of Labour vide the above order of references referred the IDs mentioned above to this Tribunal for adjudication:

2. The schedule mentioned in the order of reference in the above IDs are as under:

I.D. No. 9/2006

“Whether the action of the management of Ind-Bank Housing Limited in dispensing with the services of Sri R. Murugan, Ex-Assistant is legal and justified and if not, to what relief the workman is entitled to?”

I.D. No. 10/2006

“Whether the action of the management of Ind-Bank Housing Limited in dispensing with the services of Sri R. Ganesh, Ex-Assistant is legal and justified and if not, to what relief the workman is entitled to?”

I.D. No. 11/2006

“Whether the action of the management of Ind-Bank Housing Limited in dispensing with the services of Sri A. Adavan, Ex-Assistant is legal and justified and if not, to what relief the workman is entitled to?”

I.D. No. 12/2006

“Whether the action of the management of Ind-Bank Housing Limited in dispensing with the services of Sri G. Sridhar, Ex-Assistant is legal and justified and if not, to what relief the workman is entitled to?”

I.D. No. 13/2006

“Whether the action of the management of Ind-Bank Housing Limited in dispensing with the services of Ms. S. Sarojini, Ex-Assistant is legal and justified and if not, to what relief the workman is entitled to?”

I.D. No. 14/2006

“Whether the action of the management of Ind-Bank Housing Limited in dispensing with the services of Sri W. S. Elango, Ex-Assistant is legal and justified ? if not, to what relief the workman is entitled to?”

I.D. No. 15/2006

“Whether the action of the management of Ind-Bank Housing Limited in dispensing with the services of Sri R. Jayakumar, Ex-Assistant is legal and justified ? if not, to what relief the workman is entitled to?”

I.D. No. 21/2006

“Whether the action of the management of Ind-Bank Housing Limited in dispensing with the services of Ms. K. Thaipavai, Ex-Assistant is legal and justified ? if not, to what relief the workman is entitled to?”

I.D. No. 22/2006

“Whether the action of the management of Ind-Bank Housing Limited in dispensing with the services of Sri M. Gopal, Ex-Assistant is legal and justified and if not, to what relief the workman is entitled to?”

I.D. No. 23/2006

“Whether the action of the management of Ind-Bank Housing Limited in dispensing with the services of Sri Mannar Mannan, Ex-Assistant is legal and justified ? if not, to what relief the workman is entitled to ?”

3. After the receipt of Industrial Disputes, this Tribunal has numbered it as 9/2006, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 21, 22 & 23/2006 and issued notices to both sides. Both sides entered appearance through their Advocates and filed their claim and counter statement respectively.

4. The allegation in the claim statement are briefly as follows:

The Respondent Bank is a nationalized bank. The petitioner was appointed as Assistant in the Respondent Bank for which Respondent has called for the application for the post. He was appointed as such on 21-09-1994 and he was confirmed on 21-09-1995. After serving more than 10 year, to his shock and surprise, the Respondent Bank sent a unilateral order of retrenchment to the petitioner on 23-04-2004 which is illegal and void ab initio. The reason stated in the order of retrenchment is not adequate one. Further, after the Respondent Bank retrenched their employees, the parent concern viz. the Indian Bank absorbed staff and appointed them. Hence the retrenchment is illegal and unjustified. Hence, he prays that this Tribunal to direct that the termination order passed by the Respondent Bank as null and void and consequently to reinstate him in service with all consequential benefits.

5. As against this, the Respondent in his counter statement contended that the Respondent is only a limited company floated by Indian Bank and HUDCO as promoters. Indian Bank holds 51% state in the equity and HUDCO the Co-Promoter holds 25%. The remaining 24% is held by more than 17,000 shar holders who are the general public. The main business of the Respondent was to advance housing finance based on the deposit received by it. But due to slack in housing finance business in late 1990s and spurt of various banks and housing finance institutions, fresh lending by this Respondent considerably reduced due to which servicing of high cost deposits had become difficult. In view thereof, various project loans became sticky. Added to it, the National Housing Bank which is regulatory body imposed a embargo on its acceptance of fresh deposits from the public in the year 1998. Therefore, in the absence of resources, the Respondent company could not do any fresh business and started incurring huge losses since 1998. The accumulated loss from 1998 to 2003 stood at Rs. 87.25 crores as on 31-12-2003, as against its capital and reserves of Rs. 15.87 crores. Thus the Respondent Company has come to a grinding halt and several of its branches have already been closed and the present activity is confined only to recovery of loans already given. Hence, the staff who were initially operational for the purpose of accepting deposits and advancing of housing loans became redundant and therefore the Respondent was

constrained to retrench 26 of its assistants, including the party herein after payment of due compensation as per statutory requirements. Under such circumstances, the Respondent had no other alternative except to retrench its surplus staff after complying with all the statutory requirements. The Indian Bank has nothing to do with the administration of this Respondent. The Respondent Company is managed by Board of Directors duly appointed by its shareholders as per the law. There was never a proposal to merge this Respondent with Indian Bank. Even to merge this Respondent with Indian Bank. Even the Hon'ble High Court in the Writ Appeal filed by the petitioner and other assistants has dismissed their claim. Therefore, it is false to allege that the retrenchment is illegal and unjustified. Hence, the Respondent prays that the claim may be dismissed with costs .

6. In all the 10 cases, the facts and the relief claimed by the petitioners are one and the same and both sides have made joint endorsement that the evidence taken in I.D. 9/2006 may be treated as evidence in all the cases therefore all the cases clubbed together and a joint trial was ordered and a common order is passed in I.D. 9/2006.

The points for determination are :

- (i) Whether the action of the Respondent Management in dispensing with the services of the petitioners in all the cases is legal and justified ?
- (ii) if not, to what relief the petitioners are entitled?

Point No. 1 in all the I. Ds.

7. The petitioner in I.D. 9/2006 was examined as WW1 and on the side of the petitioner, 28 documents were marked viz. the appointment order, the confirmation order and also the termination order given by the Respondent Management are marked for all the petitioners. On the side of the Respondent, 6 documents have been filed viz. the Annual Report of the Respondent Management for the years 2000-2001 to 2003-2004 were marked as Ex. M1 to M4 and the copy of the judgement in Writ Appeal No. 1134 and 1378 of 2004 passed by the Hon'ble High Court is marked as Ex. M5 and the copy of the letter sent by National Housing Bank of the Respondent Bank dated 16-01-1998 is marked as Ex. M6. On the Respondent side no witness was examined. It is admitted by both sides that the petitioner in IDs have been appointed as Assistants in the Respondent Management and they have also been confirmed in their posts after one year. It is also admitted on 23-04-2004, the Respondent Company has terminated the services of the petitioners after complying with the provisions of Section 25F of the I.D. Act. The learned counsel for the petitioners contended since the Respondent is sponsored by the Indian Bank and who introduced and created the corporate body viz. Ind-Bank Housing Limited as its subsidiary and having 51% of total share of the Indian Bank which administered the affairs of the Ind-Bank Housing Limited.

It can not be said that the Indian Bank has nothing to do with the administration of the Respondent Bank. Further, the Board of Directors of the Indian Bank has proposed and approved to take over the assets and liabilities of the Ind-Bank Housing Limited and merge the Company with Indian Bank and it is also clear from the Annual Report of the Indian Bank for the year 2000-2001. Therefore, it is clear the Indian bank has been doing the merger process of the Respondent Bank but at the same time the Respondent Bank has terminated their staff which is malafide one and the Respondent Bank cannot shirk their liabilities and they cannot wash of thier hands by sending the petitioner to their house. Since the Indian Bank has taken a decision to take over the liabilities, it is the duty of the Bank to absorb the staff in its fold and he futher argued that even though the Respondent alleged that the Respondent Management incurred a huge loss but the petitioners are no way responsible. No doubt, the Respondent has given notice of termination and also compensation as per the provisions of ID Act but in the appointment order viz. WI etc., it is not mentioned that the Respondent has got right to retrench the employees after they have completed their probation. Since the petitioners have confirmed in the post and since they have crossed more than 10 years of service, the order of termination by the Respondent is unjustified and unnatural one. It is also illegal and void ab initio. Further, from the correspondece between the HUDCO and the Director of National Housing Bank to the Director of Indian Bank, it is clear that the reason for the present position of the Respondent Bank viz. Ind-Bank Housing Ltd. is only due to its association with the Indian Bank. Further, the loss incurred by the Respondent Bank is not because of the housing loans given to the public but only because of the inter Corporate Deposits (ICDs) which are given to big promoters. This goes to show the inefficient dealing of the parent bank viz. Indian Bank and therefore for the mistakes done by the Indian Bank, they are victimized. The Respondent by shifting the burden on the Respondent Bank and the Respondent Bank in turn tried to patch up the situation by retrenching the employees in a unjustified manner. It is the further argument of the learned counsel for the petitioner that the Respondent Bank having retrenching the petitioner now appointed new employees in the parent bank viz. Indian Bank which is an unbecoming act of the banking business. Furthermore, the Indian Bank having obtained financial assistance from Government of India which includes restructuring of Ind-Bank Housing Limited, there is no justification in retrenching the petitioners who are working in the sister concern, therefore, the retrenchment made by the Respondent Bank is illegal and malafied and therefore, this Tribunal is to reinstate the petitioners with consequential benefits.

8. As against this, learned counsel for the Respondent contended though it is argued that Indian Bank is the sponsoring bank, the Respondent Bank viz.

Ind-Bank Housing Limited is an individual entity and has nothing to do with Indian Bank as alleged by the petitioners. The Respondent Bank is managed by the Board of Directors, duly appointed by its shareholders which is evident from Ex.M1 to Ex.M4 which are the Annual Reports of the Respondent Bank. Therefore, it is untenable to contend that the Indian Bank is administering the affairs of the Respondent Bank. No doubt, the learned counsel for the petitioner contended that Indian Bank issued circulars with reference to taking over of the assets and liabilities of the Respondent Bank but the Respondent Bank is not a party to Indian Bank circular. Further, it is clearly established before the Hon'ble High Court in the Writ Appeal, Indian Bank has no intention to take of assets and liabilities of the Respondent Bank and only because of that the Writ Petition filed by the petitioner was disposed of and the Writ Appeal was allowed by the Hon'ble High Court. Further, the petitioner has not taken the matter to any appellate forum, therefore, the matter is conclusive as regards to the issues pertaining to the alleged take over of assets and liabilities of the Respondent Bank by the Indian Bank. The said judgement has become final and binding on the parties and therefore the petitioner cannot re-agitate the issue with the Indian Bank has taken steps to take over the assets and liabilities of the Respondent Bank. It is further argued on the part of the Respondent, the petitioner's counsel has also relied on the alleged letter written by National Housing Bank to Indian Bank but the said letter has not been marked before this Tribunal and therefore the petitioner cannot rely on the same since it was not marked in the evidence. It is the contention of the Respondent Bank due to slack in housing finance businesss in the late 1990s and spurt of various bank and other financial institutions fresh lending by the Respondent Bank was considerably reduced and due to which servicing of high cost deposits had become difficult. In view of this, the Respondent Bank has incurred consolidated loss which is evident from the Director's Report in Ex. M1 to M4. Because of that the Respondent's net worth has got eroded and due to application of prudential norms prescribed by the National Housing Bank which is the controlling authority over the housing finance institutions, it is further eroded. Due to this financial loss and further due to National Housing Bank imposed an embargo on accepting of fresh deposits from the public from the year 1998, the copy of the which marked as Ex. M6, the Respondent Bank had to stop acceptance/renewal of deposits for want of borrowing powers, which has been discussed from Ex.M1 to Ex.M4. From Ex. M4, it is clear the accumulated loss of the Respondent Bank exceeding 50% of its net worth, it is also clear from the exhibits, Ind-Bank Housing Limited has not granted any loans and advances on the basis of security by way of pledging of shares. Because of that, the Respondent Bank was forced to commit default in repayment of dues even to the financial institutions and banks. Further, in the absence of resources, the Respondent

Bank could not do any fresh business and also in view of the mounting losses incurred from the year 1998. Because of this, the operation of the Respondent Bank came to a standstill and the accumulated loss from 1998-2003 stood at Rs. 87.25 crores as on 31-12-2003 as against the capital and resources of 15.87 crores. It is also admitted by the petitioners themselves that heavy loss has been incurred by the Respondent Company and they alleged it is only due to mismanagement of the administration but they have not established this fact with any satisfactory evidence. It is further argued by the Respondent that though the petitioner alleged new recruitments were made by the Respondent Bank after retrenching, it was not established with any satisfactory evidence that the Respondent Bank has recruited new men in place after retrenching from their service. It is admitted the retrenchment of the petitioners were effected after payment of due compensation as per the statutory requirements as evidenced from Ex. W3 etc. Therefore, since the retrenchment was made with bona fide and since the petitioners have not established before this Court the fact that the retrenchment was made with malafide intention and since compensation was made as per the statutory requirements, the retrenchment can not be questioned before this Tribunal.

9. I find much force in the contention of the Respondent. In this case, it is established from the documents produced by the Respondent viz. Ex.M1 to Ex.M4 that the Respondent Bank was running in a loss and the loss stood at Rs.87.25 crores as on 31-12-2003. Though the petitioner alleged that they are not responsible for the loss caused to the Respondent Bank, though it is further alleged that the loss was caused due to mismanagement by the administration, it is not established before this Tribunal that the retrenchment made by the Respondent Bank is with malafide intention. On the other hand, it is established before this Tribunal only due to heavy loss incurred in the business, the Respondent Bank has to retrench the employees and I find the retrenchment is bona fide and since compensation was paid to the petitioners as per the statutory requirements and the payment of compensation has not been questioned before this Tribunal, I find the retrenchment made by the respondent Bank can not be questioned before this Tribunal. As such, I find this point against the petitioners.

10. In view of my foregoing, findings, I find that the action of the Respondent Management in dispensing with the services of the petitioners is legal and justified and I find the petitioners are not entitled to any relief in these IDs.

11. Thus, the referee is answered accordingly.

(Dictated to the P.A., transcribed and typed by him, corrected and pronounced by me in the open court on this day the 20th September, 2007)

K. JAYARAMAN, Presiding Officer

Witnesses Examined :—

For the I Party/Petitioner : WW1 Sri R. Murugan
 For the II Party/Mgt. : None

Documents \Marked:—**On the Petitioners side**

Ex No.	Date	Description
I.D. No 09/2006	—	
W1	—	Appointment Order
W2	—	Termination Order
I.D.No. 10/2006	—	
W3	—	Appointment Order
W4	—	Confirmation Order
W5	—	Termination Order
I.D.No. 11/2006	—	
W6	—	Appointment Order
W7	—	Confirmation Order
W8	—	Termination Order
I.D.No. 12/2006	—	
W9	—	Appointment Order
W10	—	Confirmation Order
W11	—	Termination Order
I.D. No. 13/2006	—	
W12	—	Appointment Order
W13	—	Confirmation Order
W14	—	Termination Order
I.D.No. 14/2006	—	
W15	—	Appointment Order
W16	—	Confirmation Order
W17	—	Termination Order
I.D.No. 15/2006	—	
W18	—	Appointment Order
W19	—	Confirmation Order
W20	—	Termination Order
I.D.No. 21/2006	—	
W21	—	Appointment Order
W22	—	Confirmation Order
W23	—	Termination Order
I.D.No. 22/2006	—	
W24	—	Appointment Order
W25	—	Termination Order
I.D. No. 23/2006	—	
W26	—	Appointment Order
W27	—	Confirmation Order
W28	—	Termination Order

For the II Party/Management:-

Ex. No.	Date	Description
Ex.M1	2000-2001	Party-II/Respondent's 10th Annual Report
Ex.M2	2001-2002	Party-II/Respondent's 11th Annual Report
Ex.M3	2002-2003	Party-II/Respondent's 12th Annual Report
Ex.M4	2003-2004	Party-II/Respondent's 13th Annual Report
Ex.M5	16-04-2004	Judgement in W.A.No. 1134 & 1372 of 2004
Ex.M6	16-01-1998	National Housing Bank to Respondent

नई दिल्ली, 14 फरवरी, 2008

का. आ. 509.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भै. बी. सी. सी. एल. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं. II) धनबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 11/96) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 14-02-2008 को प्राप्त हुआ था ।

[सं. एल-20012/41/95-आई. आर. (सी-1)]

स्नेह लता जवास, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 14th February, 2008

S.O. 509.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 11/96) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court (No.-II) Dhanbad now as shown in the annexure in Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. BCCL and their workman, which was received by the Central Government on 14-02-2008.

[No. L-20012/41/95-IR(C-1)]

SNEH LATA JAWAS, Desk Officer

ANNEXURE**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSRTIAL TRIBUNAL (NO.2) AT DHANBAD.****PRESENT**

Shri Nagendra Kumar,
Presiding Officer.

In the matter of an Industrial Dispute under section 10(1)(d) of the I.D. Act., 1947

REFERENCE NO. 11 OF 1996**PARTIES:**

Employers in relation to the management of Jealgora Colliery of M/s. BCCL and their workman.

APPEARANCES:

On behalf of the workman : Mr. B. B. Pandey, Advocate.
 On behalf of the employers : Mr. D. K. Verma, Advocate.
 State : Jharkhand : Industry : Coal.

Dated, Dhanbad, the 5th February, 2008

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour and Employment in exercise of the powers conferred on them under section 10(1)(d) of the I.D. Act., 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No.L-20012/41/95-IR(Coal-1), dated, the 16th February, 1966.

SCHEDULE

“Whether the action of the management in dismissing Shri Naimuddin Ahmed, Electrician working as Weigh Bridge Clerk at Jealgora Colliery is justified ? If not, to what relief the concerned workman is entitled ?”

2. In this case both the parties appeared through their authorised representative and filed their respective Written Statement, documents etc. The case thereafter proceeded along its course. Subsequently at the stage of hearing the representative of the workman by filling a petition has submitted to pass a ‘No dispute’ Award in this case as the concerned workman involved in the dispute is not interested to proceed with further hearing of this case. No. objection has been raised on behalf of the management in view of such prayer made by the concerned workman.

3. I have perused the petition and heard submissions from both sides.

Since the concerned workman involved in this reference has expressed his reluctance to proceed with the hearing of this case, I find no reason to drag on the same for days together. Under such circumstances, a ‘No dispute’ Award is passed in this reference presuming non-existence of any industrial dispute between the parties.

NAGENDRA KUMAR, Presiding Officer
 नई दिल्ली, 14 फरवरी, 2008

का. आ. 510.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्विष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय नं.-2 चंडीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 1081/2005) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 14-02-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/125/2002-आई. आर. (बी-II)]

राजिन्द्र कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 14th February, 2008

S.O. 510.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby published the award (Ref. No. 1081/2005) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No.2, Chandigarh as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of Bank of Baroda, and their workman, received by the Central Government on 14-02-2008.

[No. L-12012/125/2002-IR(B-II)]

RAJINDER KUMAR, Desk Officer

ANNEXURE

**CENTRAL GOVERNMENT INDUSRTIAL
 TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-II SECTOR
 18-A, CHANDIGARH**

SHRI KULDIP SINGH, Presiding Officer:

CASE I. D. NO: 1081/2005

Registered on: 21-9-2005

Date of Decision: 4-12-2007

Shri Hardial Singh C/o Shri Tek
 Chand Sharma, 25, Sant
 Nagar, Civil Lines,
 Ludhiana.

PETITIONER**Versus**

Regional Manager,
 Bank of Baroda,
 Bank Square,
 Sector 17-B,
 Chandigarh.

APPEARANCE

For the Workman : Messrs. Devinder Singh and
 HBS Bakshi, Advocate

For the Management : Mr. B.B. Bagga, Advocate.

AWARD

Counsel for the parties present

It is stated by the workman that he withdraws all his claims if he is paid superannuation benefits in terms of the order impugned in this reference since he has been retired from service. The Management through their counsel has accepted the offer and stated that all the superannuation benefits in terms of the order impugned will be paid to the workman immediately after this reference is disposed off. The statement of the workman has also been recorded and he has reiterated the submission made by him orally. In view of this there remains no dispute between the parties which can be adjudicated upon by this Tribunal.

The Government of India, Ministry of Labour vide their No. L-12012/125/2002-IR (B-II) dated 7th of Nov, 2002 has desired of this Tribunal to adjudicate upon the dispute Whether the action of the Management of Bank of

Baroda in removing the services of Shri Hardial Singh S/o Sh. Boota Singh Ex-Accountant-cum-Cash Clerk w.e.f. 16-8-2001 is just and legal? If not, what relief the concerned workman is entitled to and from which date?" Since the workman has withdrawn all his claim against the order of the Management impugned in this reference, there remains no dispute between the parties which can be adjudicated upon. In the circumstances the reference is answered in the terms that the workman has failed to show that the order of removal of the workman from the Service of the Management was illegal and unjust. He is, therefore, entitled to only benefits allowed by the order impugned and nothing more nothing less. The reference is answered accordingly.

Let a copy of this award be sent to the appropriate Government for necessary action and the file be consigned to records after due completion.

Chandigarh. KULDIP SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 2008

का.आ. 511.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार न्यू इंडिया एश्योरेस कं. लि. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/प्रम न्यायालय, अनांकूलम के पंचाट (संदर्भ संख्या 59/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-02-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-17011/13//2000-आई आर(बी-II)]

राजिन्द्र कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 15th February, 2008

S.O. 511.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No.59/2006) of the Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ernakulam as shown in the Annexure in the Central Government Industrial Dispute between the management of, their workmen, received by the Central Government on 15-2-2008.

[No. L-17011/13/2000-IR (B-II)]

RAJINDER KUMAR, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, ERNAKULAM
PRESENT : Shri P.L. Norbert, B.A., LL.B., Presiding Officer
(Thursday the 25th day of October 2007/3rd Karthika 1929)

I. D. 59 of 2006

(I. D. 27/2000 of Labour Court, Ernakulam)

Union : The General Secretary,
Kerala State GIC Insurance Employees
Union, P.B.No.1810, M.G.Road,
Kochi-16.

Management: By Adv. Sri. A. Jayasankar.
The Regional Manager,
New India Assurance Co. Ltd.,
Kandamkulathy Towers,
M.G.Road, Kochi.
By Adv. Sri Sankara Narayanan.

This case coming up for final hearing on 25-10-2007, this Tribunal-cum-Labour Court on the same day passed the following.

AWARD

This is a reference made under section 10 (1) (d) of Industrial Disputes Act 1947. The dispute is whether the worker is eligible for cash handling allowance while working as Assistant Motor T.P. Claims Department.

This case was originally pending before State Labour Court and was transferred to this court as per the order of Hon'ble High Court. After transfer of the case, notices were issued to both sides and they entered appearance. But when the case was posted for evidence the counsel for the union submitted that he had no instructions from the union. None of the union office bearers were also present. The management was present and ready. In the circumstances it has to be presumed that there is no existing dispute.

In the result, an award is passed finding that the action of the management in denying cash handling allowance to Shri. M. Chandrasekharan, Assistant, Motor T. P. Claims Department, New India Assurance Company, regional Office, Cochin is legal and justified and he is not entitled for any relief. No cost.

Typed, corrected and passed by me on this the 25th day of October, 2007.

Appendix : Nil. P. L. NORBERT, Presiding Officer

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 2008

का.आ. 512.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार लोर्ड कृष्णा बैंक लि. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, इनांकूलम के पंचाट (संदर्भ संख्या 276/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-02-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/132/1995-आई आर (बी-I)]

अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 15th February, 2008

S.O. 512.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No.276/2006) of Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ernakulam as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of, Lord Krishna Bank Ltd., and their workmen, received by the Central Government on 15-2-2008.

[No. L-12012/132/1995-IR (B-I)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, ERNAKULAM

Present: Shri. P.L. Norbert, B. A., L. L. B., Presiding Officer.

(Thursday the 18th day of October 2007/26th Aswin 1929)

I. D. 276 of 2006

(I.D.9/96 of Labour Court, Ernakulam)

Workman: A Geetha,
Thekkumthala House
S. R. M. Road, Kochi-682018
By Adv. Sri. M. R. Sudheendran

Management: The Chairman,

M/s. Lord Krishna Bank Limited
Regd. & Administrative Office,
Express House,
Kaloor, Kochi-682017

By Adv. Sri. P. F. Thomas.

This case coming up for final hearing on 12-06-2007, this Tribunal-cum-Labour Court on 18-10-2007 passed the following.

AWARD

This is a reference made under Section 10 (1) (d) of Industrial Disputes Act, 1947. The reference is:—

"Whether the action of the management of M/s. Lord Krishna Bank Limited, Ernakulam in terminating the service of Miss. A. Geetha, temporary Clerk, M.G.Road, Branch Ernakulam w.e.f. 26-10-1994 is justified or not? If not justified, to what relief Miss. A. Geetha is entitled?"

2. Facts in a nutshell are as follows:— The worker, Smt. A. Geetha was appointed as Clerk in Lord Krishna Bank on temporary basis for 12 weeks and she joined duty on 1-9-1993. On expiry of the period she was relieved from service on 23-11-1993. After 7 days again she was appointed as Clerk on temporary basis for another 12 weeks and she joined duty on 1-12-1993. On expiry of the said period after a day's break a 3rd time she was appointed as Clerk on temporary basis for 10 weeks and she joined duty on 24-02-1994. On expiry of the period on 4-5-1994 her service was terminated on notice. According to the worker thereafter she was orally directed to work and she joined duty on 10-5-1994 and worked till 25-10-1994. Thus she had worked more than 12 months prior to 23-10-1994. Her service was terminated w.e.f. 26-10-1994. No notice of termination was given. She was working against a permanent vacancy. Persons junior to her were retained and even now they are working. The termination is illegal and the worker is entitled to be reinstated with consequential benefits.

3. According to the management it was purely on temporary basis that she was appointed as clerk. The appointments were under three spells. The 2nd and 3rd

appointments were necessitated due to delay in completing regular recruitment process. Appointment being purely temporary for specific periods, on the expiry of those periods she was relieved from her duty and the service of the worker came to an end on 4-5-1994. Thereafter she was not worked. Altogether she worked for 238 days only. On 20-1-1994 the Bank had advertised in news papers regarding recruitment of Probationary Officers, Clerks etc. The worker too had submitted application and appeared for the test. The written test was conducted through IBPS, Bombay (independent agency approved by Reserve Bank). The worker failed in the test. A few other temporary employees passed the test as well as interview and they were absorbed. The worker for her failure in test is trying to put the blame on Bank. There is no illegality in terminating the service of the worker. She is not entitled for any relief.

4. The points for consideration are:—

(1) Has the claimant worked continuously for 240 days or more?

(2) Whether her termination is legal?

(3) To what reliefs she is entitled?

The evidence consists of the oral testimony of WW1 & WW2 and documentary evidence of Exts. W-1 to W-17 on the side of worker and MW1 and Exts. M1 to M1(b) on the side of Management.

5. Point No.1:— It is an admitted fact that Smt. A. Geetha was appointed as clerk on temporary basis initially for a period of 12 weeks and she has joined duty on 1-9-1993. It is also admitted that she had worked under two more spells on temporary basis until 4-5-1994. The period of service from 1-9-1993 to 4-5-1994 is 238 days admittedly. But according to the worker, she continued to work even thereafter on oral direction from 10-5-1994 to 25-10-1994. But she was not allowed to work thereafter. Thus she had worked 407 days. This claim of oral arrangement is denied and disputed by the management. They affirm that she had worked only upto 4-5-1994 for 238 days.

6. Ext. W1 is copy of application submitted by worker on 22-12-1992. Ext. W3 is the appointment order dated 26-8-1993. Ext. W5 is the relieving order dated 27-11-1993. Ext. W6 is the 2nd appointment order and Ext. W8 is the relieving order. Ext. W-10 is 3rd appointment order and W-11 is the relieving order. The appointment orders will show that the worker was engaged on temporary basis for specific periods until 4-5-1994.

7. In order to prove the case of the worker that she had worked till 25-10-1994 she has relied on Exts. 12, W-13 and W-16. Ext. W-12 is a letter of appreciation issued to the worker by the Assistant General Manager of Planning and Development Department on 4-5-1994 appreciating deposit mobilization efforts of the worker and wishing her to continue the good work. According to the learned counsel for the worker this was issued on the day of the alleged

termination of service of the worker. According to him, had the management intended to terminate the service there was no place for Exts. W-12. It is also submitted that the date of Ext. W-12 is corrected from 14th May, 1994 to 4th May 1994. But MW1, Deputy General Manager denied the suggestion of correction or tampering of the date. Ext. W-12 is the original letter sent to the worker and produced by the worker. At any rate a letter of appreciation sent by Managing & Development Department cannot be taken as an admission of continued service of the worker in the Bank. The appointment and service matters are dealt with by Personnel Department. Ext. W-3, W-6, W-10 appointment orders and Exts. W-5, W-8 and W-11 relieving orders were issued by Personnel Department. Therefore the Planning & Development Department in consideration of the past service would have issued a letter of appreciation without being aware of termination of service on 4-5-1994. Therefore Ext. W-12 cannot be taken as an admission or recognition of the continued service of the worker.

8. Exts. W-13 is a pay in slip dated 28-7-1994 of Lord Krishna Bank whereby the worker paid professional tax of Rs. 15 for the year 1993-1994 (April to September). Along with Ext. W-13, a notice of demand of Corporation of Cochin dated 15-7-1994 is also produced. Naturally the demand is for the period either current or previous, but not future. The worker was in service till 4-5-1994 admittedly. So she was liable to pay professional tax for the first half of 1993-94 (April to September). That again will not show that the worker continued in service till 25-10-1994.

9. The next document relied on by the worker is Ext. W-16. It is a copy of cheque dated 17-9-1994 for Rs. 897.50 issued to the worker by the Bank. Admittedly it is bonus amount. Since the claimant was working from 1-9-1993 to 4-5-1994 admittedly she was entitled for bonus for the year 1993-94. That also cannot come to the help of the worker to show that she continued her service after 4-5-1994.

10. The next contention of the worker is that three documents were called for from management. They have not produced the documents. Had they produced the documents they would have revealed the handwriting of the worker in the records of the bank after 4-5-1994. The documents concerned were cheque book, Issue Register, Balance Sheet and Day Book (computer print out). Ext. M1 is the file produced by management which contains certain documents. One of the documents is Balance Sheet. But the learned counsel for the worker has not pointed out anything out of it to substantiate the worker's contention.

11. The Cheque Book Issue Register is not produced. So also Day Book (Computer print out). The purpose of those documents is that the worker had made entries in these records. If she was working it is possible that Cheque Book Issue Register may contain her handwriting. But the Day Book (Computer print out) cannot the handwriting of the worker. No answer is seen given for non production of

Cheque Book Issue Register. But that alone cannot lead to the inference that the claimant was working upto 25-10-1994. The burden is on the worker to prove continuous service. There are a host of circumstances going against the contention of the worker.

12. The worker (WW-1) has admitted in the box as well as in pleadings that she was appointed 3 times for specific periods by written appointments orders and those orders are already referred supra. She had marked her attendance in the Attendant Register during those periods. Photostat copies of Attendant Registers of the relevant period are contained in Ext. M1. After 4-5-1994 she has not signed the Attendant Register. She does not remember the name of the officer, who had given oral direction to continue in service. It is not believable that such an oral arrangement is possible in a Banking Institution. If she had worked after 4-5-1994 she would have also received remuneration. The payment till 4-5-1994 is recorded in Acquaintance Roll. The Acquaintance Roll of the relevant period is contained in Ext. M-1. They show that Smt. Geetha had received salary for the period from 1-9-1993 to 4-5-1994 after subscribing her signature in the Acquaintance Roll. But thereafter she has not received any remuneration from the Bank. She has no case that arrears of salary is due from the Bank for the period prior to 26-10-1994. These strong circumstances belie the case of the worker regarding continued service after 4-5-1994.

13. The management on the other hand has a case that after 4-5-1994, Smt. Geetha got employment in M/s. Pankajakshan & Associates, a firm of Chartered Accountants and Tax Consultants. Ext. M-1 contains a copy of application purported to have been submitted by Smt. Geetha to M/s. Pankajakshan & Associates on 5-5-1994. The application is signed by Smt. Geetha. Besides some receipts of the period May 9th to October 1994 are also produced by management and are contained in Ext. M1 file. When attention of WW1(worker) was drawn to the receipts, though she admitted her signature, denied the receipts in favour of M/s. Pankajakshan & Associates. WW2 is Shri. Pankajakshan, Chartered Accountant. He denies that Smt. Geetha has ever worked in his firm or obtained receipts from Smt. Geetha. But he admitted that Smt. Geetha is her niece and he was the Auditor of management bank during 1990-1992 and thereafter Tax Consultant. According to MW1 Sy. General Manager the receipts of the firm of Chartered Accountants came to their possessions as the firm used to submit along with their bills, receipts of remuneration paid to person engaged by the firm to assist Chartered Accountants. However this is denied by WW2 Shri. Pankajakshan. But even disregarding the receipts in controversy, the worker has not been able to discharge her burden of proving continuous service for a period of 240 days prior to her termination. There is no reliable evidence to bring home the contention of the worker that on oral

direction she had worked for 169 days besides 238 days admitted by management.

14. The management has a case that the present dispute is an offshoot of the desperation of the worker due to the failure in the written test conducted by Lord Krishna Bank. Worker admitted that she had applied for the post of clerk in pursuance to the advertisement and appear for the test, but failed. Ext.M1 (a) is copy of news paper advertisement for the recruitment of Probation Officers, Clerks etc. Ext.M1(b) is copy of the application of Smt.Geetha. According to the management test was conducted through IBPS, Bombay, an independent agency approved by Reserve Bank and answer papers were valued by same agency. The worker was one of the 6000 applicants who had appeared for the test at Sacred Heart College, Thevara. Having failed in the test she is trying to put the blame on Bank. It may be a possible dispute that the worker can raise in a court of law. But it has nothing to do with the actual continuous service that the worker is canvassing for. The evidence reveals that the claimant had worked only 238 days prior to 4-5-1994 and thereafter she has not worked in the Bank. Point is answered accordingly.

15. Point No.2:— Admittedly Smt. Geetha was a temporary employee. She was appointed for definite periods and her service was terminated at the end of every period of appointment. She worked only till 4-5-1994 for 238 days. Since she has not put in continuous service of 240 days prior to her termination as per S.25-B(2)(a)(ii), she has no right for the benefits under S.25F of I.D.Act either for one month's notice under Sub-clause (a) or for compensation under sub clause (b) of the said Section. It is not a retrenchment as per Section 2(oo)(bb) of the Act. Yet another contention of the worker is that juniors to her are retained by the bank and they are still working. This contention remains in the realm of mere and bare allegation. Therefore there is no violation of S.25-G either. Hence I find that the claimant was working only on temporary basis for specific periods and she has not acquired any right what-so-ever for continued service or benefits of I.D.Act. There is no illegality or violation of any of the provisions of I.D.Act.

16. Point No.3:— In view of the above findings it follows that the worker is not entitled for any relief.

In the result, an award is passed finding that the action of the management of M/s.Lord Krishna Bank Limited, Ernakulam in terminating the service of Miss.A.Geetha, temporary Clerk is legal and justified and she is not entitled for any relief. No cost.

Typed, corrected and passed by me on this the 18th day of October, 2007.

P. L. NORBERT Presiding Officer

Appendix

Witnesses for the workman

WW1 — 09-06-1999 Smt. Geetha
WW2 — 16-09-2002 Sri.Pankajakshan

Witnesses for the Management

MWI — 14-10-2000 Sri.Jose

Exhibits for the workman

WI — 22-12-1992 Photostat copy of application submitted by the workman.

W2 — 13-8-93 Letter issued by the Chief Manager of the management to the workman.

W3 — 26-8-93 Appointment Order issued by the Management to the workman.

W4 series (3nos.) Pay Slips issued to the workman.

W5 — 12-11-93 Relieving order issued by the Management to the workman.

W6 — 27-11-93 Appointment Order issued by the Management to the workman.

W7 — 10-1-94 Transfer Order issued by the Management to the workman.

W8 — 12-2-94 Relieving Order issued by the Management to the workman.

W9 — 24-2-94 Photostat copy of appointment order issued to the workman.

W-10 — 24-2-94 Appointment Order issued to the workman.

W-11 — 16-4-94 Copy of notice issued to the Workman

W-12 — 4-5-94 Letter issued by the Planning and Development Department of the Management to the workman.

W-13 — 28-7-94 Receipt for the professional tax paid by the workman to the Corporation of Cochin.

W-14 — 16-8-94 Photostat copy of representation submitted by 5 workers to the management.

W-15 — 18-10-94 Photostat copy of letter sent by the workman to the General Secretary of the Union.

W-16 — 17-9-94 Photostat copy of Manager's cheque issued to the workman.

W-17 — 25-10-94 Copy of representation submitted by the workman to the Management.

Exhibits for the management

M1 — File produced by Management.

M1 (a) — Photostat copy of advertisement published in the newspaper.

M1 (b) — 22-1-94 Photostat copy of application submitted by the workman.

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 2008

का.आ. 513.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सारस्वत को. ओपरेटिव बैंक लि. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, मुम्बई-2 के पंचाट (संदर्भ संख्या 113/2001) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-02-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12011/48//2001-आई आर(बी-1)]
अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 15th February, 2008

S.O. 513.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 113/2001) of Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court-II, Mumbai as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of Saraswat Co-operative Bank Ltd., and their workmen, received by the Central Government on 15-2-2008.

[No. L-12011/48/2001-IR (B-I)]
AJAY KUMAR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER INDUSTRIAL TRIBUNAL, NO.2, MUMBAI

PRESENT

A. A. LAD

PRESIDING OFFICER

REFERENCE NO. CGIT-2/113 OF 2001

EMPLOYERS IN RELATION TO THE MANAGEMENT OF SARASWAT CO-OPERATIVE BANK LTD.

The Managing Director,
Saraswat Co-op. Bank Ltd.,
Mittal Court, 'A' Wing
Nariman Point, Mumbai 400021

1st Party

AND

THEIR WORKMAN
The President,
Saraswat Co-operative Bank Employees Union,

Laxman Zulla, 2nd floor,
50 Ranade Road, Dadar,
Mumbai-400028.

2nd Party

APPEARANCE:

FOR THE EMPLOYER: S/Shri K.M. Naik, J.L.
Samant, & N.H. Samant,
Advocates.

FOR THE WORKMEN: Shri Nitin S. Paranjape,
Advocate.

Date of reserving Award: 30-10-2007.

Date of Passing of Award: 11-12-2007.

AWARD

The matrix of the facts as culled out from the proceedings are as under:

2. The Government of India, Ministry of Labour by its Order No.L-12011/48/2001/IR (B-I) dated 8th October, 2001 in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section 2 (A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 have referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

“Whether the action of the management of M/s. Saraswat Co-operative Bank Ltd., Mumbai, in depriving the work of clearing, encoding of cheques and cash van by giving to outside agencies thereby denying special allowances to the concerned workman is justified? If not, what relief the workmen are entitled?”

2. To support the subject matter referred in the reference, Second Party filed the Statement of Claim at Exhibit 11 which is disputed by the 1st Party by filing Written Statement at Exhibit 12, Issues were framed at Exhibit 19 and the Reference is fixed for recording evidence of Workman. However, nobody remained present from 29-11-2005. Then 1st party remained present on some dates. 2nd party remained absent from 27-7-2007. Though notice was given vide Exhibits 21 and 22, 2nd party did not appear in the reference. So, I proceed to pass the following order:

ORDER

In view of the absence of the 2nd party union, reference is disposed off for want of prosecution.

Mumbai

A. A. LAD, Presiding Officer

Dated: 11-12-2007

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 2008

का.आ. 514.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, चंडीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 712/2005) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-02-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/203/1993-आई आर(बी-1)]

अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 15th February, 2008

S.O. 514.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 712/2005) of Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court-II, Chandigarh, as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of State Bank of India,

and their workmen, received by the Central Government on 15-2-2008.

[No. L-12012/203/1993-IR (B-I)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT II, SECTOR 18-A, CHANDIGARH

Presiding Officer SHRI KULDIP SINGH

CASE I.D. No : 712/2005

Registered on : 25-8-2005

Date of Decision : 31-1-2008

General Secretary, State Bank of India staff Congress, 3135, Sector 22-D, Chandigarh. . .Petitioner

Versus

General Manager (O), state Bank of India, Local Head Office, Sector 17, Chandigarh . . .Respondent

APPEARANCE

For the Workman : Mr. Raj Kaushik, Advocate

For the Management : Mr. S.K.Gupta, Advocate.

AWARD

The Ministry of Labour, Government of India vide their order No.L-12012/203/93-IR (B-I) dated 3rd of January, 1994 referred the following dispute for the adjudication of this Tribunal:

“Whether the Management of State Bank of India, Chandigarh is justified in not promoting Shri Joginder Singh Chang, Messenger, to the clerical cadre even though he qualified in the written test? If not, to what relief the workman is entitled to?”

On a notice from this Tribunal the parties appeared and filed their respective pleadings in the shape of statement of Claim, rejoinder, written statement. They supported their claims with the affidavits of workman and witness of the Management besides with the photo copies of certain document. The workman further supported his claim with his own statement whereas the Management examined Shri V.K. Walia as their witness.

Stated in brief the claim of the workman is that he was employed as part time field messenger in the Nandpur Kotla branch of the Management. Since he was not paid the wages, therefore, he raised the claim under section 33(c)(2) of the Industrial Dispute Act, 1947. The matter ended in a compromise and he was offered permanent appointment w.e.f. June, 1986. Although the workman was matriculate at the time of joining the service, he was not taken in clerical cadre like similarly placed Field Messengers. His representation was also not accepted and he was asked to appear in the promotional test held on 12th of July, 1992. He passed the said test as he figured at S.No.7 of the list. He also appeared in the interview held on 27th of July, 1992

in which he was put questions about the industrial dispute raised by him and the representation made. But no question about his working was put. He was among the seven persons not promoted. His further claim is that as per the instructions of Central Office of the Bank, the interview was a mere formality and in none of the previous promotional tests a candidate having passed the written test was dropped except the person against whom disciplinary proceedings were pending. The workman was dropped with malafide intentions since he had represented against the wrong doing of the Management and for raising the Industrial dispute. He has prayed for declaring the action of Management in not promoting the workman as unfair labour practice and a direction the Management be issued to promote the workman with retrospective.

The Management has opposed the claim of the workman. They have admitted that the workman was employed as part-time field messenger; and that the workman was matriculate at the time he joined the service with the Management; that the workman had qualified the written test for promotion from subordinate to clerical cadre and his name appeared at S. No.7 of the list of the candidates who had qualified the written test; and that the workman had appeared in the interview held on 27-7-1992. They however, denied other contents of the statement of the claim except those contents which were a matter of record. According to them after the interview the Management had selected 25 candidates out of the total who appeared in the interview and they were appointed on 1st of August, 1992. They further denied that the holding of the interview was a mere formality. It is also their submission that the workman was not at 7th position in the merit after the written test, rather his that position was accordingly to the Roll No. and the said list was prepared according to the Roll Nos.

After perusing the pleadings of the parties and their evidence I am of the opinion that the parties are not in variance on facts to a large extent. If you look at the list of candidates exhibit W3 produced by the workman one can easily make out that the said list was prepared as per the Roll Nos. allotted to the candidates. There is therefore, no merit in the claim of the workman that he stood at 7th position in the written test. How could it be that the candidates having higher Roll Numbers got less marks than the workman and those who had earlier Roll Nos. got more marks. The Management has placed on record list of Subordinate staff who had qualified the written test, held on 12th of July, 1992, for clerical cadre promotion. The list contains the result of 225 candidates and in the list the workman admittedly stands at 25th position having secured 61 marks. According to this list Roll No.208 Jagdish Chand Thakur got highest marks 73.5 whereas in the final selection he was placed at 21st position, in the combined merit list i.e. in the promotion list. Anil Kumar Roll No.2 who had secured only 62.5 marks topped the promotion list. They

have also placed on record Annexure 'A' which contains the criteria for promotion to the clerical cadre. It reads "Weightage for written test/interview. Written test and interview will be for 80 and 20 marks respectively (in the ratio: 4:1). Merit list will be prepared on the basis of combined performance in written test and interview" Thus it is clear that the workman had not secured 25th position in the final selection list after the interview. He had that position only in written test. The workman has failed to show that he had secured 25th position in the final selection list. He has further failed to show that the interview was a mere formality. The record places on the file shows otherwise. It reads that the weightage was to be given for performance both in the written test and interview.

After going through the statements of the workman and the witness of the Management and the documents placed on record I am of the opinion that the Management was justified in not promoting Shri Joginder Singh Chang, messenger to the clerical cadre even though he had qualified in the written test as he could not come in the criteria after the interview. He is, therefore, entitled to no relief. The reference is answered against him and the award is passed. Let a copy of the award be sent to the appropriate Government for necessary action and the file be consigned to records after due completion.

KULDIP SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 2008

का.आ. 515.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सी.पी.डब्ल्यू.डी. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली न. 2 के पंचाट (संदर्भ संख्या 172/2004) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-02-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/228/2003-आई आर(सीएम-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 15th February, 2008

S.O. 515.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 172/2004) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court-No. 2, New Delhi, as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of Central Public Works Department and their workmen, received by the Central Government on 15-2-2008.

[No. L-42012/228/2003-IR(CM-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-II, NEW DELHI

PRESIDING OFFICER: R.N. RAI I.D.NO.172/2004

IN THE MATTER OF:

Sh. Ganesh Kumar,

Lift Operator,

C/o. All India CPWD (MRM) Karamchari Sangathan (Regd),

4823, Balbir Nagar Extention,

Gali No.13, Shahdara,

Delhi-110032

Claimant

VERSUS

The Executive Engineer,

Elect. Division-11,

CPWD, IARI Pusa,

New Delhi.

Respondents

AWARD

The Ministry of Labour by its letter No. L-42012/228/2003-IR (CM-II) Central Government Dt. 3-11-2004 has referred the following point for adjudication :

The point runs as hereunder :—

"Whether the contract between the management of CPWD and their contractor is sham and whether the demand of All India CPWD (MRM) Karamchari Sangathan for absorption/regularization of the services of Shri Ganesh Kumar, S/o. Sh. Mohan Lal is legal and justified? If yes, to what relief is the workman entitled and from which date."

It transpires from perusal of the order sheet that the workman was directed to file rejoinder and affidavit on 12-2-2007. 4 dates have been given to the workman for filing rejoinder and affidavit. Lat opportunity was given on 21-1-2008 but rejoinder and affidavit has not been filed by the workman. The opportunity for filing the same was closed on 7-2-2008.

In brief the case of the workman is that he was employed by the management and he worked under the control and supervision of the management. The contract was sham.

The management in his written statement has stated that the workman was an employee of the contractor. There is no employer-employee relationship between the management and the workman. The workman has failed to file rejoinder and affidavit in support of his case. The claim statement is not proved.

The reference is replied thus:—

The contract between the management of CPWD and their contractor is not sham. The demand of All India CPWD (MRM) Karamchari Sangathan for absorption/regularization of the services of Shri Ganesh Kumar, S/o. Sh. Mohan Lal is neither legal nor justified. The workman applicant is not entitled to get any relief as prayed for.

The award is given accordingly.

Date: 13-2-2008

R.N.RAI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 2008

का.आ. 516.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सी.पी.डब्ल्यू.डी. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नई दिल्ली नं. 2, के पंचाट (संदर्भ संख्या 10/2004) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-2-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/33/2003-आई आर (सीएम-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 15th Februry, 2008

S.O. 516.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No.10/2004 of the Central Govt. Indus. Tribunal-cum-Labour Court No. 2, Delhi as shown in the Annexure, in Industrial Dispute between the management of Central Public Works Department, and their workmen, received by the Central Government on 15-2-2008.

[No. L-42012/33/2003-IR (CM-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer
ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER: CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-II, NEW DELHI

**PRESIDING OFFICER: R.N. RAI I.D.No. 10/2004
IN THE MATTER OF:**

Sh. Naresh,
Operator,
S/o. Shiv Sharai C/o. All India CPWD (MRM)
Karamchari Sangathan (Regd.),
4823, Balbir Nagar Extension,
Gali No. 13, Shahdara
Delhi- 110032. —Claimant

VERSUS

1. Director General of Works,
CPWD, Nirman Bhawan,
New Delhi.
2. The Executive Engineer,
Elect. Division-II,
CPWD, IARI Pusa,
New Delhi. —Respondents

AWARD

The Ministry of Labour by its letter No. L- 42012/33/2003 IR (CM- II) Central Government dt.03-12-2004 has referred the following point for adjudication:

The point runs as hereunder :—

"Whether the demand of the All India CPWD (MRM) Karamchari Sangathan for reinstatement/regularization of Shri Naresh, Pump Operator in the establishment of CPWD is legal and justified ? If yes, to what relief the workman is entitled and from which date."

It transpires from perusal of the order sheet that the workman was directed to file rejoinder and affidavit on 23-01-2008. Dates have been given to the workman for filing rejoinder and affidavit. Let opportunity was given on 07-02-2008 but rejoinder and affidavit has not been filed by the workman. The opportunity for filing the same was closed on 07-02-2008.

In brief the case of the workman is that he was employed by the management and he worked under the control and supervision of management. The contract was sham. The management in his written statement has stated that the workman was an employee of the contractor. There is no employer-employee relationship between the management and the workman. The workman has failed to file rejoinder and affidavit in support of his case. The claim statement is not proved.

The reference is replied thus:—

The demand of the All India CPWD (MRM) Karamchari Sangathan for reinstatement/regularization of Shri Naresh, Pump Operator in the establishment of CPWD is neither legal nor justified. The workman applicant is not entitled to get any relief as prayed for.

The award is given accordingly.

Date : 13-02-2008 R. N. RAI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 2008

का.आ. 517.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. बी.सी. सी.एल. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/ (सं. II) धनवाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 105/2001) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-02-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-20012/510/2000-आई आर (सी-1)]

स्नेह लता जवास, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th Februry, 2008

S.O. 517.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No.105/2001) of the Central Government Industrial Tribunal/ Labour Court (No. II) Dhanbad now as shown in the Annexure in Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s B C C L and their

workman, which was received by the Central Government on 19-02-2008.

[No. L-20012/510/2000 -IR (C-1)]

SNEH LATA JAWAS, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT

**Shri Nagendra Kumar,
Presiding Officer.**

**In the matter of an Industrial Dispute under Section 10(1)
(d) of the I.D. Act, 1947.**

REFERENCE NO. 105 of 2001

PARTIES: Employers in relation to the management of M/s. BCCL and the their workman.

APPEARANCES:

On behalf of the workman : None

On behalf of the employers : Mr. R. N. Ganguly,
Advocate.

State : Jharkhand **Industry : Coal**

Dated, Dhanbad, the 11th Feb., 2008

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D.Act., 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No.L-20012/510/2000 (C-1), dated, the 29th March, 2001.

"Whether the action of the management of M/s. BCCL, in changing the date of birth mentioned in the statutory Form 'B' register in respect of Sri Sheo Pyare Yadav, Dumper Operator Bastacolla Area, is justified, legal and proper? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. The case of the concerned workman Sri Seho Pyare Yadav is that he was appointed on 8-11-71 in Ghanoodih Colliery under Bastacolla Area of M/s. B.C.C.L. On his initial appointment on 8-11-71 the date of birth was recorded as 21-1-51 in original statutory Form B Register. This date of birth cannot be changed in view of the provisions of Section 48 of the Mines, Act 1952. But when he was issued with service excerpts in 1987 he found his three date of birth including his actual date of birth as 21-1-51 written therein. His one of the date of birth written as "P. F. 3-4-50" in right side against his actual date of birth 21.1.51 mentioned in his Service Excerpts and another date of birth/age was written in left side as "46 years as per M/B as on 24. 8. 88 against actual date of birth as 21-1-51. He was never examined by any Medical Board for getting his age assessment/date of birth. The concerned workman requested the management to treat his actual date of birth as 21-1-51 as his correct date of birth. Even a Writ

application bearing No. CWJC 2755/1998 (R) was filed in the Hon'ble Patna High Court, Ranchi Bench. The Hon'ble Court did not exercise its jurisdiction to decide the question of facts and directed the concerned workman to raise an industrial dispute or to move the Civil Court of competent jurisdiction for correction of his date of birth in the records of the management. Accordingly an industrial dispute was raised which was ultimately referred to this Tribunal. He has never been communicated as to how his two date of birth having no basis have been mentioned in his Service Excerpt which is illegal, improper and unjustified being violative of the provision of Section 48 of the Mines, Act 1952. Prayer has been made to pass award that the actual date of birth of the concerned workman is 21-1-51 as incorporated by the management in original Statutory Form B Register in continuation on the initial date of his appointment on 8-11-71 is unalterable and other two dates of birth as mentioned in the Service Excerpts have no basis and are to be deleted from the record of the management.

3. The management in their Written Statement has disclosed that the concerned workman had raised the question of date of birth before the Ranchi Bench, Hon'ble Patna High Court where he failed to get any relief. The date of birth of the concerned workman was recorded as 21-1-51 in Form B Register and as 3-4-50 in C.M.P.F.records. Both the records are statutory in nature. There was variation in the records of the Company relating to the date of birth of the concerned workman and accordingly as per policy of the Coal Industry as framed by Joint Bipartite Committee of coal Industry under their Implementation Instruction No. 76 dated 25-4-88 under sub-clause C of Clause B of the same where there was variation of date of birth in the record of the company such person is required to be referred to the age determination committee/ Medical Board. Accordingly the concerned workman was referred to Special Apex Medical Board which assessed his age as 46 years on 24-8-88 and accordingly his date of birth was corrected in Form B Register and other records of the company. In the rejoinder portion mainly it has been stated that the statement made in para -3 is mis representation of facts, para-4 of page-2 and para-4 of page-3 have been denied. Similarly the statement made in para-8 to 10 have been denied. It has been stated that the action of the management as mentioned in the instant reference is justified, proper and legal and consequently the concerned workman is not entitled to get any relief.

4, A reply to the W.S.-com-rejoinder on behalf of the management has been filed by the concerned workman in which again it has been clarified as to how the date of birth cannot be changed as record in the Statutory Form B Register and the concerned workman has never been examined by any Medical Board. Further, the action of the management in altering the date of birth is unjustified , illegal and improper and the actual date of birth should be corrected in all the records by inserting 21-1-51.

5. POINTES TO BE DECIDED

“Whether the action of the management of M/s. BCCL in changing the date of birth mentioned in the statutory Form B register in respect of Sri Sheo Pyare Yadav, Dumper Operator Bastacolla Area, is justified, legal and proper? If not, to what relief is the workman entitled?”

6. FINDING WITH REASONS

It appears from the record that inspite of giving sufficient opportunity the concerned workman has not produced any witness in support of his claim. He also did not take any step to produce any record in support of his claim. Burden of proof lies upon the concerned workman to establish the fact that the action of the management in altering the date of birth mentioned in the statutory Form ‘B’ register is illegal, improper and unjustified. But as stated he has not produced any evidence/record to establish this fact. He has not also brought anything on record to show that he was not examined by any Apex Medical Board of the management.

7. Though it appears that the concerned workman had filed a Writ application before the Hon’ble but the copy of the order of the Hon’ble Court is not on the record and none of the parties have filed any copy of the order of the Hon’ble Court. However, from the statement made in the Written Statement, it appears that the Hon’ble Court have not been pleased to pass any order on question of age of the concerned workman rather it was observed to raise industrial dispute/to file case before the competent Court. Accordingly this industrial dispute has been raised.

8. In the aforesaid circumstances, the concerned workman is not entitled to get any relief. Accordingly, the following award is rendered :—

“The action of the management of M/s. BCCL in changing the date of birth mentioned in the statutory Form ‘B’ Register in respect of Sri Sheo Pyare Yadav, Dumper Operator Bastacolla Area, is justified, legal and proper. Consequently, the concerned workman is not entitled to get any relief.”

NAGENDRA KUMAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 2008

का.आ. 518.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. बी.सी. सी. एल. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/ (सं- II) धनवाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 104/2005) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-02-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल- 20012/87/2005-आई.आर.(सी-1)]

स्नेह लता जवास, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th February, 2008

S.O. 518.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No.104/2005) of the Central Government Industrial Tribunal (No. II) Dhanbad now as shown in the Annexure in Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. B C C L and their workman, which was received by the Central Government on 19-02-2008.

[No. L-20012/87/2005-IR(C-1)]

SNEH LATA JAWAS, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD PRESENT

SHRI NAGENDRA KUMAR, Presiding Officer.

In the matter of an Industrial Dispute under Section 10(1) (d) of the I.D. Act., 1947.

REFERENCE NO. 104 of 2005

PARTIES: Employers in relation to the management of Sijua Area of M/s. BCCL and their workman.

APPEARANCES:

On behalf of the workman : Mr. K. N. Singh,
Vice-President, Janta
Mazdoor Sangh.

On behalf of the employers : Mr. R. N. Ganguly,
Advocate

State : Jharkhand Industry : Coal.

Dated, the 11th February, 2008

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour and Employment in exercise of powers conferred on them under Section 10 (1) (d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication *vide* their Order No. L-20012/87/2005 IR(C-1) dated, the 6th December, 2005.

SCHEDULE

“Whether the demand of the Janta Mazdoor Sangh from the management of BCCL, Sijua Area that Sri Sahdeo Bhar, U/G Loader be regularised as U/G Trammer is justified? If so, to what relief is the workman entitled and from what date?”

2. In this case both the parties appeared and filed their respective Written Statement. Subsequently at the stage of filing rejoinder by the workman side, the representative of the workman by filing a petition has submitted to pass a ‘No dispute’ Award in this case as the concerned workman involved in the dispute has expired. No objection has been raised on behalf of the management side in view of such paper by the workman.

Perused the petition and heard both sides.

Since the concerned workman has expired and prayer has been made to pass a 'No dispute' Award, I do not find any reason to drag on the case any more. Under such circumstances, a 'No dispute' Award is passed in this reference presuming non-existence of any industrial dispute between the parties.

NAGENDRA KUMAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 2008

का.आ. 519.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. बी. सी. सी. एल. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/(सं-II) धनवाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 34/2002) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-02-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल- 20012/392/99-आई.आर.(सी-I)]

स्नेह लता जवास, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th Feburary, 2008

S.O. 519.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 34/2002) of the Central Government Industrial Tribunal/ (No. II) Dhanbad now as shown in the Annexure in Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. BCCL and their workman, which was received by the Central Government on 19-02-2008.

[No. L-20012/392/99-IR(C-1)]

SNEH LATA JAWAS, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT

SHRI NAGENDRA KUMAR, Presiding Officer

In the matter of an Industrial Dispute under Section 10(1) (d) of the I.D. Act, 1947.

REFERENCE No. 34 of 2002

PARTIES: Employers in relation to the management of P.B. Area of M/s BCCL their workman.

APPEARANCES:

On behalf of the workman : Mr. B.N. Singh,
Advocate.

On behalf of the employers : Mr. D.K. Verma,
Advocate

State : Jharkhand Industry : Coal.

Dhanbad, the 8th February, 2008

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour and Employment in exercise of powers conferred on them under Section 10 (1) (d) of the I.D. Act., 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication *vide* their Order No. L-20012/392/99 IR(C-I) dated, the 4th April, 2002.

SCHEDULE

"Kya rashtriya colliery mazdoor sangh kee bharat coking coal limited p. b. kshetra key prabandhantra sey mang kee Mohammad Reyazuddin ko sahayak supervisor (technical) key pad par niyamita kiya jaye uchit evam nayasangat hain ? yadi han to ukt karmkar kis rahat key patra hain tatha kis tarikh sey?"

2. In this case both the parties appeared through their authorised representative and filed their respective W. S. documents etc. Subsequently at the stage of oral evidence a petition has been filed on behalf of the workman praying therein to pass a 'No dispute' Award on the ground that the concerned workman involved in the dispute is not interested to proceed further in this case. No objection raised on behalf of the management in view of the prayer made on behalf of the concerned workman.

Since the concerned workman involved in the reference is not interested to proceed with the hearing of this case, I do not find any reason to drag on the same suo moto for days together. In the circumstances, a 'No dispute' Award is passed in this reference presuming non-existence of any industrial dispute between the parties.

NAGENDRA KUMAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 20 फरवरी, 2008

का.आ. 520.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. कोच्चि रिफाइनरी के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/प्रम न्यायालय अरनाकुलम के पंचाट (संदर्भ संख्या 286/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20-2-08 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-30012/2/97-आई.आर.(सी-I)]

स्नेह लता जवास, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 20th Feburary, 2008

S.O. 520.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 286/2006 of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court Ernakulam now as shown in the Annexure in Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. Kochi Refineries Ltd. and their workman was received by the Central Government on 20-2-08

[No. L-30012/2/97-IR (C-I)]
SNEH LATA JAWAS, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, ERNAKULAM

Present : Shri . P. L. Norbert, B.A., LL.B., Presiding Officer
(Monday the 28th day of January 2008/8th Magha 1929)

I.D. 286 OF 2006

(I.D. 18/98 of Labour Court, Ernakulam)

Union : The General Secretary, Cochin Refineries Employees Association
Ambalamughal, Kochi—682302.
By Adv. Sri. C.S. Ajith Prakash.

Management : The General Manager (HRM), Kochi Refineries Ltd., Ambalamughal, Kochi.
By Adv. M/s. Menon & Pai..

This case coming up for hearing on 28-01-2008, this Tribunal-cum-Labour Court on the same day passed the following.

AWARD

This is a reference made under Section 10 (1) (d) of Industrial Dispute Act against enquiry proceedings and punishment of withholding of 3 increments with cumulative effect on the allegation of misconduct.

2. Both sides entered appearance and filed their pleadings. However when the case was posted for evidence both sides were not ready and no witnesses were present. Representation was made on behalf of the counsel on both sides seeking adjournment. this is a reference of 1998. Sufficient opportunity was granted to both sides. They have been taking time repeatedly for adducing evidence. The validity of enquiry is under challenge. Naturally the management has to prove that principles of natural justice were complied, fair opportunity was given to the worker and findings are not perverse. The management has neither examined the Enquiry Officer nor tried to adduce evidence to discharge their burden. Hence it has to be held that the enquiry is not valid and the punishment imposed is not legal.

In the result, an award is passed findings that the enquiry is not valid and punishment is improper, illegal and enquiry report and punishment are set aside. The workman is entitled to arrears of wages, allowances and all consequential benefits from the date of imposing the punishment. No cost.

Typed, corrected and passed by me on this the 28th day of January, 2008.

P. L. NORBERT, Presiding Officer

Appendix : Nil.

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 2008

का.आ. 521.— कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उप-धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 01 मार्च, 2008 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय 4 (44 व 45 धारा के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त हो चुकी है) अध्याय 5 और 6 [धारा-76 की उप-धारा (1) और धारा-77,78,79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है] के उपबन्ध नागालैण्ड राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्,

“डिमापुर नगर पालिका के अधीन तथा डिमापुर राजस्व सर्कल के अन्तर्गत आने वाले राजस्व ग्राम डिमापुर टाउन, नागरजान, पुराना बाजार, 4 माईल, इकरानी गांव, दारोगा पथार तथा जिला डिमापुर के मौजा I, II, III”।

[संख्या एस-38013/14/2008-एस एस-1]

एस.डी. जेवियर, अवर सचिव

New Delhi, the 25th February, 2008

S.O. 521.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st March, 2008 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter-V and V1 [except Sub-Section (1) of Section 76 and Sections 77,78,79 and 81 which have already been brought into force] of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Nagaland namely:—

“Areas under Dimapur Municipal area falling within Dimapur Revenue Circles including the Revenue Village—Dimapur Town, Nagarjan, Puranabazar, 4th Mile, Ekranigaon, Darogapathar, under Mouza—I, II, III, in the District of Dimapur.”

[No. S-38013/14/2008-SS-I]

S. D. XAVIER, Under Secy.

नई दिल्ली, 5 मार्च, 2008

का.आ. 522.—जबकि मैसर्स यूनाइटेड ब्रिकरीज लि., बंगलोर (कोड संख्या के एन/26970 के तहत, कर्नाटक क्षेत्र में) एतदुपरान्त प्रतिष्ठान के रूप में संदर्भित) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (एतदुपरान्त अधिनियम के रूप में संदर्भित) की धारा 17 की उप-धारा(क) के छप्पड (क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन दिया है।

2. और जबकि, केन्द्र सरकार के विचार में अंशदान दर के मामले में उक्त प्रतिष्ठान के भविष्य निधि के नियम उसके कर्मचारियों के लिए उक्त अधिनियम की धारा 6 में विनिर्दिष्ट की तुलना में कम हितकर नहीं है और कर्मचारी भी समान प्रकृति के किसी अन्य प्रतिष्ठान के कर्मचारियों के संबंध में उक्त अधिनियम या कर्मचारी भविष्य निधि योजना, 1952 (एतदुपरान्त उक्त प्रतिष्ठान के रूप में संदर्भित) के अंतर्गत अन्य भविष्य निधि लाभ भी प्राप्त कर रहे हैं।

3. केन्द्र सरकार एतद्वारा, अब उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस संबंध में समय-समय पर विनिर्दिष्ट शर्तों को ध्यान में रखते हुए, उक्त प्रतिष्ठान को उक्त योजना के समस्त उपबंधों के प्रचालन से 01-03-2005 से अगली अधिसूचना तक के लिए छूट प्रदान करती है।

[सं. एस-35015/32/2007-एसएस-II]

एस.डी. जेवियर, अवर सचिव

New Delhi, the 5th March, 2008

S.O. 522.—Whereas M/s. United Breweries Ltd., Bangalore (under Code No. KN/26970 in Karnataka region) (hereinafter referred to as the establishment) has applied for exemption under clause (a) of sub-section (1) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the Act).

2. And whereas in the opinion of the Central Government, the rules of the provident fund of the said establishment with respect to the rates of contribution are not less favourable to employees therein than those specified in section 6 of the said Act and the employees are also in enjoyment of other provident fund benefits provided under the said Act or under the Employees' Provident Funds Scheme, 1952 (hereinafter referred to as the Scheme) in relation to the employees' in any other establishment of similar character,

3. Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in this regard from time to time, the Central Government hereby, exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme with effect from 01-03-2005, until further notification.

[No. S-35015/32/2007-SS-II]

S. D. XAVIER, Under Secy.

नई दिल्ली, 5 मार्च, 2008

का.आ. 523.—जबकि मैसर्स एन.टी.पी.सी. लि., दिल्ली (उत्तरी) क्षेत्र में (कोड संख्या डी.एल./4070 के तहत) (एतदुपरान्त प्रतिष्ठान के रूप में संदर्भित) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (एतदुपरान्त अधिनियम के रूप में संदर्भित की धारा 17 की उप-धारा (1) के खण्ड (क) के अंतर्गत छूट के लिए आवेदन दिया है।

2. और जबकि, केन्द्र सरकार के विचार में अंशदान दर के मामले में उक्त प्रतिष्ठान के भविष्य निधि के नियम उसके कर्मचारियों के लिए उक्त अधिनियम की धारा 6 में विनिर्दिष्ट की तुलना में कम हितकर नहीं है और कर्मचारी भी समान प्रकृति के किसी अन्य प्रतिष्ठान के कर्मचारियों के संबंध में उक्त अधिनियम या कर्मचारी भविष्य निधि योजना, 1952 (एतदुपरान्त उक्त प्रतिष्ठान के रूप में संदर्भित) के अंतर्गत अन्य भविष्य निधि लाभ भी प्राप्त कर रहे हैं।

3. केन्द्र सरकार एतद्वारा, अब उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस संबंध में समय-समय पर विनिर्दिष्ट शर्तों को ध्यान में रखते हुए, उक्त प्रतिष्ठान को उक्त योजना के समस्त उपबंधों के प्रचालन से 01-03-1976 से अगली अधिसूचना तक के लिए छूट प्रदान करती है।

[सं. एस-35015/4/2008-एस एस-II]

एस. डी. जेवियर, अवर सचिव

New Delhi, the 5th March, 2008

S.O. 523.—Whereas M/s. NTPC Ltd. (under Code No. DL/4070 in Delhi (North) region (hereinafter referred to as the establishment) has applied for exemption under clause (a) of sub-section (1) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the Act).

2. And whereas in the opinion of the Central Government, the rules of the provident fund of the said establishment with respect to the rates of contribution are not less favourable to employees therein than those specified in Section 6 of the said Act and the employees are also in enjoyment of other provident fund benefits provided under the said Act or under the Employees' Provident Funds Scheme, 1952 (hereinafter referred to as the Scheme) in relation to the employees in any other establishment of similar character.

3. Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in this regard from time to time, the Central Government hereby, exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme with effect from 01-03-1976 until further notification.

[No. S-35015/4/2008-SS-II]

S. D. XAVIER, Under Secy.

नई दिल्ली, 5 मार्च, 2008

का.आ. 524.—जबकि मैसर्स टाटा कन्सलटेन्सीज़ लि., मुंबई-I (कोड संख्या एमएच/बीएएन/48475 के तहत, मुंबई-I क्षेत्र में) (एतदुपरान्त प्रतिष्ठान के रूप में संदर्भित) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (एतदुपरान्त अधिनियम के रूप में संदर्भित) की धारा 17 की उप-धारा (1) के खण्ड (क) के अंतर्गत छूट के लिए आवेदन दिया है।

2. और जबकि, केन्द्र सरकार के विचार में अंशदान दर के मामले में उक्त प्रतिष्ठान के भविष्य निधि के नियम उसके कर्मचारियों के लिए उक्त अधिनियम की धारा 6 में विनिर्दिष्ट की तुलना में कम हितकर नहीं है और कर्मचारी भी समान प्रकृति के किसी अन्य प्रतिष्ठान के कर्मचारियों के संबंध में उक्त अधिनियम या कर्मचारी भविष्य निधि योजना, 1952 (एतदुपरान्त उक्त प्रतिष्ठान के रूप में संदर्भित) के अंतर्गत अन्य भविष्य निधि लाभ भी प्राप्त कर रहे हैं।

3. केन्द्र सरकार एतद्वारा, अब उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस संबंध में समय-समय पर विनिर्दिष्ट शर्तों को ध्यान में रखते हुए, उक्त प्रतिष्ठान को उक्त योजना के समस्त उपबंधों के प्रचालन से 27-07-2006 से अगली अधिसूचना तक के लिए छूट प्रदान करती है।

[सं. एस-35015 /55/2007-एसएस-II]

एस. डी. जेवियर, अवर सचिव

New Delhi, the 5th March, 2008

S.O. 524.—Whereas M/s. Tata Consultancy Services Ltd., Mumbai-I (under Code No. MH/BAN/48475 in Mumbai-I region) (hereinafter referred to as the establishment) has applied for exemption under clause (a) of sub-section (1) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the Act).

2. And whereas in the opinion of the Central Government, the rules of the provident fund of the said establishment with respect to the rates of contribution are not less favourable to employees therein than those specified in Section 6 of the said Act and the employees are also in enjoyment of other provident fund benefits provided under the said Act or under the Employees' Provident Funds Scheme, 1952 (hereinafter referred to as the Scheme) in relation to the employees in any other establishment of similar character.

3. Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in this regard from time to time, the Central Government, hereby, exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme with effect from 27-07-2006, until further notification.

[No. S-35015/55/2007-SS-II]

S.D. XAVIER, Under Secy.